हिन्दी दैनिक

प्रत्यूष नवबिहार

जोहार

रांची संस्करण

www.tezraftarlive.com
Email-navbiharjh@gmail.com

रांची, पटना और दिल्ली से प्रकाशित

रांची ● शुक्रवार ● 27.02.2026 ● वर्ष : 16 ● अंक : 213 ● पृष्ठ : 12 ● आमंत्रण मूल्य : 3 रुपये 2 रुपये

RNI Regn.: JHAHIN/2011/40902

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कदमा में श्री जगन्नाथ आध्यात्मिक एवं सांस्कृतिक केंद्र की आधारशिला रखी

भगवान जगन्नाथ जल्दी नहीं आते, उनके आने का करना पड़ता है इंतजार : राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

जमशेदपुर : 'श्री श्री जगन्नाथ मंदिर की जमशेदपुर में स्थापना का यह सही समय है। भगवान जगन्नाथ जल्दी नहीं आते, उनके आने का इंतजार करना पड़ता है। 'आज से भगवान जगन्नाथ जमशेदपुर बिहारी हो गए हैं।' यह बातें भारत की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने गुरुवार को कदमा स्थित मरीन ड्राइव में श्री श्री जगन्नाथ मंदिर एवं जगन्नाथ आध्यात्मिक धर्मार्थ केंद्र की आधारशिला रखने के अवसर पर कहीं। भूमि पूजन के बाद आयोजित सभा को संबोधित करते हुए उन्होंने भावनात्मक अंदाज में कहा कि अब भगवान जगन्नाथ जमशेदपुर में विराजमान होने जा रहे हैं और 'आज से भगवान जगन्नाथ जमशेदपुर बिहारी हो गए हैं। 'राष्ट्रपति ने रांची में स्थापित जगन्नाथ मंदिर का उल्लेख करते हुए कहा कि वहां मंदिर बनने के बाद भगवान 'निड़ाचढ़ बिहारी' कहलाए और अब झारखंड में व्यापक रूप से पूजे जा रहे हैं। जमशेदपुर में मंदिर निर्माण के साथ उनकी कृपा इस शहर पर भी बरसेगी। उन्होंने विश्वास जताया कि यह आध्यात्मिक एवं धर्मार्थ केंद्र न केवल धार्मिक आस्था का केंद्र बनेगा,बल्कि समाज सेवा और सांस्कृतिक चेतना का भी महत्वपूर्ण स्थल सिद्ध होगा।

इसके पूर्व कदमा मरीन ड्राइव स्थित कार्यक्रम स्थल पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के पहुंचते ही पूरे परिसर में उत्साह का माहौल बन गया। वैदिक मंत्रोच्चार और विधि-विधान के बीच भूमि पूजन संपन्न हुआ और मंदिर निर्माण की औपचारिक शुरूआत की। अपने संबोधन में राष्ट्रपति मुर्मू ने भगवान जगन्नाथ की महिमा का उल्लेख करते हुए कहा कि वे सर्वसुलभ और सर्वप्रिय भगवान हैं, जिनकी लोकप्रियता पूरे विश्व में है। उन्होंने रथ यात्रा की परंपरा का जिक्र करते हुए कहा कि जब रथ यात्रा निकलती है तो भगवान भक्तों के बीच झूला झूलते, गान और उत्सव के साथ पहुंचते हैं। उनका आगमन प्रतीक्षा और भक्ति का प्रतीक है। इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान, झारखंड के राज्यपाल संतोष गंगवार तथा मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन भी मौजूद रहे। कार्यक्रम में अर्जुन मुंडा और उनकी पत्नी, विद्युत वरण महतो, सरयू राय सहित कई गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के जमशेदपुर पहुंचने पर सोनारी एयरपोर्ट पर अभिवादन और स्वागत करते हुए राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार एवं मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन।

राष्ट्रपति ने बारीडीह में मणिपाल टाटा मेडिकल कॉलेज के छात्रों से किया संवाद

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पूर्वी सिंहभूम : राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू कदमा में आयोजित श्री जगन्नाथ आध्यात्मिक एवं सांस्कृतिक केंद्र के भूमि पूजन के बाद बारीडीह पहुंचीं, जहां उन्होंने मणिपाल टाटा मेडिकल कॉलेज में 'परिचय सम्मेलन' में भाग लिया। राष्ट्रपति ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों के साथ फोटो सेशन किया, मेधावी छात्रों से संवाद किया और कॉलेज परिसर का निरीक्षण कर पौधारोपण किया। कार्यक्रम समाप्त होने के बाद जब राष्ट्रपति कॉलेज परिसर से बाहर निकलीं, तो सड़क किनारे बड़ी संख्या में लोगों की भीड़ मौजूद थी। लोगों का उत्साह देखकर उन्होंने अपना काफिला रुकवाया और वाहन से उतरकर पैदल ही जनता के बीच पहुंच गईं। राष्ट्रपति करीब 150 कदम तक आम लोगों के बीच चलीं और अभिवादन स्वीकार किया। अपने बीच राष्ट्रपति को पाकर लोगों का उत्साह चरम पर था। खासकर महिलाओं और बच्चों में विशेष उत्साह देखा गया। कई लोग हाथों में तिरंगा लिए राष्ट्रपति जिंदाबाद के नारे लगा रहे थे।

राष्ट्रपति ने भी स्नेहपूर्वक लोगों का अभिवादन किया और भीड़ में मौजूद बच्चों को चॉकलेट बांटी। एक बच्ची ने खुशी जाहिर करते हुए बताया कि उसे स्वयं राष्ट्रपति ने चॉकलेट दी। वहीं परविंदर कौर नामक एक महिला ने कहा कि वह कई घंटों से राष्ट्रपति की एक झलक पाने के लिए खड़ी थीं। जब राष्ट्रपति गाड़ी से उतरकर पैदल उनकी ओर आईं, तो यह क्षण उनके लिए अविस्मरणीय बन गया। उन्होंने बताया कि राष्ट्रपति ने उनकी बेटी को चॉकलेट देने के साथ आशीर्वाद भी दिया, जिससे परिवार बेहद भावुक और प्रसन्न है।

इस दौरान सुरक्षा व्यवस्था पूरी तरह मुस्तैद रही और कहीं भी अफरातफरी की स्थिति नहीं बनी। लोगों को राष्ट्रपति को नजदीक से देखने और उनका अभिवादन करने का अवसर मिला।

स्थानीय निवासी एस कुमार सिंह ने कहा कि उन्होंने कभी कल्पना भी नहीं की थी कि देश की राष्ट्रपति उनके इलाके में आएंगी। राष्ट्रपति के बारीडीह आगमन से पूरे क्षेत्र में उत्साह और गर्व का माहौल है। गौरतलब है कि कदमा का कार्यक्रम समाप्त होने के बाद राष्ट्रपति का काफिला मरीन ड्राइव से खरकई लिंक रोड, मानगो गोलचक्कर और भुइयांडीह होते हुए बारीडीह पहुंचा। कॉलेज प्रबंधन ने जानकारी दी कि भविष्य में परिसर में द्रौपदी मुर्मू स्पोर्ट्स एंड फूड कैंपस विकसित करने की दीर्घकालिक योजना है, जो विद्यार्थियों के समग्र विकास में सहायक होगा।

सामाजिक समरसता और चेतना का केंद्र बनेगा श्री जगन्नाथ आध्यात्मिक केंद्र : मुख्यमंत्री

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पूर्वी सिंहभूम : कुछ संस्थाएं केवल भवन नहीं होतीं, वे स्वयं के साथ-साथ मानव जीवन को भी तराशती हैं। श्री जगन्नाथ आध्यात्मिक और सांस्कृतिक केंद्र के निर्माण की नींव रखी जा रही है, जो आने वाले समय में सामाजिक समरसता, आध्यात्मिक चेतना और सांस्कृतिक जागरण का प्रमुख केंद्र बनेगा। यह बातें मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने कदमा स्थित मरीन ड्राइव परिसर में आयोजित श्री जगन्नाथ आध्यात्मिक और सांस्कृतिक केंद्र के भूमि पूजन समारोह को संबोधित करते हुए कही। मुख्यमंत्री ने इस पहल को सामाजिक, आध्यात्मिक और सांस्कृतिक समन्वय का जीवंत केंद्र बताते हुए इसे राज्य के लिए गौरवपूर्ण और सराहनीय कदम बताया। कार्यक्रम में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने शिलापट्ट का अनावरण कर केंद्र की आधारशिला रखी। मुख्यमंत्री ने कहा कि समाज में स्थापित होने वाली संस्थाएं केवल संरचनाएं नहीं होतीं, बल्कि वे विचार, संस्कार और संस्कृति को आगे बढ़ाने का

माध्यम बनती हैं। मुख्यमंत्री ने श्री जगन्नाथ स्पिरिचुअल एंड कल्चरल चैरिटेबल सेंटर ट्रस्ट की सोच और उद्देश्य की सराहना करते हुए विश्वास जताया कि यह केंद्र एक अभूतपूर्व और भव्य स्वरूप में विकसित होगा। उन्होंने सभी संबंधित लोगों को बधाई देते हुए कहा कि यह पहल राज्य की सांस्कृतिक पहचान को और सशक्त करेगी। करीब 100 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाला यह केंद्र ओडिशा के पुरी स्थित प्रसिद्ध जगन्नाथ मंदिर, पुरी की तर्ज पर विकसित किया जाएगा। प्रस्तावित केंद्र में आध्यात्मिक अनुष्ठानों, सांस्कृतिक कार्यक्रमों, धार्मिक अध्ययन, सामुदायिक गतिविधियों और सामाजिक सेवा के लिए आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। इससे न केवल जमशेदपुर बल्कि पूरे कोल्हान क्षेत्र को एक नई सांस्कृतिक पहचान मिलेगी। वहीं राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने कहा कि ऐसे केंद्र हमारी सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित करने और नई पीढ़ी को परंपराओं से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने इसे ओडिशा और झारखंड के सांस्कृतिक संबंधों को और मजबूत करने वाला कदम बताया। कार्यक्रम में राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार, केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान, जमशेदपुर के सांसद बिद्युत बरन महतो, विधायक सरयू राय और विधायक पूर्णिमा साहू, टाटा स्टील के सीईओ और एमडी टीवी नरेंद्रन, श्री जगन्नाथ स्पिरिचुअल एंड कल्चरल चैरिटेबल सेंटर ट्रस्ट के मैनेजिंग ट्रस्टी एसके बेहरा, ट्रस्टी मनोरंजन दास एवं श्रीधर प्रधान सहित बड़ी संख्या में गणमान्य लोग उपस्थित थे।

ट्रस्ट की ओर से बताया गया कि पारंपरिक स्थापत्य शैली और आधुनिक सुविधाओं के समन्वय से यह केंद्र आने वाली पीढ़ियों के लिए आस्था और संस्कृति का प्रेरणास्त्रोत बनेगा।

भारत-इजरायल संबंधों को 'स्पेशल स्ट्रैटेजिक पार्टनरशिप' का दर्जा, जल्द होगा मुक्त व्यापार समझौता : प्रधानमंत्री मोदी

एजेंसी

यरूशलम : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुरुवार को कहा कि भारत-इजरायल संबंध गहरे विश्वास, साझा लोकतांत्रिक मूल्यों और मानवीय संवेदनाओं की मजबूत आधारशिला पर स्थापित हैं तथा दोनों देश शीघ्र ही एक पारस्परिक रूप से लाभकारी मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) को अंतिम रूप देंगे। प्रधानमंत्री मोदी ने यरूशलम में इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के साथ संयुक्त संवाददाता सम्मेलन में कहा कि भारत और इजरायल के संबंध गहरे विश्वास, साझा लोकतांत्रिक मूल्यों और मानवीय संवेदनाओं की मजबूत आधारशिला पर स्थापित हैं तथा समय की हर कसौटी पर खरे उतरे

हैं। यह ऐतिहासिक निर्णय दोनों देशों के लोगों की आकांक्षाओं का प्रतिबिंब है।

मोदी ने बताया कि दोनों देशों ने 'क्रिटिकल एंड इमर्जिंग टेक्नोलॉजीज पार्टनरशिप' स्थापित करने का निर्णय लिया है, जिससे कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई), क्वांटम कंप्यूटिंग और क्रिटिकल मिनरल्स जैसे क्षेत्रों में सहयोग को नई गति मिलेगी। उन्होंने इजरायल में यूपीआई के उपयोग के लिए हुए समझौते पर भी प्रसन्नता व्यक्त की तथा डिजिटल हेल्थ सहित अन्य उभरते क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने की प्रतिबद्धता जताई।

रक्षा सहयोग का उल्लेख करते हुए मोदी ने कहा कि दोनों देशों के बीच दशकों पुराना विश्वसनीय रक्षा संबंध रहा है और हाल में हुए समझौता ज्ञापन से इसमें नए आयाम जुड़ेंगे। दोनों देश संयुक्त विकास, संयुक्त उत्पादन और प्रौद्योगिकी हस्तांतरण की दिशा में आगे बढ़ेंगे। उन्होंने नागरिक परमाणु ऊर्जा और अंतरिक्ष क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने की भी बात कही। कृषि क्षेत्र में सहयोग को 'भविष्य उन्मुख' बताते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि इजरायल के सहयोग से भारत में स्थापित 'सेंटर ऑफ एक्सीलेंस' मित्रता के उत्कृष्ट उदाहरण हैं। इनकी संख्या 100 तक ले जाने का लक्ष्य रखा गया है। साथ ही 'विलेजेज ऑफ एक्सीलेंस' और 'इंडिया-इजरायल इनोवेशन सेंटर फॉर एग्रीकल्चर' की स्थापना से किसानों की आय और उत्पादकता बढ़ाने में मदद मिलेगी। लोगों के बीच संपर्क को संबंधों का महत्वपूर्ण स्तंभ बताते हुए उन्होंने कहा कि वर्ष 2023 में हुए मैनपावर मोबिलिटी समझौते के तहत भारतीय कामगारों ने इजरायल के निर्माण और केयरगिवर क्षेत्रों में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। अब इस सहयोग का विस्तार वाणिज्य और सेवा क्षेत्रों में भी किया जा रहा है। युवाओं, शोधकर्ताओं और नवोन्मेषकों को जोड़ने के लिए 'इंडिया-इजरायल अकादमिक फोरम' की स्थापना की जा रही है। क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर चर्चा का उल्लेख करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत-मध्य पूर्व-यूरोप आर्थिक गलियारा और भारत-इजरायल-यूएई-अमेरिका पहल (आई2यू2) को नई गति से आगे बढ़ाया जाएगा।

चम्पाई सोरेन के गांव पहुंचे मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन, वीर सोरेन को दी श्रद्धांजलि

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

सरायकेला : झारखंड के मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन गुरुवार को सरायकेला जिले के झीलिंगगोड़ा पहुंचे, जहां उन्होंने पूर्व मुख्यमंत्री चम्पाई सोरेन के मृतक पोते वीर सोरेन को श्रद्धांजलि अर्पित की। इस दौरान मुख्यमंत्री ने शोक संतप्त परिवार से मुलाकात कर गहरी संवेदना व्यक्त की और उन्हें इस दुख की घड़ी में हिम्मत बनाए रखने का संबल दिया। मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने चम्पाई सोरेन से पूरी घटना की जानकारी ली। बातचीत के दौरान दोनों ही बहुत भावुक दिखे।

जानकारी के अनुसार, दो दिन पहले हिमाचल प्रदेश के कुल्लू में वीर सोरेन की मौत हो गई थी। बताया जा रहा है कि वह अपने दोस्तों के साथ घूमने गए थे, इसी दौरान यह

दुखद घटना घटी। हादसे की सूचना मिलते ही परिवार और समर्थकों में शोक की लहर दौड़ गई।वीर सोरेन के असामयिक निधन से राजनीतिक और सामाजिक क्षेत्र में भी शोक व्यक्त किया जा रहा है। विभिन्न दलों के नेताओं और स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने भी अपनी संवेदनाएं प्रकट की हैं। झीलिंगगोड़ा स्थित आवास पर बड़ी संख्या में समर्थक और स्थानीय लोग पहुंच रहे हैं और परिवार को सांत्वना दे रहे हैं। मुख्यमंत्री के दौरे को परिवार के प्रति संवेदना और नैतिक समर्थन के रूप में देखा जा रहा है। इस दुखद घटना ने पूरे क्षेत्र को मर्माहत कर दिया है। परिवारजन और समर्थक वीर सोरेन की याद में श्रद्धांजलि अर्पित कर रहे हैं।

विनोबा भावे विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. चंद्र भूषण शर्मा आईयूसी-टीई की गवर्निंग बॉडी के सदस्य मनोनीत

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : विनोबा भावे विश्वविद्यालय हजारीबाग के कुलपति प्रो चंद्र भूषण शर्मा को इंटर यूनिवर्सिटी सेंटर फॉर टीचर एजुकेशन के गवर्निंग बॉडी का सदस्य मनोनीत किया गया है। इनका मनोनयन टीचर एजुकेशन पर राष्ट्रीय तथा अंतरराष्ट्रीय स्तर के अनुभव रखने वाले एक विशेषज्ञ के रूप में किया गया है। विशेष बात यह है इनका मनोनयन स्वयं विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के अध्यक्ष के द्वारा किया गया है। यह मनोनयन 2 मार्च 2026 से तीन वर्षों तक प्रभावी रहेगी। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के संयुक्त सचिव जितेंद्र कुमार त्रिपाठी ने 25 फरवरी 2026 को जारी पत्र के द्वारा प्रोफेसर चंद्र भूषण शर्मा को इसकी सूचना दी है। ज्ञात हो कि विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी में इंटर यूनिवर्सिटी काउंसिल फॉर टीचर एजुकेशन की स्थापना की है। यूजीसी का उद्देश्य है इस संस्थान के द्वारा नए ज्ञान का सृजन करते हुए शिक्षक-शिक्षण को और सशक्त व समृद्ध बनाना। साथ ही अच्छे शिक्षकों को तैयार करने की दिशा में नीति-निर्धारण का कार्य करना एवं विकसित तथा विकासशील राष्ट्रों में शिक्षक-शिक्षण से संबंधित नीतियों तथा परिपाटियों पर एक सूचना अधिकोष की स्थापना करना। पत्र में जानकारी दी गई है कि परीनियम के अनुसार आईयूसी-टीई, वाराणसी अपने परिषद तथा शाशिनिकाय के द्वारा संचालित होगी। इस संस्था के महत्व का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि यूजीसी के अध्यक्ष इस संस्थान के प्रधान होंगे। विनोबा भावे विश्वविद्यालय के शिक्षक एवं कर्मचारियों ने कुलपति प्रो चंद्र भूषण शर्मा को यह महत्वपूर्ण दायित्व दिए जाने पर उन्हें साधुवाद और शुभकामनाएं दी है।

स्वर्णकार समाज का 1 मार्च को हजारीबाग में होली मिलन समारोह

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बड़कागांव : बड़कागांव में कान्यकुब्ज स्वर्णकार महासंघ की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में मुख्य रूप से हजारीबाग से आए अतिथि रंजीत सोनी, वीरेंद्र सोनी एवं जितेंद्र सोनी का समाज के सदस्यों द्वारा भव्य स्वागत किया गया। बैठक के दौरान वक्ताओं ने नंदिनी ज्वेलर्स में हुई हालिया लूटपाट और गोलीबारी की घटना की कड़े शब्दों में निंदा की। स्वर्णकार समाज ने पुलिस प्रशासन से इस मामले का शीघ्र उद्भेदन करने और दोषियों को गिरफ्तार करने की मांग की है। समाज के प्रतिनिधियों ने निर्णय लिया कि वे जल्द ही हजारीबाग के एसपी अंजनी अंजन से मुलाकात कर एक ज्ञापन सौंपेंगे, ताकि व्यापारियों की सुरक्षा सुनिश्चित हो सके। बैठक में आगामी त्योहार को लेकर भी चर्चा हुई। सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि 1 मार्च को हजारीबाग स्थित शंभू बैंक्विट हॉल में भव्य होली मिलन समारोह का आयोजन किया जाएगा। समाज के सभी लोगों से इस समारोह में सपरिवार शामिल होने का निमंत्रण दिया गया है। मौके पर मुख्य रूप से रंजीत सोनी, वीरेंद्र सोनी, जितेंद्र सोनी, जिला अध्यक्ष नंदू प्रसाद, प्रमोद महाजन, प्रभु सोनी, गौतम वर्मा, विक्की सोनी, अरविंद वर्मा, अनिल सोनी, राजेश सोनी, बल्लू सोनी, लखन साव, बसंत सोनी, संजय सोनी, संतोष सोनी, पिंटू सोनी, सुबोध सोनी, बद्रीनाथ साव सहित कई अन्य सदस्य उपस्थित थे। इसके अलावा प्रखंड खाद्य आपूर्ति पदाधिकारी भास्कर राज, बालेश्वर कुमार, रामेश्वर राम, जगन्नाथ साहू, प्रकाश राम, एतवा तुरी, योगेश्वर रविदास, अशोक राम, राजेंद्र साहू, गंगाधर साहू, कुंदन राम, सोनू कुमार गुप्ता, जितेंद्र कुमार, पवन सिंह, राजेंद्र कुमार, तुलेश्वर कुमार, विनोद राणा, रवि कुमार, कैलाश राम एवं संजय कुमार ने भी अपनी उपस्थिति दर्ज कराई।

बच्चों की सुरक्षा को लेकर अलर्ट हुए ग्रामीण संदिग्ध महिला को पकड़कर पुलिस को सौंपा

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

चौपारण : प्रखंड के पाण्डेयबारा पंचायत अंतर्गत गांव कमलवार में गुरुवार सुबह करीब 8:45 बजे उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब ग्रामीणों ने एक संदिग्ध महिला को बच्चा चोरी के शक में पकड़ लिया। महिला की गतिविधियां संदिग्ध प्रतीत होने पर ग्रामीण सतर्क हो गए और तत्परता दिखाते हुए उसे रोक लिया। ग्रामीणों के अनुसार, महिला सुबह विद्यालय जा रहे बच्चों पर लगातार नजर रखे हुए थी और तेज गति से गांव के आसपास चक्कर लगा रही थी। जब ग्रामीणों ने उससे पूछताछ करने का प्रयास किया तो वह इंडियन ऑयल पेट्रोल पंप के समीप से सड़क पार कर भागने लगी। संदेह और गहराने पर ग्रामीणों ने पीछा कर महिला को पकड़ लिया और गांव में सुरक्षित स्थान पर बैठाकर उससे पूछताछ की। पूछताछ के दौरान महिला ने अपना पता तेलंगाना बताया, किंतु भाषा की कठिनाई के कारण महिला और ग्रामीणों के बीच संवाद स्पष्ट नहीं हो सका। महिला के बैग की तलाशी लेने पर उसमें कई संदिग्ध दस्तावेज पाए गए, जिनमें विभिन्न आधार कार्ड की फोटो कॉपी हस्ताक्षर सहित, एचडीएफसी एवं आईसीआईसीआई बैंक की पासबुक, कई वाहनों के ऑनर बुक की फोटो कॉपी, एक निजी कंपनी से संबंधित बुक तथा हाजिरी दर्ज एक डायरी शामिल थी। इन दस्तावेजों को देखकर ग्रामीणों का संदेह और प्रबल हो गया। इसके बाद तत्काल चौपारण थाना को सूचना दी गई। सूचना मिलते ही पुलिस दल मौके पर पहुंचा और महिला को अपने संरक्षण में लेकर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, चौपारण ले जाया गया। जहां उसका प्राथमिक उपचार कराया गया। पुलिस द्वारा पूरे मामले की गहन जांच-पड़ताल की जा रही है। इस संबंध में थाना प्रभारी सरोज सिंह चौधरी ने आम जनता से अपील करते हुए कहा कि किसी भी प्रकार की अफवाहों पर ध्यान न दें और कानून को अपने हाथ में लेने से बचें।

चौपारण के जंगलों में अवैध अफीम खेती पर बड़ा प्रहार, 2 एकड़ फसल ध्वस्त

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

चौपारण : अवैध मादक पदार्थों की खेती के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत चौपारण पुलिस और वन विभाग ने संयुक्त रूप से बड़ी कार्रवाई करते हुए लगभग 02 एकड़ में लगी अफीम की फसल को नष्ट कर दिया। यह कार्रवाई गौतम बुद्ध वन्यप्राणी आश्रयणी क्षेत्र के जंगलों में प्राप्त गुप्त सूचना के आधार पर की गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार, दैहर पंचायत अंतर्गत खेरीगाड़ा के दुर्गम जंगल क्षेत्र में अवैध रूप से अफीम की खेती किए जाने की सूचना प्रशासन को मिली थी। सूचना के सत्यापन के पश्चात चौपारण थाना की पुलिस टीम एवं वन विभाग के अधिकारियों ने संयुक्त अभियान चलाया। अभियान के दौरान विभिन्न स्थानों पर करीब 02 एकड़ क्षेत्र में फैली अवैध अफीम की खेती को चिन्हित किया गया। अधिकारियों ने मौके पर ही पूरी फसल को विनष्ट कर दिया। कार्रवाई के दौरान घटनास्थल से खेती में उपयोग की जा रही सामग्रियाँ भी बरामद की गईं। बरामद वस्तुओं में चार डिलीवरी पाइप शामिल हैं, जिन्हें विधिवत नष्ट कर दिया गया। अधिकारियों ने बताया कि अवैध अफीम की खेती में संलिप्त व्यक्तियों के नाम-पते का सत्यापन किया जा रहा है। दोषियों की पहचान होने के बाद उनके विरुद्ध कांड दर्ज कर कानूनी कार्रवाई की जाएगी। उल्लेखनीय है कि अवैध खेती को रोकने के लिए प्रशासन द्वारा ड्रोन तकनीक का भी उपयोग किया जा रहा है, जिससे दुर्गम एवं घने जंगल क्षेत्रों में छिपी खेती का आसानी से पता लगाया जा सके। पुलिस टीम में एसआई सुबिन्दर राम, एसआई दिव्य प्रकाश एवं सशस्त्र बल के जवान शामिल थे। वहीं वन विभाग की ओर से वनपाल श्रवण कुमार, वनरक्षी जैनेन्द्र कुमार सहित दैनिक कर्मियों ने अभियान में भाग लिया।

कथा श्रवण से चरित्र निर्माण के साथ सकारात्मक परिवर्तन संभव : लाडली शरण

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बरही : बरही थाना क्षेत्र अंतर्गत कोयली ग्राम में नव निर्मित शिव परिवार, राम लक्ष्मण सीता एवं राधा कृष्ण मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा को लेकर नौ दिवसीय महायज्ञ का आयोजन किया जा रहा है। दिन में महायज्ञ की सारी विधि विधान यज्ञाचार्य रणंजय प्रताप पांडे के द्वारा किया जा रहा है। वहीं रात्रि में प्रत्येक दिन प्रसिद्ध कथावाचिका लाडली शरण द्वारा भागवत कथा का श्रवण कराया जा रहा है। कथा प्रवचन के द्वारा उपस्थित श्रद्धालुओं को जीवन जीने की कला, नशा पान से होने वाले नुकसान, कथा श्रवण से होने वाले लाभ की जानकारी दी। इसके साथ ही भागवत कथा के माध्यम से भगवान श्री कृष्ण की अवतार तथा उनके द्वारा रचाई गई लीला की बहुत ही सुंदर तरीके से व्याख्या कर दर्शकों को मंत्रमुग्ध किया। उन्होंने कहा कि नशा पान से शारीरिक अक्षमता के साथ साथ गृह क्लेश को बढ़ाता है। पारिवारिक समृद्धि रुक जाती है। इसलिए नशा पान से दूर रहनी चाहिए। उन्होंने हिंदुओं को जागृत करते हुए कहा कि आप अभी भी समय है जाग जाओ नहीं तो अपने ही देश में पुनः गुलाम बन जाओगे। कहा कि भगवान के शरण में अपने आपको समर्पित कर दो, कोई आपका बाल बांका नहीं कर सकता। महायज्ञ के अष्टम दिन मंदिर में स्थापित होने वाले प्रतिमा के साथ नगर भ्रमण कराया गया। यज्ञ स्थल से शुरू होकर पुरहरा, रसोइया धमना, छोटकी बरही ,बेंदगी होते हुए पुनः यज्ञ स्थल पर नगर भ्रमण की समाप्ति हुई।

करियातपुर में श्री श्याम बाबा की निशान यात्रा धूमधाम से निकाली

हारे के सहारे, खाटू श्याम हमारे" का जयघोष ढोल-नगाड़ों और भक्ति गीतों के साथ झुमें श्रद्धालु

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बरही : गुरुवार को बरही प्रखंड के करियातपुर में आस्था और उत्साह का अद्भुत संगम देखने को मिला। गुरुवार को करियातपुर श्री खाटूश्यामजी मंडली के तत्वावधान में खाटू श्याम फाल्गुन महोत्सव के अवसर पर भव्य निशान यात्रा धूमधाम और श्रद्धा के साथ निकाली गई। गाजे-बाजे, ढोल-नगाड़ों और भजनों की मधुर धुनों के बीच हजारों महिला पुरूष बच्चे श्रद्धालु करियातपुर दुर्गा मंदिर परिसर से निकला जो जीटी रोड पर नइटांड मोड़ होते हुए बरसोत चौक से होते हुए दुर्गा मंदिर परिसर पहूंचा। श्रद्धालू क्षेत्र भ्रमण कर बाबा श्याम के जयघोष से वातावरण को भक्तिमय बना दिया।

पूजन-अर्चन के बाद शुरू हुई यात्रा

कार्यक्रम की शुरूआत दुर्गा मंदिर परिसर में विधि-विधान से खाटू श्याम बाबा के पूजन-अर्चन के साथ हुई। पूजा के पश्चात श्रद्धालुओं ने हाथों में सजे-धजे पवित्र निशान लेकर यात्रा प्रारंभ की। यात्रा में महिलाएं, पुरुष और युवा श्रद्धालु बड़ी संख्या में शामिल हुए। कई श्रद्धालु पारंपरिक वेशभूषा में नजर आए और भक्ति गीतों पर झूमते हुए आगे बढ़ते रहे।निशान यात्रा दुर्गा मंदिर से प्रारंभ होकर जीटी रोड होते हुए हरिजन स्कूल नईटांड मोड़,करियातपुर,बरसोत चौक होते हुए पुनः दुर्गा मंदिर परिसर पहुंची। रास्ते भर जगह-जगह श्रद्धालुओं ने खाटूश्यामजी के जयघोष लगाते दिखे।

भक्ति में झूमे श्रद्धालु

पूरे मार्ग में ढोल-ताशों की थाप पर श्रद्धालु नाचते-गाते आगे बढ़ते रहे। श्रद्धालुओं ने हारे का सहारा, बाबा श्याम हमारा" और "जय श्री श्याम" के जयघोष से पूरा क्षेत्र गूंज उठा। महिलाओं ने सिर पर निशान धारण कर श्रद्धा प्रकट की, वहीं युवाओं की टोली भजनों पर झूमती नजर आई जो पूजा स्थल पर निशान स्थापित किया गया।दुर्गा मंदिर परिसर पहुंचने के बाद विधिवत मंत्रोच्चार के साथ निशान को पूजा स्थल पर स्थापित किया गया। इसके बाद भजन-कीर्तन एवं प्रसाद वितरण कर सभी अपने अपने घर वापस लौटे।

एक नजर

सेवानिवृत शिक्षक हरिनारायण सिंह का निधन शिक्षाविदों ने शोक व्यक्त किया

बड़कागांव : अंबाजीत निवासी सेवानिवृत शिक्षक 81 वर्षीय हरिनारायण सिंह की बुधवार रात्रि को आकस्मिक निधन हो गया। निधन से बड़कागांव के शिक्षाविदों ने गहरा दुख व्यक्त करते हुए शोक व्यक्त किया है। अंतिम संस्कार इकलौते पुत्र अरुण सिंह ने मुखग्नि देकर किया। हरिनारायण सिंह अपने पीछे चार पुत्री एक पुत्र, समेत नाती पोता छोड़ गए। भाजपा के सक्रिय राजनीति में राजेश कुमार उर्फ जुगनू के हरि नारायण सिंह नाना थे। हरि नारायण सिंह 1971 में शिक्षक के पद पर योगदान दिया जिसमें रामगढ़ के गोला, पेटरवार, टंडवा के हेसातू,केरेडारी के पेटो, ग रिकला के बाद आदर्श मध्य विद्यालय बड़कागांव बच्चों को शिक्षा देने का कार्य किया। 2006 में बड़कागांव मध्य विद्यालय से सेवानिवृत हुए थे । निधन पर कई विशिष्ट लोगों ने भी गहरा दुख व्यक्त करते हुए शोक व्यक्त किया है।

दारू पुलिस की बड़ी कार्रवाई एक वारंटी को भेजा न्यायिक हिरासत

दारू : थाना प्रभारी इकबाल हुसैन द्वारा लंबित वारंटीयों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत बड़ी सफलता हासिल की है एक अभियुक्त दारु थाना कांड सं0- 62/23 दिनांक- 13/08/2023 धारा- 20(b)(ii)/22(b) N.D.P.S. Act के फिरारी अभियुक्त छोटु कुमार उर्फ करण कुमार पिता वकील प्रसाद मेहता सा0- चुरचु थाना कोर्रा जिला हजारीबाग जो विगत दो वर्षो से फिरार चल रहे थे को गिरफ्तार कर विधिवत न्यायिक हिरासत में जेल भेजा जा रहा है।

राष्ट्रीय लोक अदालत की तैयारी, बैंकों के साथ बैठक आयोजित

कोडरमा : झारखण्ड राज्य विधिक सेवा प्राधिकार रांची के निर्देश के आलोक में जिला विधिक सेवा प्राधिकार, कोडरमा के तत्वावधान में आगामी 14 मार्च 2026 को आयोजित होने वाले राष्ट्रीय लोक अदालत की तैयारियों को लेकर प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश के प्रकोष्ठ में जिले के विभिन्न बैंकों के अधिकारियों के साथ एक बैठक संपन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता कोडरमा के प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकार रमाकान्त मिश्रा ने की । प्रधान जिला जज ने उपस्थित अधिकारियों से आगामी राष्ट्रीय लोक अदालत में अधिक से अधिक मामलों के निष्पादन की दिशा में आवश्यक पहल करने की अपील की। उन्होंने कहा कि जहाँ एक ओर मामलों के निष्पादन से विभाग को राजस्व की वसूली करने में सहायता होती है वहीं दूसरी ओर न्यायालय से मुकदमों का बोझ कम होता है । उन्होंने बैंकों के अधिकारियों से अपने स्तर से भी पक्षकारों को सूचित करने तथा उनको अपने मामलों का निष्पादन राष्ट्रीय लोक अदालत के माध्यम से कराने के प्रति जागरुक करने की भी अपील की । साथ ही साथ विभिन्न बैंकों के अधिकारियों को निर्देश दिया गया कि वे अपने स्तर से पक्षकारों को नोटिस करें ताकि अधिक से अधिक मामलों का निष्पादन किया जा सके । प्रधान जिला जज ने सभी बैंको के अधिकारियो को ऋण धारको की सूची उपलब्ध कराने की अपील की ताकि न्यायालय द्वारा भी अपने स्तर से उन्हें अपने मामले के निष्पादन के लिए सूचित किया जा सके।

संक्षिप्त खबरें

एकल विद्यालय आचार्यो की मासिक अभ्यास वर्ग संपन्न

चुरचू : एकल अभियान की और से संचालित एकल विद्यालय आचार्यों की मासिक अभ्यास वर्ग संच चुरचू के स्वर्गीय टेकलाल महतो स्मृति भवन चरही में सम्पन्न हुआ। मासिक अभ्यास वर्ग की अध्यक्षता रमेश यादव ने की। मौके पर महादेव जी,ाग प्रशिक्षण प्रमुख दिनेश महतो, अंचल प्रशिक्षण प्रमुख नरेश पासवान संच प्रशिक्षण प्रमुख महेंद्र महतो और संच डाड़ी के प्रशिक्षण प्रमुख गीता देवी भी उपस्थित रहीं। इस मासिक अभ्यास वर्ग में प्राथमिक शिक्षा, ऑनलाइन हाजरी, पंचमुखी शिक्षा पर चर्चा किया गया। सभी आचार्य को गणवेश दिया गया । जिन्हें गणवेश दिया गया उनमें आचार्य विनीता देवी ,हेमंती देवी, पूनम कुमारी, ललिता कुमारी ,रीना कुमारी, सेरेमनी देवी, पुनीता देवी, रेखा कुमारी, कुंती देवी, गुड़िया देवी ,काजल कुमारी ,सरिता देवी ,सुषमा देवी ,मंजू कुमारी ,मनीता देवी, प्रमिला देवी आदि शामिल हैं।

केरेडारी थाना में शांति समिति की बैठक, होली व रमजान को लेकर दिशा-निर्देश

केरेडारी : प्रखंड के अंतर्गत केरेडारी थाना में शांति समिति की अहम बैठक का आयोजन। किया गया इस बैठक के अध्यक्षता केरेडारी अंचल अधिकारी रामरतन कुमार वर्णवाल संचालन करता केरेडारी प्रमुख सुनीता देवी ने पूर्ण रूप किया होली, और रमजान के शांतिपूर्ण उत्सव। मानने को लेकर बैठक किया गया एवं चलंत डीजे पर रहा प्रतिबंध रखने का आदेश दिया गया इस मौके पर उपस्थित केरेडारी अंचलाधिकारी रामरतन कुमार वर्णवाल, प्रखंड विकास पदाधिकारी विवेक कुमार दरोगा टिंकू कुमार सिंह,नेतृत्व कर रहे एस आई मुकेश राम, सुरेश साव, अरुण यादव, अवधेश यादव, अशोक बंटी, पवन कुमार दास, वरुण पासवान, अशोक कुमार, रोहित गोस्वामी, रोली मिश्रा सुमंत शाहा अमित माली,राजेश ठाकुर, रवींद्र कुमार,उप प्रमुख अमेरिका महतो दिनेश साव,तथा सभी जनप्रतिनिधि गण एवं पत्रकार बंधु उपस्थित रहे।

हरली सती परिवार की वार्षिक बैठक की गई

बड़कागांव : हरली पंचायत स्थित हरली विवाह मंडप में सती परिवार की वार्षिक बैठक की गई। बैठक में सती परिवार के 350 घरों से एक -एक सदस्य शामिल हुए। सर्वसमिति से पुरानी कमिटी को भंग करते हुए नये कमिटी का गठन किया गया। जिसमें सर्वसमिति से पूर्व मुखिया बिगेश्वर महतो को अध्यक्ष चुना गया,सचिव दामोदर महतो ,कोषाध्यक्ष धनेश्वर महतो, 21कार्यकारिणी सदस्य का चुनाव किया गया। बैठक में मुख्य रूप से मुखिया कविता देवी, पंचायत समिति प्रतिनिधि प्रदीप कुमार ,मुखिया प्रतिनिधि बालेश्वर कुमार, भागिनाथ महतो ,कन्हैया कुमार ,विकास कुमार, महावीर कुमार ,चुरामन महतो ,विजेंद्र कुमार ,देवेंद्र कुमार ,एवं सती परिवार के लगभग 350 घर के एक एक सदस्य उपस्थित रहे।

जन वितरण दुकानदार संघ ने मनाया होली मिलन समारोह

बड़कागांव : बड़कागांव जन वितरण प्रणाली दुकानदार संघ के द्वारा चर्चित पर्यटन स्थल बुढ़वा महादेव परिसर में होली मिलन समारोह का आयोजन किया गया। जिसकी अध्यक्षता प्रखंड अध्यक्ष सतेंद्र कुमार गुप्ता एवं संचालन सचिव बालेश्वर कुमार ने किया। कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि हजारीबाग जिला जन वितरण प्रणाली दुकानदार संघ के अध्यक्ष नंदू प्रसाद शामिल हुए एवं लोगों के मनोबल को बढ़ाया। मौके पर संघ के लोगों ने एक दूसरे को अबीर गुलाल लगाकर होली की शुभकामनाएं दी। होली मिलन समारोह में मुख्य रूप से जिला अध्यक्ष नंदू प्रसाद , प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी भास्कर राज, प्रखंड अध्यक्ष सत्येंद्र गुप्ता ,सचिव बालेश्वर कुमार,जिला उपाध्यक्ष रामेश्वर राम ,जगन्नाथ साहू, जयप्रकाश राम, पवन सिंह ,एतवा तुरी, योगेश्वर रविदास, अशोक राम, राजेंद्र साहू, जीवन कुमार, गंगाधर साहू, कुंदन राम ,सोनू कुमार गुप्ता, जितेंद्र कुमार, राजेंद्र कुमार,तुलेश्वर कुमार, विनोद राणा ,रवि कुमार ,कैलाश राम, संजय कुमार, बद्रीनाथ साव के अलावा अन्य उपस्थित थे।

विधायक ने धान अधिप्राप्ति और सिंचाई के मुद्दे को लेकर सरकार पर किया प्रहार

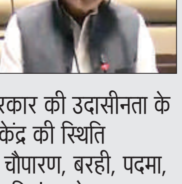

बरही : बजट सत्र के दौरान कृषि विभाग के कटौती प्रस्ताव पर बोलते हुए विधायक मनोज कुमार यादव ने सरकार की कृषि नीति पर तीखा प्रहार किया। कहा कि झारखण्ड की 70 प्रतिशत आबादी खेती किसानी पर निर्भर है। सरकार की उदासीनता के कारण राज्य के किसान बदहाल हैं। धान अधिप्राप्ति केंद्र की स्थिति चिंताजनक विधायक ने कहा कि विधानसभा क्षेत्र के चौपारण, बरही, पदमा, के धान अधिप्राप्ति केंद्रों की स्थिति चिंताजनक है। 15 दिसंबर से अबतक निबंधित किसानों का मात्र 5 प्रतिशत ही धान की खरीदगी की गई है। धान अधिप्राप्ति केंद्र की सुस्ती के किसानों की मजबूरी का फायदा उठाकर बिचौलिये औने-पौने दामों में किसानों से धान खरीद रहे हैं। प्रदेश में सिंचाई योजनाओं की बदहाली विधायक ने कहा कि झारखण्ड का अधिकांश भाग छोटानागपुर पठार पर स्थित है। खेती पूरी तरह वर्षा पर आधारित है। उन्होंने कोनार नहर गिरिडीह, बक्शा नहर चतरा और लोटिया जलाशय हजारीबाग जैसी सिंचाई योजनाओं के खराब रख-रखाव के कारण इसका लाभ सीमित किसानों को ही मिल पा रहा है।

एक नजर

झारखंड के किसानों की उपज का नहीं मिल पा रहा वैल्यू एडिशन : जयराम

रांची : विधानसभा के बजट सत्र के दौरान गुरुवार को झारखंड लोक क्रांतिकारी मोर्चा (जेएलकेएम) के विधायक जयराम महतो ने कहा कि राज्य सरकार की नीतियां झारखंड के किसानों के लिए लाभकारी साबित नहीं हो रही हैं। किसानों की उपज का वैल्यू एडिशन नहीं मिल रहा है। झारखंड के किसान अपना टमाटर 05 से 10 रुपये प्रति किलो बेचने को विवश हैं, जबकि उसी टमाटर से बनी सॉस की कीमत बाजार में हजारों रुपये प्रति किलो है। इसी तरह जब गेहूं, मक्के की कीमत कम और उसी को प्रोसेसिंग कर कॉर्नफ्लेक्स की कीमत आसमान छू रहा है। हमारे राज्य से किसानों के उत्पाद कच्चा माल दूसरे स्थान पर बेचने से दूसरों राज्यों को ज्यादा मुनाफा मिलता है। उन्होंने सदन में कटौती प्रस्ताव के विपक्ष में बालते हुए कहा कि झारखंड में किसान खेती कर केवल पेट भर सकते हैं, जीवन स्तर नहीं सुधार सकते। जयराम ने कहा कि राज्य के अधिकांश किसान मॉनसून पर निर्भर हैं और मुख्य रूप से बारिश के मौसम में धान की एक फसल ही ले पाते हैं। सिंचाई व्यवस्था के अभाव में वे गेहूं या अन्य फसल की खेती करने में असमर्थ हैं, जिससे उन्हें पर्याप्त लाभ नहीं मिल पाता। एक फसली खेती के कारण किसानों की आय सीमित हो जाती है। ऐसे में सरकार को चाहिए कि प्रत्येक जिले में एग्रो पार्क और फूड प्रोसेसिंग यूनिट स्थापित कर धरातल पर किसान हितों में काम करें। उन्होंने कहा कि इससे स्थानीय स्तर पर रोजगार बढ़ेगा और किसानों को उनकी उपज का उचित मुनाफा मिलेगा।

सीएम स्कूल ऑफ एक्सीलेंस गर्ल्स स्कूल बरियातू बनेगा आइडल

रांची : शहर में पहली बार सरकारी स्कूल को मिलेगी नई पहचान, क्योंकि सीएम स्कूल ऑफ एक्सीलेंस गर्ल्स स्कूल बरियातु को नगर निगम ने आइडल स्कूल बनाने की तैयारी कर रही है। गुरूवार को नगर निगम की टीम ने निरीक्षण किया और काफी सराहना किया। इस दौरान अपर प्रशासक ने स्कूल में प्रवेश करते ही स्कूल में शांत माहौल और दीवारों पर स्वच्छता को लेकर गंभीर देखा। हॉकी खेल के मैदान को भी नजदीक से देखा। इस मैदान से कई राष्ट्रीय एवं अंतराष्ट्रीय खिलाड़ी सरकारी स्कूल से निकल कर अपनी पहचान बनाई है। स्वच्छ सर्वेक्षण के तहत बरियातु गर्ल्स स्कूल को आईडल घोषित करने के बाद सरकारी स्कूल के प्रिंसिपलो को भ्रमण के लिए बुलाए जाएगा। ताकि प्राइमरी स्कूल से ही स्वच्छता को मजबूत बनाया जा सके।

सारंडा सेंक्चुअरी के मामले में झारखंड सरकार फिर गयी सुप्रीम कोर्ट

रांची : झारखंड सरकार ने सारंडा अभयारण्य घोषित करने से संबंधी सुप्रीम कोर्ट के 13 नवंबर 2025 के आदेश को जैसा है वैसा लागू नहीं करने का फैसला किया है और इस मामले में पुनर्विचार याचिका (रिव्यू पिटिशन) दायर की है। विधानसभा में इसका मुद्दा उठा। जमशेदपुर (पश्चिम) के विधायक सरयू राय ने अपने तारांकित प्रश्न में सरकार से पूछा था कि क्या राज्य सरकार उक्त क्षेत्र को अभयारण्य घोषित करना चाहती है या नहीं? इस पर सरकार ने लिखित उत्तर में बताया कि आदेश को सीधे लागू करने के बजाय सुप्रीम कोर्ट में पुनर्विचार याचिका दायर की गई है। हालांकि सरकार ने यह स्पष्ट नहीं किया कि रिव्यू पिटिशन किस तिथि को दायर की गई और क्या उसे सुप्रीम कोर्ट ने स्वीकार (एडमिट) किया है या नहीं।

झारखंड विधानसभा : विधायक रामचंद्र ने बिजली व्यवस्था सुधार का मुद्दा उठाया

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखंड विधानसभा बजट सत्र के सातवें दिन गुरुवार को विधायक रामचंद्र सिंह ने लातेहार जिला में बिजली व्यवस्था को सुधार करने का मामला सदन में उठाया। साथ ही विधायक ने कहा कि संवेदक के जरिए गड़बड़ी की जा रही है।

विधायक के इस सवाल के जवाब में मंत्री ने कहा कि कहां गड़बड़ी हो रही है, इस बारे में सदस्य सदन को बताएं। इस पर रामचंद्र सिंह ने मनिका बरवाडीह प्रखंडों का जिक्र किया। इसपर विधानसभा अध्यक्ष रबींद्र महतो ने कहा कि सदस्य जहां गड़बड़ी हो रही है, वो लिखित रूप में दें। विभाग उसपर त्वरित कार्रवाई करेगा।

सदन में खिजरी विधायक राजेश कच्छप ने ट्राईबल सब प्लान (टीएसपी) फंड के विचलन का मुद्दा उठाया। विधायक ने सरकार से जानना चाहा कि क्या राज्य अपने बजट से टीएसपी को पैसा दे रहा है। पूछा कि टीएसपी की राशि के विचलन के मामलों को गंभीरता से क्यों नहीं लिया जा रहा है।

इसके जवाब में मंत्री चमरा लिंडा ने कहा कि केंद्र से टीएसपी फंड आबादी के अनुपात के आधार पर राज्य को मिलता है। उन्होंने स्वीकार किया कि राज्य में टीएसपी फंड के विचलन को लेकर अब तक कोई स्पष्ट गाइडलाइन नहीं बनाई गई है।

मंत्री ने कहा कि इस समस्या का समाधान निकालना जरूरी है और इसको लेकर गाइडलाइ बनाने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि सरकार इस दिशा में काम करेगी। विधानसभा अध्यक्ष ने सुझाव दिया कि अन्य राज्यों में टीएसपी फंड खर्च करने के लिए बनाई गई गाइडलाइन का अध्ययन करे। फिर इसको लेकर राज्य में भी गाइडलाइन बनाये।

पूरक सवाल पर राजेश कच्छप ने पूछा कि अब तक हुए फंड विचलन में कौन से अधिकारी दोषी हैं और क्या उन पर कार्रवाई की जाएगी। इस पर मंत्री चमरा लिंडा ने कहा कि पूरे मामले का अध्ययन करने के बाद सरकार इस पर विचार करेगी।

सिकिदिरी जल विद्युत परियोजना में कथित अनियमितताओं पर उठा सवाल

सिकिदिरी जल विद्युत परियोजना में कथित अनियमितताओं और प्राक्कलन से अधिक व्यय का मामला सदन में उठा। विधायक राज सिन्हा ने सरयू राय के सवाल को उठाते हुए कहा कि सरकार अक्सर वित्तीय कमी और केंद्र के सहयोग नहीं मिलने की बात करती है, लेकिन 4.88 करोड़ रुपये के प्राक्कलन वाले कार्य के लिए न्यायालय से 130 करोड़ रुपये भुगतान का आदेश होना गंभीर विषय है।

मामला वर्ष 2012 में भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड (भेल) द्वारा सिकिदिरी जल विद्युत परियोजना की मरम्मत से जुड़ा है। परियोजना के प्रोजेक्ट मैनेजर ने दोनों इकाइयों की मरम्मत के लिए 4.88 करोड़ रुपये का प्राक्कलन तैयार किया था। इसके विपरीत 2 मार्च 2012 को तत्कालीन मुख्य अभियंता (उत्पादन) ने 20.87 करोड़ रुपये व्यय की कार्यादिश जारी कर दी।

बाद में भुगतान विवाद को लेकर मामला न्यायालय पहुंचा और कमर्शियल कोर्ट, रांची ने 9 अक्टूबर 2023 को झारखंड ऊर्जा उत्पादन निगम लिमिटेड (जेयूयूएनएल) के विरुद्ध आदेश पारित करते हुए भेल को ब्याज सहित लगभग 130 करोड़ रुपये भुगतान का आदेश दिया। इस आदेश के खिलाफ उच्च न्यायालय में अपील (01/2025) और उच्चतम न्यायालय में एसएलपी (9580/2025) दायर की गई, जो खारिज हो चुकी है।

विधायक जनार्दन पासवान ने उठाया पैक्स को दिए गए अनुदान का मामला

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखंड विधानसभा के सातवें दिन गुरुवार को सदन में कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता विभाग की ओर से पशुओं के लिए दिए गए अनुदान को लेकर जोरदार बहस हुई। विधायक जनार्दन पासवान ने विभाग की ओर से दिए गए जवाब पर नाराजगी जताते हुए अनुदान और कर्ज की राशि को लेकर स्पष्ट जानकारी मांगी। विधायक ने कहा कि विभाग की ओर से पैक्स (प्राथमिक कृषि साख समितियों) को ट्रैक्टर और गाय उपलब्ध कराए गए थे। उन्होंने सवाल उठाया कि यह सहायता कर्ज के रूप में थी या अनुदान के रूप में, सरकार इसे स्पष्ट करे।

इसपर कृषि मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने जवाब देते हुए बताया कि वर्ष 2013-14 में 11 करोड़ 58 लाख 44 हजार रुपये अनुदान के रूप में पैक्स को दिए गए थे। इसके अतिरिक्त विभिन्न योजनाओं के तहत करीब 14 करोड़ रुपये की राशि पैक्स को उपलब्ध कराई गई थी, जिसमें से 5 करोड़ रुपये कर्ज के रूप में दिए गए थे। मंत्री शिल्पी के जवाब पर विधायक ने फिर स्पष्ट ब्योरा प्रस्तुत करने की मांग की, ताकि यह साफ हो सके कि ट्रैक्टर और गाय जैसी परिसंपत्तियां अनुदान के तहत दी गईं या ऋण के रूप में दी गई। इस मुद्दे पर सदन में कुछ देर तक नोकझोंक भी हुई। इस पर विधानसभा अध्यक्ष रवीन्द्र महतो ने कहा कि पूरे मामले को मंत्री पुनः विभाग से देखवा लें और सदस्य को जानकारी दें।

झारखंड विधानसभा बजट सत्र के सातवें दिन डुमरी विधायक जयराम महतो ने सदन में ओबीसी छात्रवृत्ति का मुद्दा उठाया। उन्होंने सरकार से पूछा कि सरकार छात्रों को समय पर छात्रवृत्ति देगी या नहीं।

इस पर जवाब देते हुए मंत्री चमरा लिंडा ने कहा कि केंद्र सरकार से छात्रवृत्ति के लिए पैसा नहीं मिल रहा है। उन्होंने कहा कि पैसा आएगा या नहीं, विभाग भी इस पर असमंजस में है। मंत्री ने कहा कि छात्रवृत्ति का पैसा तब तक जारी नहीं किया जा सकता, जब तक केंद्र से राशि नहीं आती। उन्होंने स्पष्ट किया कि ओबीसी छात्रों को छात्रवृत्ति दी जाएगी, लेकिन इसके लिए कुछ नियमों और प्रक्रियाओं को पूरा करना आवश्यक है। इसके बाद ही भारत सरकार की ओर से सभी पात्र छात्रों को छात्रवृत्ति उपलब्ध कराई जा सकेगी।

जय राम महतो ने सुझाव दिया कि जब तक छात्रों को छात्रवृत्ति नहीं दी जा रही है, तब तक उनके लिए ब्याज मुक्त ऋण उपलब्ध कराया जाए। जब छात्रवृत्ति का पैसा आएगा तो उससे आप पैसा काट लीजियेगा।

विधायक ने कहा कि पांच करोड़ का विधायक निधि देने की बजाय उन पैसों से छात्रों का भविष्य बनाएं। उन्होंने कहा कि पांच साल विधायक निधि नहीं मिलेगा तो फर्क नहीं पड़ेगा। लेकिन अगर पांच साल तक बच्चे नहीं पढ़ेंगे तो इसका असर राज्य पर पड़ेगा। ब्याज मुक्त ऋण पर मंत्री ने कहा कि समस्या का समाधान करने की कोशिश की जा रही है और सरकार इसे जल्द से जल्द निपटाएगी।

यूवा मास्टरस्ट्रोक के 22वें संस्करण का सफलतापूर्वक हुआ समापन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : नवनीत एज्युकेशन लिमिटेड के यूवा ब्रांड द्वारा आयोजित 'यूवा मास्टरस्ट्रोक' के 22वें संस्करण का सफल समापन हो गया है। यह एक अखिल भारतीय ड्रॉइंग प्रतियोगिता है, जिसका आयोजन अगस्त से दिसंबर 2025 के बीच किया गया।

इस प्रतियोगिता के माध्यम से केजी से लेकर कक्षा 10 तक के विद्यार्थियों को ड्रॉइंग के जरिए अपनी रचनात्मकता, कल्पनाशीलता और विचारों को प्रभावी ढंग से अभिव्यक्त करने का मंच प्रदान किया जाता है।

दो दशक से अधिक पहले शुरू हुई यह पहल आज एक व्यापक और प्रतिष्ठित रचनात्मक मंच के रूप में स्थापित हो चुकी है। वर्ष 2025 के संस्करण को देशभर से जबरदस्त प्रतिक्रिया मिली। इसमें भारत के 6,600 से अधिक स्कूलों के 20 लाख से ज्यादा विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

यह पहल केवल प्रतिभा की पहचान तक सीमित नहीं है, बल्कि इसका उद्देश्य छात्रों के बीच ऐसी सृजनात्मक संस्कृति को बढ़ावा देना है, जहाँ वे कला की सार्वभौमिक भाषा के माध्यम से अपने विचारों और भावनाओं को सहजता से व्यक्त कर सकें। यूवा मास्टरस्ट्रोक 2025 के प्रत्येक आयु वर्ग के विजेताओं की घोषणा आधिकारिक वेबसाइट पर की गई है:https://masterstroke.navneet.com/

जिला स्तर पर प्राप्त प्रविष्टियों का मूल्यांकन श्री भारत पार्टे के मार्गदर्शन में किया गया। जे.जे. स्कूल ऑफ आर्ट से जुड़ी उनकी पृष्ठभूमि और वर्षों के अनुभव ने मूल्यांकन प्रक्रिया को विशेष गहराई प्रदान की। उन्होंने न केवल चित्रों का मूल्यांकन किया, बल्कि प्रतियोगिता की समग्र भावना को भी नई दिशा दी।

विजेता विद्यार्थियों तक पुरस्कार और आधिकारिक सम्मान समय पर पहुंचें, इसके लिए यूवा, स्कूल प्रशासन और स्थानीय सेल्स टीमों के साथ मिलकर लगातार कार्य कर रहा है। अब तक 40,000 से अधिक विजेताओं को उनके गिफ्ट हैम्पर्स वितरित किए जा चुके हैं।

जिला स्तर पर विशेष राउंड आयोजित किए गए थे। प्रत्येक स्कूल से चुनी गई सर्वश्रेष्ठ प्रविष्टियों की गहन समीक्षा के बाद, हर जिले में प्रत्येक समूह से एक विजेता का चयन किया गया। यूवा मास्टरस्ट्रोक 2025 ने एक बार फिर यह सिद्ध किया है कि कला केवल अभिव्यक्ति का माध्यम नहीं, बल्कि नई पीढ़ी की सोच और संवेदनाओं को आकार देने का सशक्त साधन भी है।

फागण महोत्सव में गूंजा श्याम नाम अखंड ज्योति पाठ से भक्तिमय हुआ हरमू

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : हरमू रोड के श्री श्याम मंदिर में रंग रंगीलो श्री श्याम फागण अमृत महोत्सव के अवसर पर आज श्री श्याम अखंड ज्योति पाठ का आयोजन किया गया। मंडल के अध्यक्ष गोपाल मुरारका कोषाध्यक्ष मनोज खेतान वरिष्ठ कार्यकारिणी सदस्य श्याम सुंदर शर्मा ने के सानिध्य में बाबा का अद्भुत दिव्य श्रृंगार किया। मंडल के महामंत्री गौरव अग्रवाल ने बताया कि मुख्य यजमान ने 11.15 बजे पूर्वाहन में अखंड ज्योति प्रज्वलित की। इसके बाद आए हुए सभी श्याम भक्तों ने एक-एक करके अखंड ज्योति में आहुति देकर अपने इष्ट देव को रिझाया ।कोलकाता से आए ज्योति खन्ना एवं उनकी टीम ने भक्तों को दिन भर झुमाए रखा। पाठ वाचक ने जब व्यास पीट से अखण्ड ज्योति है अपार माया श्याम देव की है प्रबल छाया से पाठ का प्रारंभ किया तो पूरा श्याम मंदिर हारे के सहारे की जय तीन बान धारी की जय अहिल्यावती की जय के जयकारों से गूंज रहा था। दोपहर में भोजन फलिहारी की सुंदर व्यवस्था श्री श्याम मित्र मंडल के द्वारा की गई थी। अखंड ज्योति में बैठे सभी श्याम प्रेमियों के बीच फल प्रसाद का वितरन किया जा रहा था। रात्रि 8:00 बजे आरती के साथ अखंड ज्योति पाठ का समापन किया गया। इसके बाद सभी भक्तों के बीच प्रसाद का वितरण किया गया।

बायो-मेडिकल वेस्ट ट्रीटमेंट निस्तारण केस हाई कोर्ट ने जारी की विस्तृत गाइडलाइन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखंड हाई कोर्ट ने राज्य में बायो-मेडिकल वेस्ट (चिकित्सीय अपशिष्ट) के वैज्ञानिक प्रबंधन को लेकर सख्त निर्देश जारी किया है। वर्ष 2012 से लंबित जनहित याचिका का निष्पादित कर दिया। हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस एम.एस. सोनक और न्यायमूर्ति राजेश शंकर की खंडपीठ ने माना है कि बायो-मेडिकल वेस्ट में संक्रमण फैलाने वाले तत्व होते हैं, जो हवा, पानी और मिट्टी को प्रदूषित कर सकते हैं।

कोर्ट ने कहा कि बायो-मेडिकल वेस्ट मैनेजमेंट नियम, 1998 के स्थान पर अब बायोमेडिकल वेस्ट मैनेजमेंट रूल, 2016 लागू हैं, जिनके तहत कचरे के उत्पादन से लेकर अंतिम निस्तारण तक जन्म से मृत्यु तक की जवाबदेही तय की गई है। अब राज्य में पर्याप्त वैधानिक ढांचा मौजूद है, इसलिए प्राथमिक जिम्मेदारी संबंधित प्राधिकरणों की है। खंडपीठ ने दोहराया कि स्वच्छ पर्यावरण और प्रदूषण मुक्त हवा-पानी का अधिकार संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत जीवन के अधिकार का हिस्सा है।

खंडपीठ ने कहा कि वर्ष 2012 में जब इस मामले की सुनवाई हाईकोर्ट में शुरू हुई थी। तब रांची, धनबाद और जमशेदपुर में बायो-मेडिकल कचरे के निपटान में गंभीर खामियां पाई गई थीं। कई जगह संक्रमित सुईयां और मेडिकल कचरा सड़कों व नालियों में खुले में पड़ा मिला था। लगातार निगरानी के बाद अब राज्य में छह कॉमन बायो-मेडिकल वेस्ट ट्रीटमेंट फैसिलिटी रामगढ़, लोहरदगा, धनबाद, पाकुड़ और देवघर में संचालित हो रही हैं, जबकि गिरिडीह में एक नई इकाई निमार्णाधीन है। कोर्ट ने इसे सकारात्मक प्रगति बताया। खंडपीठ ने राज्य सरकार और संबंधित एजेंसियों को कई अहम निर्देश दिए हैं। राज्य सरकार 30 दिनों के भीतर सचिव स्तर के अधिकारी को स्टेट नोडल ऑफिसर नियुक्त करने को कहा है। झारखंड राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड सभी स्वास्थ्य संस्थानों और अधिकृत ट्रीटमेंट सुविधाओं की जिला-वार सूची तैयार करने को कहा है। प्रत्येक अस्पताल के पास वैध प्राधिकरण और अधिकृत ट्रीटमेंट सुविधा से जुड़ाव अनिवार्य होना चाहिए। बायो-मेडिकल कचरे की बार-कोडिंग और डिजिटल ट्रैकिंग व्यवस्था लागू की जाए। जिला स्तर पर निगरानी समितियों को 60 दिनों के भीतर सक्रिय किया जाए। नियमों के उल्लंघन पर पर्यावरण संरक्षण अधिनियम, 1986 के तहत कार्रवाई, जुमार्ना या अभियोजन किया जाए।

संक्षिप्त खबरें

झारखंड में मौसम साफ होते ही बढ़ने लगा तापमान, बढ़ेगी गर्मी

रांची : राजधानी रांची सहित राज्य के विभिन्न जिलों में मौसम साफ होते ही तापमान में फिर से वृद्धि होने लगी। तापमान बढ़ने से दिन में गर्मी में आंशिक वृद्धि होने लगी है। यह जानकारी मौसम विभाग गुरुवार को दी। विभाग के अनुसार अगले 24 घंटे के दौरान तापमान में कोई बदलाव नहीं होगा, लेकिन अगले तीन से चार दिनों के दौरान अधिकतम तापमान में धीरे-धीरे 2 से 3 डिग्री की वृद्धि होने की संभावना है। इधर, मौसम विभाग ने ०१ मार्च को राज्य के कई जिलों में आंशिक बादल छाने की संभावना व्यक्त की है, जबकि इसके पूर्व मौसम पूरी तरह साफ रहेगा। पिछले 24 घंटों के दौरान राज्य में सबसे अधिक तापमान चाईबासा में 33 .2 डिग्री और सबसे कम तापमान खूंटी जिले में 10 .2 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। वहीं गुरुवार को रांची और आसपास के इलाकों में सुबह से मौसम साफ रहा। सुबह में हल्की ठंड महसूस की गई, जबकि दोपहर में धूप में तपिश महसूस की गई। उल्लेखनीय है कि पिछले दोनों हुई बारिश के कारण रांची सहित कई जिलों में तापमान में 2 से 3 डिग्री की गिरावट दर्ज की गई थी। बारिश की वजह से जमीन गीली होने के कारण वातावरण में ठंड में बढ़ोत्तरी हुई थी। गुरुवार को रांची में अधिकतम तापमान 27 डिग्री और न्यूनतम 13 डिग्री, जमशेदपुर में 31.8 डिग्री और न्यूनतम 15 .2 डिग्री, डाल्टनगंज में 31.6 और 11.7 डिग्री, बोकारो में अधिकतम 31.1 न्यूनतम 13 .6 डिग्री एवं चाईबासा में अधिकतम तापमान 32 .2 डिग्री और न्यूनतम तापमान 14 .4 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया।

एयर एंबुलेंस में गड़बड़ी का आरोप, बाबूलाल ने की एफआईआर की मांग

रांची : झारखंड में एयर एम्बुलेंस सेवा को लेकर सियासत तेज हो गई है। नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने हेमन्त सोरेन सरकार पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा कि सरकार की बहुप्रचारित एयर एम्बुलेंस योजना की कार्यप्रणाली पर हालिया हवाई हादसे के बाद कई सवाल खड़े हो गए हैं। बाबूलाल मरांडी ने आरोप लगाया कि एयर एम्बुलेंस सेवा देने वाली कंपनी ने एक मरीज को 30 प्रतिशत से अधिक बर्न इंजरी का हवाला देकर सरकारी सब्सिडी देने से इनकार कर दिया। लेकिन बाद में उसी मरीज को 5 लाख रुपये के बजाय 8 लाख रुपये किराया तय होने पर दिल्ली ले जाने के लिए तैयार हो गई। उन्होंने कहा कि यह साफ तौर पर गरीब मरीजों के साथ अन्याय है और रोजाना बहाने बनाकर उनसे ज्यादा पैसा वसूला जा रहा है। उन्होंने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से सवाल किया कि सरकार ने 30 प्रतिशत बर्न इंजरी तक ही सब्सिडी देने का निर्णय क्यों लिया। क्या इस फैसले में किसी विशेषज्ञ डॉक्टर की स्पष्ट राय ली गई थी। अगर 30 प्रतिशत से अधिक बर्न इंजरी की स्थिति में हवाई यात्रा असुरक्षित है, तो फिर अधिक पैसे लेकर उसी मरीज को ले जाने की सहमति कैसे दी गई। मरांडी ने कहा कि 28 अप्रैल 2023 से शुरू हुई एयर एम्बुलेंस सेवा का लाभ अब तक बमुश्किल एक दर्जन लोगों को ही मिला है, जिनमें चार मंत्री भी शामिल हैं। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि सरकार ने इस बार भी बजट में इस सेवा के लिए 10 करोड़ रुपये का प्रावधान किया है, जबकि इसका लाभ आम लोगों तक नहीं पहुंच रहा है। उन्होंने चार्टर्ड एयर सेवा को भी बड़ा घोटाला बताया और कहा कि अगर सरकार में मानवीय संवेदना है तो एयर एम्बुलेंस सेवा देने वाली कंपनी पर तुरंत एफआईआर दर्ज कराई जाए और पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराई जाए। उन्होंने मांग की कि जब कंपनी ने 65 प्रतिशत बर्न केस बताकर सब्सिडी पर विमान देने से इनकार किया, तो फिर 8 लाख रुपये लेकर उसी मरीज को कैसे ले जाया गया, इसकी जांच होनी चाहिए। बाबूलाल मरांडी ने कहा कि यदि शर्तों और बहानों के आधार पर जरूरतमंदों को सेवा से वंचित किया जा रहा है, तो यह बेहद गंभीर मामला है। सरकार को संबंधित कंपनी की भूमिका की निष्पक्ष जांच करानी चाहिए। जरूरत पड़ने पर कंपनी को ब्लैकलिस्ट किया जाए और अब तक इस सेवा का लाभ लेने वाले लोगों से वसूले गए किराए की भी पारदर्शी समीक्षा कराई जाए।

भारतीय संस्कृति ज्ञान परीक्षा में संत माईकल +2 स्कूल, मुरी के छात्रों का उम्दा प्रदर्शन

सिल्ली : मुरी अखिल विश्व गायत्री परिवार, शान्तिकुञ्ज हरिद्वार द्वारा आयोजित भारतीय संस्कृति ज्ञान परीक्षा 2025-26 में संत माईकल +2 स्कूल, मुरी के विजेता प्रतिभागियों में शीर्ष स्थान प्राप्त करने वाले छात्रों को उनकी उत्कृष्ट समझ के लिए स्वर्ण पदक, रजत पदक काश्य पदक, प्रशस्ति पत्र एवं उपहार देकर सम्मानित किया गया। इस परीक्षा में चौदह छात्रों को स्वर्ण पदक, नौ छात्रों को रजत पदक एवं नौ छात्रों को काश्य पदक दिया गया। इस कार्यक्रम में अखिल विश्व गायत्री परिवार के सदस्य कौशल्या देवी, लक्ष्मी देवी एवं अनीता देवी उपस्तिथ रही। विद्यालय के प्राचार्य सी. एल. प्रजापति ने कहा कि इस तरह के परीक्षा एक विशेष शैक्षिक पहल है जिसका उद्देश्य भारतीय संस्कृति नैतिकता और आध्यात्मिक मूल्यों का पुनर्जागरण करना है। यह परीक्षा विशेष रूप से विद्यार्थियों को भारतीय सभ्यता, इतिहास, धर्म, और जीवन मूल्यों से परिचित कराने के लिए आयोजित कराई जाती है। विद्यालय के निर्देशक डॉ. राकेश कुमार ने अखिल विश्व गायत्री परिवार को धन्यवाद देते हुए विजेता प्रतिभागियों को शुभकामनाएं दिए और कहा कि भारतीय संस्कृति ज्ञान परीक्षा केवल एक परीक्षा भर नहीं है बल्कि यह एक संस्कार निर्माण अभियान है जो विद्यार्थियों में आत्मविश्वास, समाजसेवा और राष्ट्रभक्ति की भावना को जागृत करता है। इस कार्यक्रम में अखिल विश्व गायत्री परिवार के द्वारा प्राचार्य सी. एल. प्रजापति, शिक्षक वि. वेंकट राव, शिक्षका मनीषा सिंह, मंजू कुमारी एवं ममता गोस्वामी को मोमेंटो देकर सम्मानित किया गया।

एक नजर

अवैध लकड़ी तस्करी पर कार्रवाई, ट्रैक्टर जब्त

सिमडेगा : जिले में अवैध जंगल कटाई के खिलाफ चल रही गश्ती के दौरान वन विभाग ने तस्करी की जा रही एक ट्रैक्टर लकड़ी जब्त किया। बताया गया कि सिमडेगा के बोलबा वन क्षेत्र में बोलबा रेंजर लकड़ी तस्करों के विरुद्ध अपने वन क्षेत्र रात्रि गश्ती कर रहे थे। इसी दौरान बोलबा के सरसलोंग्री में एक ट्रैकर लकड़ी अवैध तरीके से जाती हुई दिखाई दी। वन विभाग के लोगों ने जब उसका पीछा किया तो चालक लकड़ी लदी ट्रैक्टर छोड़ कर अंधेरे का फायदा उठा कर भाग गया। ट्रैक्टर में नंबर प्लेट भी नहीं लगा है। वन विभाग के लोगों ने लकड़ी लदी ट्रैक्टर को जब्त कर लिया। और ट्रैक्टर मालिक के विरुद्ध वन विभाग अधिनियम के तहत कार्रवाई की जा रही है।

सहिया संघ का 9 सूत्री मांगों को लेकर सदर अस्पताल कोडरमा में धरना कल

कोडरमा : सहिया का प्रोत्साहन राशि प्रतिमाह ससमय भुगतान सुनिश्चित करने एवं टेब मोबाइल आदि 9 सूत्री मांगों को लेकर सहिया सामुदायिक प्रशिक्षक संघ कोडरमा के द्वारा 28 फरवरी को सदर अस्पताल कोडरमा में एक दिवसीय धरना प्रदर्शन कार्यक्रम आयोजित किया गया है। उक्त जानकारी संघ के जिला सचिव शेबून निशा ,जिला अध्यक्ष प्रकाश चंद्र राय ने संयुक्त रूप से देते हुए कहा कि सहिया ,सहिया साथी, बी टी टी एवं एस टी टी का पिछले पांच माह से भुगतान नहीं होने के कारण भुखमरी की स्थिति में जीवन यापन , बच्चे की शिक्षा दीक्षा, स्वास्थ संबंधी जैसे समस्याओं से जूझना पड़ रहा है। ऐसी स्थिति में मजबूरन हम सब को धरना प्रदर्शन करते हुए रोड पर उतरना पड़ रहा है। वही उन्होंने कहा कि इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से संघ के राज्य उपाध्यक्ष नीरज कुमार सिंह कार्यक्रम को संबोधित करेंगे।

आकांक्षी प्रखंड मरकच्चो में समीक्षात्मक बैठक

मरकच्चो : नीति आयोग भारत सरकार द्वारा आकांक्षी प्रखंड मरकच्चो में प्रखंड विकास पदाधिकारी हुलास महतो की अध्यक्षता में समीक्षात्मक बैठक गुरुवार को किया गया। इस दिशा में संपूर्णता अभियान 2.0 के नेतृत्व में सभी महत्वपूर्ण सुचकों पर सभी फ्रंटलाइन वर्करों के द्वारा कार्य किया जा रहा है। संपूर्णता अभियान का उद्देश्य आकांक्षी प्रखंड के पांच थीम-स्वास्थ्य एवं पोषण,शिक्षा, कृषि,सामाजिक विकास एवं आधारभूत संरचना के तहत सभी 6 सुचकों में शत प्रतिशत लक्ष्य की प्राप्ति किया जाना है। बैठक में प्रखंड विकास पदाधिकारी के द्वारा बाल विकास परियोजना विभाग के साथ समीक्षा बैठक की गई एवं एक्शन प्लान बना कर कार्य करने का सलाह दिया गया।सभी आंगनवाड़ी सेविकाओं को सूचकांकों में सुधार करने को कहा गया। मरकच्चो प्रखंड में 50 सक्षम आंगनवाड़ी केंद्रों का चयन किया गया है। फिलहाल 37 आंगनवाड़ी केंद्रों में पोषण वाटिका का निर्माण किया जा रहा है। इस मौके पर बाल विकास परियोजना पदाधिकारी गीता सोय,महिला पयवेक्षीका माधुरी कुमारी,विभा कुमारी एवं सभी आंगनवाड़ी सेविका मौजूद रहे।

मतगणना आज, तीन-स्तरीय सुरक्षा व्यवस्था लागू

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

सिमडेगा : नगरपालिका आम निर्वाचन 2026 के अंतर्गत 27 फरवरी 2026 को प्रातः 8:00 बजे से होने वाली मतगणना को लेकर जिला प्रशासन ने सभी आवश्यक तैयारियाँ पूर्ण कर ली हैं। मतगणना सिमडेगा कॉलेज, सिमडेगा स्थित मतगणना केंद्र में आयोजित की जाएगी। इसी क्रम में मतगणना कर्मियों, निवार्ची पदाधिकारियों, सहायक निवार्ची पदाधिकारियों, प्रतिनियुक्त मजिस्ट्रेटों एवं पुलिस बल की संयुक्त ब्रीफिंग आयोजित की गई। ब्रीफिंग को संबोधित करते हुए उपायुक्त सह जिला निर्वाचन पदाधिकारी श्रीमती कंचन सिंह ने कहा कि सभी कर्मियों को मतगणना के लिए आवश्यक प्रशिक्षण दिया जा चुका है और उन्हें पूरी निष्पक्षता एवं पारदर्शिता के साथ कार्य करना है। उन्होंने कहा कि मतगणना अत्यंत संवेदनशील प्रक्रिया है, इसलिए किसी भी विषय में स्वयं निष्कर्ष निकालने के बजाय वरिष्ठ पदाधिकारियों से मार्गदर्शन लें। छोटी-सी त्रुटि भी पक्षपात या किसी को लाभ पहुँचाने के आरोप का कारण बन सकती है, इसलिए सभी कर्मी अपने आचरण एवं कार्यशैली में पूर्ण सतर्कता बनाए रखें। उन्होंने निर्देश दिया कि सभी कर्मी मतगणना केंद्र में बिना किसी अनावश्यक सामग्री के आएँ। प्रवेश से पूर्व सभी की अनिवार्य फ्रिस्किंग की जाएगी तथा मोबाइल फोन, स्मार्ट वॉच, पर्स सहित अन्य प्रतिबंधित वस्तुओं को अंदर ले जाने की अनुमति नहीं होगी। मतगणना करने हेतु कक्ष में सभी आवश्यक सामग्री उपलब्ध रहेगी, इसलिए अतिरिक्त सामग्री लाने की आवश्यकता नहीं है।केवल आवश्यक स्थिति में ही कक्ष से बाहर जाने की अनुमति होगी। उन्होंने कहा कि मतगणना के दौरान गोपनीयता बनाए रखना अनिवार्य है तथा मतों से संबंधित किसी भी प्रकार की जानकारी अभिकताओं से साझा नहीं की जाएगी। किसी भी समस्या की स्थिति में संबंधित पर्यवेक्षक या वरिष्ठ पदाधिकारी को तुरंत सूचित करने का निर्देश दिया गया। स्वास्थ्य संबंधी आपात स्थिति के लिए मेडिकल टीम एवं रिजर्व कर्मियों की व्यवस्था भी की गई है। पुलिस अधीक्षक श्री श्रीकांत एस. खोटरे ने बताया कि मतगणना केंद्र में प्रवेश के लिए पहचान पत्र अनिवार्य रहेगा तथा बिना आईकार्ड किसी को प्रवेश नहीं दिया जाएगा। सभी व्यक्तियों की डीएफएमडी एवं एचएचएमडी के माध्यम से जांच के साथ मैनुअल फ्रिस्किंग भी की जाएगी। उन्होंने कहा कि किसी भी प्रकार की अव्यवस्था की स्थिति में संबंधित पदाधिकारी तुरंत सर्किल इंस्पेक्टर या डीएसपी को सूचित करें। मतगणना केंद्र में तीन-स्तरीय सुरक्षा व्यवस्था लागू की गई है तथा मतगणना कक्ष में पुलिसकर्मियों का प्रवेश सामान्यतः वर्जित रहेगा। विशेष परिस्थिति में ही अनुमति दी जाएगी। सभी वाहनों की पार्किंग पूर्वी गेट के पास निर्धारित स्थल पर होगी, जबकि मुख्य परिसर में केवल उपायुक्त, पुलिस अधीक्षक, उप विकास आयुक्त एवं प्रेक्षक के वाहनों को ही प्रवेश मिलेगा। अभ्यर्थियों, गणना अभिकताओं एवं मीडियाकर्मियों का प्रवेश कॉलेज के पश्चिमी गेट से होगा। मतगणना के लिए चार काउंटिंग हॉल बनाए गए हैं, जिनमें प्रत्येक हॉल में छह-छह टेबल निर्धारित किए गए हैं तथा कर्मियों और अभिकताओं के लिए अलग-अलग प्रवेश द्वार की व्यवस्था की गई है। कर्मियों की मतगणना केंद्र में रिपोर्टिंग समय प्रातः 6 बजे होगी। इस अवसर पर उप निर्वाचन पदाधिकारी पवन कुमार महतो, परियोजना निदेशक आईटीडीए सरोज तिर्की, अपर समाहर्ता ज्ञानेन्द्र, अनुमंडल पदाधिकारी प्रभात रंजन ज्ञानी, एलआरडीसी अरुणा कुमारी, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी पलटू महतो सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे।

तोरपा विधानसभा क्षेत्र में कृषि मंडी निर्माण और किसानों के प्रशिक्षण की मांग सदन में उठी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

सिमडेगा : षष्ठम झारखंड विधानसभा के पंचम बजट सत्र के सातवें दिन तोरपा विधायक सुदीप गुड़िया ने सदन के माध्यम से तोरपा विधानसभा क्षेत्र में कृषि मंडी के निर्माण तथा किसानों को विशेष प्रशिक्षण उपलब्ध कराने की मांग सरकार से की। उन्होंने कहा कि तोरपा विधानसभा क्षेत्र मुख्य रूप से कृषि आधारित क्षेत्र है, जहाँ किसान मेहनत से अच्छी पैदावार करते हैं। इसके बावजूद उचित बाजार व्यवस्था, भंडारण सुविधा तथा आधुनिक कृषि तकनीकों की जानकारी के अभाव में किसानों को अपनी उपज का उचित मूल्य नहीं मिल पाता, जिससे उन्हें आर्थिक नुकसान उठाना पड़ता है। विधायक ने सरकार से आग्रह किया कि किसानों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए तोरपा विधानसभा क्षेत्र में शीघ्र कृषि मंडी का निर्माण कराया जाए तथा किसानों को आधुनिक खेती, भंडारण एवं विपणन से संबंधित विशेष प्रशिक्षण उपलब्ध कराया जाए, ताकि किसानों की आय में वृद्धि हो सके। उन्होंने कहा कि क्षेत्र के किसानों के हितों से जुड़े मुद्दों को सदन में लगातार उठाया जाता रहेगा।

आपात स्थिति से प्रभावी ढंग से निपटने हेतु पुलिस केन्द्र में दंगा नियंत्रण मॉक ड्रिल का हुआ आयोजन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

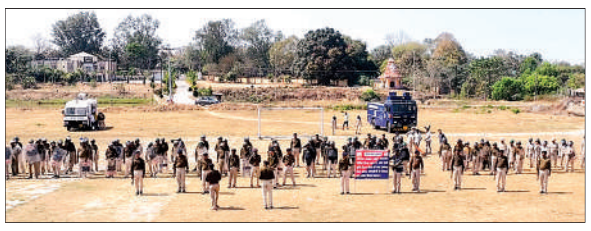

सिमडेगा : आगामी निकाय आम चुनाव 2026 की मतगणना एवं आगामी पर्व/त्योहारों के मद्देनजर विधि-व्यवस्था संधारण एवं किसी भी आपात स्थिति से प्रभावी ढंग से निपटने हेतु गुरुवार को पुलिस केन्द्र, सिमडेगा में दंगा नियंत्रण मॉक ड्रिल का आयोजन किया गया। मॉक ड्रिल के दौरान दंगा नियंत्रण से संबंधित विभिन्न पहलुओं का अभ्यास किया गया, जिसमें भीड़ नियंत्रण, उपद्रव की स्थिति में त्वरित कार्रवाई, दंगा निरोधक उपकरणों के प्रयोग, आंसू गैस एवं वाटर कैनन के उपयोग की प्रक्रिया, घायलों को सुरक्षित निकालने तथा बल की सामूहिक कार्यप्रणाली का अभ्यास किया गया। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक, महोदय सिमडेगा द्वारा स्वयं उपस्थित रहकर तैयारियों का जायजा लिया गया तथा पुलिस पदाधिकारियों एवं जवानों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए । उन्हें सतर्क, संयमित एवं कानून सम्मत कार्रवाई सुनिश्चित करने के लिए प्रेरित किया गया। साथ ही अफवाहों पर त्वरित नियंत्रण तथा आमजन के साथ संवेदनशील व्यवहार बनाए रखने का निर्देश दिया। ड्रिल का मुख्य उद्देश्य बल को सजग एवं तत्पर बनाए रखना तथा किसी भी अप्रिय स्थिति से प्रभावी रूप से निपटने की तैयारी को सुदृढ़ करना है। जिला पुलिस आम नागरिकों से अपील करती है कि, वे आगामी चुनावी मतगणना एवं पर्व-त्योहारों के दौरान शांति एवं सौहार्द बनाए रखें तथा किसी भी प्रकार की अफवाह पर ध्यान न दें। किसी भी संदिग्ध गतिविधि या आपात स्थिति की सूचना तुरंत नजदीकी थाना अथवा पुलस नियंत्रण कक्ष को दें।

डोमचांच के धरगांव में नवदिवसीय शिव शक्ति प्राण प्रतिष्ठा रुद्र महायज्ञ का भव्य आयोजन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

डोमचांच : प्रखंड के धरगांव पंचायत में चल रहा श्री श्री 1008 नवदिवसीय शिव शक्ति प्राण प्रतिष्ठा रुद्र महायज्ञ के सातवे दिन यज्ञ मंडप का परिक्रमा एवं भागवत कथा का प्रवचन सुनने के लिए श्रद्धालु भक्त हजारों हजार की संख्या में यज्ञ स्थल पर पहुंच रहे हैं वहीं वृंदावन से पहुंची कथा वाचिका दीदी दिव्यांशी श्रद्धालु भक्तों को भागवत कथा के माध्यम से रसपान करवा रही हैउनकी पूरी टीम संगीतमय हे। श्रद्धालु भक्त यज्ञ मंडप की परिक्रमा करते हुए ओम नमःशिवाय,राधे राधे,जय श्री राम का जाप भी कर रहे हैं। महायज्ञ में 5 किलोमीटर तक ध्वनि एवं आधुनिक लाइटिंग लगने से पुरे पंचायत रौशनीमय हो गया है। महायज्ञ में रात्रि में भव्य मेले का आयोजन एवं प्रतिदिन महाप्रसाद खिचड़ी का भव्य भंडारा का आयोजन होता है। भंडारा में हजारों हजार श्रद्धालु भक्त प्रसाद ग्रहण कर रहे हैं। महायज्ञ को सफल बनाने में यज्ञ समिति के अध्यक्ष बाबूलाल यादव सचिव रामू यादव सहायक अध्यापक एवं कोषाध्यक्ष सुखदेव मेहता,पूर्व मुखिया सुरेश यादव के साथ-साथ समिति के तमाम पदाधिकारी एवं सदस्य गण लगे हुए हैं। महायज्ञ कार्यक्रम को बेहतर बनाने में सकलदेव यादव,पिंटू लाल यादव, सुभाष मेहता,रवि यादव, संतोष मेहता, प्रदीप मेहता, राधेश्याम रसिया, वीरेंद्र साव मिथिलेश यादव,नितेश यादव, रामजतन यादव विनय यादव, विकास उर्फ विकाय सहित सैकड़ो कार्यकर्ता बढ़ चढ़कर हिस्सा ले रहे हैं। यज्ञ समिति के मीडिया प्रभारी रामकृष्ण मेहता, सोशल मीडिया प्रभारी श्याम सुंदर की भूमिका सहरानीय हैं महायज्ञ कार्यक्रम स्थल पर डोमचांच प्रमुख सत्यनारायण यादव धरगांव मुखिया प्रतिनिधि विनय प्रसाद यादव पूर्व मुखिया विनोद यादव वीरेंद्र कराटे प्रवीण रवानी,प्रयाग यादव कैलाश मेहता,मिट्ठू मेहता,विनोद मेहता संजय मेहता,वीरेंद्र साव सहित सैकड़ो लोग उपस्थित रहे।

पलाश मार्ट का उद्घाटन, जेएसएलपीएस की दीदियों द्वारा निर्मित हर्बल अबीर को बढ़ावा देने की अपील

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

कोडरमा : झारखंड स्टेट लाइवलीहुड प्रमोशन सोसाइटी द्वारा संचालित पलाश मार्ट अंतर्गत स्वयं सहायता समूह की दीदियों के द्वारा हर्बल अबीर का निर्माण किया जा रहा है। आज समाहरणालय परिसर में उपायुक्त ऋतुराज द्वारा पलाश मार्ट का फीता काटकर विधिवत उद्घाटन किया गया। उद्घाटन के अवसर पर उपायुक्त ने उपस्थित अधिकारियों एवं आमजनों से अपील करते हुए कहा कि होली के पावन अवसर पर जेएसएलपीएस की दीदियों द्वारा तैयार प्राकृतिक एवं सुरक्षित हर्बल अबीर का अधिक से अधिक उपयोग करें। उन्होंने कहा कि स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा देने से जहां एक ओर महिलाओं को आर्थिक सशक्तिकरण मिलेगा, वहीं दूसरी ओर लोगों को रसायनमुक्त एवं त्वचा के लिए सुरक्षित रंग उपलब्ध होंगे। उपायुक्त ने कहा कि यह पहल आत्मनिर्भरता की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है और जिलेवासी इन उत्पादों को खरीदकर दीदियों का उत्साहवर्धन करें। हर्बल अबीर की खरीदारी हेतु सुनीता देवी (मो. 9142238120) एवं रिंकी देवी (मो. 9142287315) से संपर्क किया जा सकता है। इस अवसर पर डीपीएम, जेएसएलपीएस प्रकाश रंजन सहित अन्य पदाधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे।

ग्रिजली कॉलेज ऑफ एजुकेशन में दो दिवसीय वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता का सफल समापन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

कोडरमा : ग्रिजली कॉलेज ऑफ एजुकेशन में दो दिवसीय वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। प्रतियोगिता में दूसरे दिन विभिन्न खेलों जैसे महिला पुरुष वर्ग का कबड्डी, महिला पुरुष वर्ग बैडमिंटन, लूडो, चेस, कैरम आदि का आयोजन किया गया, जिसमें महिला वर्ग कबड्डी में पिंक वारियर्स, पुरुष वर्ग कबड्डी में ब्लू वारियर्स ने शानदार प्रदर्शन कर विजेता बनी। प्रतियोगिता के महिला वर्ग बैडमिंटन में प्रथम साक्षी कुमारी एवं द्वितीय अंजली कुमारी , पुरुष वर्ग बैडमिंटन में प्रथम सद्दाम अंसारी एवं द्वितीय आयुष कुमार, महिला वर्ग लूडो में प्रथम नीलू पाण्डेय, द्वितीय निकिता कुमारी एवं तृतीय श्रेया सिन्हा, पुरुष वर्ग लूडो में प्रथम मनीष कुमार एवं द्वितीय लोकेश कुमार, महिला वर्ग कैरम में प्रथम स्वाति कुमारी एवं द्वितीय श्रुति कुमारी, पुरुष वर्ग कैरम में प्रथम मनीष कुमार एवं द्वितीय सागर कुमार दास, पुरुष वर्ग शतरंज में प्रथम सुशांत राज एवं द्वितीय आयुष कुमार एवं महिला वर्ग शतरंज में प्रथम प्रियंका कुमारी एवं द्वितीय स्थान निकिता कुमारी ने प्राप्त किया। उक्त सभी प्रतियोगिता के विजय प्रतिभागी को महाविद्यालय के प्राचार्य एवं सभी सहायक प्राध्यापक द्वारा मेडल एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान कर उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन की प्रशंसा की। इस अवसर पर महाविद्यालय की प्राचार्य ने अपने संबोधन में सभी खिलाड़ियों को उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन की सराहना की और जीवन में खेलकूद की महत्ता को बताया। खेलकूद की प्रतियोगिताओं के द्वारा अनुशासन ,व्यक्तित्व और नेतृत्व भावना का विकास होता है। कार्यक्रम में महाविद्यालय के बी एड सत्र 2025-27 के सभी प्रशिक्षु, महाविद्यालय की सहायक प्राध्यापिका डॉ मृदुला भगत, डी एल एड विभागाध्यक्ष मनीष कुमार सिंह, डी एल एड समन्वयक खुशबू कुमारी सिन्हा, आंतरिक गुणवता आश्वासन प्रकोष्ठ के समन्वयक मनीष कुमार सिन्हा, डॉ पूजा कुमारी, अनिल दास एवं चुन्नु कुमार ने कार्यक्रम को सफल बनाने में अहम योगदान दिया। उक्त अवसर पर सभी शिक्षेकेतर कर्मचारी सूचित कुमार, दीपक कुमार पाण्डेय, आलम मुख्तार, सुधीर साव, विवेक कुमार एवं ओंकार कुमार आदि उपस्थित रहे। संपूर्ण खेलकूद प्रतियोगिता खेल प्रशिक्षक अविनाश कुमार के नेतृत्व में सम्पन्न किया गया । कार्यक्रम का संचालन सहायक प्राध्यापक संजीत कुमार ने किया एवं धन्यवाद ज्ञापन खेल प्रभारी सीताराम यादव ने किया।

संक्षिप्त खबरें

बजरंगबली मंदिर केरसई में वार्षिकोत्सव पर निकली भव्य कलश यात्रा, अखंड हरिकीर्तन प्रारम्भ

केरसई : केरसई स्थित बजरंगबली मंदिर के वार्षिकोत्सव के अवसर पर रविवार को भव्य कलश यात्रा निकाली गई। गाजे-बाजे, ढोल-नगाड़ों और श्रद्धालुओं के जयकारों से पूरा क्षेत्र भक्तिमय हो उठा। महिलाओं ने पारंपरिक वेशभूषा में सिर पर कलश धारण कर नगर भ्रमण किया, वहीं श्रद्धालु "जय श्री राम" और "बजरंगबली की जय" के उद्घोष लगाते हुए यात्रा में शामिल हुए। कलश यात्रा के पश्चात मंदिर प्रांगण में विधिवत पूजा-अर्चना के साथ अखंड हरिकीर्तन का शुभारंभ हुआ। "हरे रामा हरे कृष्णा" मंत्र जाप से वातावरण पूरी तरह आध्यात्मिक रंग में रंग गया। भजन-कीर्तन में स्थानीय कीर्तन मंडलियों ने भाग लिया, जिससे देर शाम तक मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ी रही। आयोजन समिति के सदस्यों ने बताया कि वार्षिकोत्सव के दौरान नाम यज्ञ, भंडारा एवं विशेष आरती का भी आयोजन किया जाएगा। पूरे कार्यक्रम को सफल बनाने में ग्रामीणों और युवाओं की सक्रिय भागीदारी रही। वार्षिकोत्सव के इस पावन अवसर पर क्षेत्र में श्रद्धा, भक्ति और उत्साह का अद्भुत संगम देखने को मिला। यजमान के रूप में दिलीप प्रसाद सपत्नीक शामिल हैं वही आचार्य के रूप में प.अजय शंकर झा एवं संजय पाठक मौजूद हैं। मौके पर कार्यक्रम को सफल बनाने में अध्यक्ष विकास कुमार पवन कुमार आकाश कुमार सूरज प्रसाद धीरज साहू सहित सभी ग्रामवासी लगे हुए हैं।

छोटानगपुर कल्याण निकेतन और जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रेन द्वारा कैंप लगाया गया

सिमडेगा : संस्था छोटानगपुर कल्याण निकेतन और जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रेन द्वारा एस्पिरेशनल ब्लॉक बांसजोर में 5 दिवसिये कैम्प लगाया गया, जिसका शुरूवात बोंगेरा कॉम्बकेरा से शुरूवात किया गया और अंत कुरकुरा में किया गया। जिसमें वंचित लोगो को सरकारी योजना से जोड़ा गया इन 5 दिनों में लगभग 650 लोगो को आयुष्मान भारत, राशन का ऑनलाइन आवेदन, श्रम कार्ड, और पेंशन का आवेदन किया गया। डिस्ट्रिक्ट कोऑर्डिनेटर रोहित कुमार और गौरव प्रधान का यह कहना है की आज भी कई लोग सरकारी योजना से वंचित कई लोगो के पास आयुष्मान कार्ड नहीं है, कई लोगो आज भी पात्रता होने ले बाद भी पेंशन से वंचित है, राशन में नाम जुड़ने के लिए उनको परेशानी आरही है। साथ ही स्टेकहोल्डर, सहिया आंगनबाड़ी सेविका और अन्य स्टेकहोल्डर का बहुत सहयोग रहा, जिससे यह कैम्प सफल हो सका। अंतः आगे जाकर टीम ने संकल्प लिया है की कैम्प को बड़े पैमाने पर कर के ज्यादा से ज्यादा लोगो को योजना से जोड़ सके और वहाँ वालंटियर बना कर उनको प्रशिक्षण दिया जाए ताकि वो अपने समुदाय के लोगो को जोड़ सके।

व्यवहार न्यायालय, कोडरमा में सुरक्षा व्यवस्था का पुलिस अधीक्षक ने किया निरीक्षण

कोडरमा : अनुदीप सिंह, पुलिस अधीक्षक कोडरमा द्वारा व्यवहार न्यायालय, कोडरमा की सुरक्षा व्यवस्था का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान एसपी ने न्यायालय परिसर में तैनात पुलिस पदाधिकारी एवं कर्मियों की मुस्तैदी का जायजा लिया। उन्होंने सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा करते हुए ड्यूटी पर मौजूद जवानों को सतर्कता बरतने, संदिग्ध गतिविधियों पर विशेष नजर रखने तथा विधि-व्यवस्था को सुदृढ़ बनाए रखने हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इस अवसर पर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, कोडरमा, पुलिस उपाधीक्षक (मुख्यालय) कोडरमा, पु0 नि0 सह-थाना प्रभारी कोडरमा एवं पुलिस निरीक्षक (अभियोजन कोषांग) भी उपस्थित रहे।कोडरमा पुलिस न्यायालय परिसर की सुरक्षा तथा आमजन की सुविधा सुनिश्चित करने के प्रति पूर्णतः प्रतिबद्ध है। प्रशासन द्वारा नियमित निरीक्षण के माध्यम से सुरक्षा व्यवस्था को और सुदृढ़ किया जा रहा है।

झुमरीतिलैया में कूड़ा करकट को शहर से बाहर किया जाय : डॉ नीरा

झुमरीतिलैया : शहर में आबादी के बीच कूड़ा करकट जमा करने को लेकर विधायक डॉ नीरा यादव ने सवाल खड़ा किया है। साथ ही शहर से दूर कूड़ा करकट जमा करने की सरकार से मांग की है। गुरुवार को विधानसभा के शून्यकाल में विधायक डॉ नीरा यादव ने कहा कि झुमरीतिलैया के विभिन्न वार्डों से जमा किये जा रहे कूड़ा करकट को तिलैया बस्ती में जमा किया जाता है जो रिहायशी इलाके के बीच में है। इससे लोगों को भारी कठिनाई होती है और महामारी का अंदेशा बना रहता है। उन्होंने इसे शहर से हटाने की स्थायी व्यवस्था करने की मांग की है।

एक नजर

सड़क दुर्घटना में एक व्यक्ति की मौत

कुजू : ओपी क्षेत्र अंतर्गत हथमारा पोचरा स्थित टाटा मोटर्स के समीप गुरुवार को हुए दर्दनाक सड़क हादसे में एक 22 वर्षीय युवक की मौके पर ही मौत हो गई। युवक ड्यूटी समाप्त कर मोटरसाइकिल से अपने घर लौट रहा था, तभी अज्ञात वाहन ने उसे टक्कर मार दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार वंश कुमार (22 वर्ष), पिता संतोष महतो, निवासी लाइन टोला दिगवार, अपनी मोटरसाइकिल से ड्यूटी कर घर लौट रहा था। वह बिहार फाउंड्री में कार्यरत था और प्रतिदिन की तरह गुरुवार को भी काम समाप्त कर घर वापस आ रहा था। बताया जाता है कि हथमारा पोचरा स्थित गजराज टाटा मोटर्स के पास अचानक एक तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने उसकी बाइक को अपनी चपेट में ले लिया। टक्कर इतनी जोरदार थी कि वंश कुमार गंभीर रूप से घायल हो गया और घटनास्थल पर ही दम तोड़ दिया।

501 महिलाओं की अगुवाई में हजारों श्रद्धालुओं की भव्य निशान यात्रा से द्वितीय रंग रंगीला फागुन महोत्सव का आगाज

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रामगढ़ : शहर में द्वितीय रंग रंगीला फागुन महोत्सव का शुभारंभ गुरुवार, 26 फरवरी को भव्य और विशाल निशान यात्रा के साथ हुआ। श्री श्याम सेवा समिति ट्रस्ट रामगढ़ के तत्वावधान में आयोजित इस यात्रा में 501 से अधिक महिलाओं ने निशान धारण कर भागीदारी निभाई, जबकि हजारों की संख्या में पुरुष, महिलाएं और बच्चे शामिल हुए। पूरा शहर भक्तिमय वातावरण में रंग गया। प्रातः 11 बजे छावनी फुटबॉल ग्राउंड से यात्रा की शुरूआत हुई। इससे पहले विधिवत ध्वजा पूजन और निशान पूजन किया गया। कूपनधारी महिलाओं एवं श्रद्धालुओं को विधि-विधान के साथ निशान प्रदान किए गए। इसके

बाद बैंड-बाजे और ताशा पार्टी की गूंज के बीच यात्रा आगे बढ़ी। स्थानीय और बाहरी कलाकार भजनों की प्रस्तुति देकर श्रद्धालुओं को झूमने पर मजबूर करते रहे। निशान यात्रा फुटबॉल ग्राउंड से प्रारंभ होकर नेहरू रोड स्थित श्याम मंदिर, गोला रोड, थाना चौक और सुभाष चौक होते हुए पुनः फुटबॉल मैदान पहुंचकर संपन्न हुई। विभिन्न सामाजिक संगठनों ने जगह-जगह यात्रा का स्वागत किया तथा श्रद्धालुओं के लिए शीतल पेय और पानी की व्यवस्था की गई। समापन स्थल पर कूपन के माध्यम से प्रसाद वितरण किया गया। यात्रा में घोड़े के रथ पर सवार राधा-कृष्ण और शिव-पार्वती की आकर्षक झांकियां विशेष आकर्षण का केंद्र रहीं। सजीव झांकियों और सुसज्जित ध्वजों ने पूरे आयोजन को अलौकिक रूप प्रदान किया। समिति के पदाधिकारियों और सदस्यों–सांवरमल अग्रवाल, अनिल गोयल, कमल बगड़िया, संजय चौधरी, शंकर लाल अग्रवाल, सुरेश बगड़िया, राजकुमार अग्रवाल, प्रदीप शर्मा, मुरारी अग्रवाल, विकास अग्रवाल, संजय अग्रवाल , राजेश अग्रवाल, महावीर अग्रवाल, विनय अग्रवाल, राजेश मोदी, अजय जैन, प्रमोद मोदी, मनोज बंसल, शंभू पटवारी, शिवकुमार अग्रवाल, दीपक मेवाड़ और महेश अग्रवाल सहित अन्य श्रद्धालुओं ने आयोजन को सफल बनाने में सक्रिय भूमिका निभाई। महोत्सव के दूसरे दिन 27 फरवरी को शाम 6:30 बजे से भजन संध्या का आयोजन होगा। मंदिर को फूलों से विशेष रूप से सजाया जाएगा और ज्योत प्रज्ज्वलित की जाएगी। सवामणि और महाभोग के कूपन भी जारी किए गए हैं।

संक्षिप्त खबरें

कारी मोहम्मद अजहर ने रमजान को सब्र, इबादत, रहमत और बरकत का महीना बताया

सरिया : अल जामिया इमाम अबू हनीफा मदरसा के शिक्षक एक दौरे के क्रम में सरिया पहुंचे। मोहम्मद अजहर ने रमजान के पवित्र महीने की शुरूआत पर एक प्रेस विज्ञप्ति जारी कर मुसलमानों को बधाई दी है। उन्होंने रमजान को सब्र, इबादत, रहमत और बरकत का पैगाम बताया, जो इंसान की रूह को सुकून और दिल को राहत प्रदान करता है ।कारी मोहम्मद अजहर ने कहा कि रमजान आत्मशुद्धि, इंसानियत और जरूरतमंदों की मदद का महीना है। उन्होंने जोर देकर कहा, जब अल्लाह का बंदा पूरे दिन रोजा रखकर इबादत में मशगूल रहता है, तो उसके दिल को एक अलग ही सुकून और तसल्ली महसूस होती है। रमजान हमें भूख और प्यास का एहसास कराता है, ताकि हम गरीबों और जरूरतमंदों की तकलीफ को बेहतर समझ सकें। उन्होंने आगे बताया कि इस महीने में की गई इबादतों का सवाब कई गुना बढ़ जाता है। मस्जिदों में नमाज, तरावीह और कुरआन की तिलावत से रूहानी फिजा बनती है, जहां हर तरफ नेकी, मोहब्बत और भाईचारे का पैगाम फैलता है। यह महीना गलतियों से तौबा करने और अल्लाह से माफी मांगने का सुनहरा अवसर देता है ।कारी मोहम्मद अजहर ने कहा, रमजान में इंसान अपने गुनाहों से दूर होकर नेक रास्ते पर चलने का संकल्प लेता है। इससे दिल की कठोरता खत्म होती है और रहमदिली व इंसानियत की भावना मजबूत होती है। उन्होंने स्पष्ट किया कि रमजान का असली मकसद सिर्फ भूखा-प्यासा रहना नहीं, बल्कि दिल और दिमाग को पाक करना है।

कुजू में हाइवा-बाइक टक्कर, युवक घायल

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

कुजू : मांडू प्रखंड के कुजू ओपी क्षेत्र अंतर्गत आरा सारूबेड़ा स्थित डीएवी स्कूल के समीप तेज रफ्तार हाईवा डंपर और बाइक की आमने-सामने टक्कर में एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे के बाद डंपर चालक वाहन खड़ा कर मौके से फरार हो गया। घटना में घायल युवक की पहचान छत्तीस बास्के, पिता रामकुमार मांझी, निवासी ग्राम डुमरबेड़ा के रूप में हुई है। बताया जाता है कि वह सीसीएल बसंतपुर में कार्यरत है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार दोनों वाहन विपरीत दिशा से आ रहे थे, तभी आमने-सामने भिड़ंत हो गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि बाइक सवार युवक के सिर पर गंभीर चोटें आईं और वह सड़क पर गिर पड़ा। स्थानीय लोगों ने तत्परता दिखाते हुए घायल को तुरंत नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए टाटा मेन हॉस्पिटल, घाटो रेफर कर दिया गया। चिकित्सकों के अनुसार युवक की स्थिति नाजुक बनी हुई है। हादसे के बाद चालक डंपर को सड़क किनारे छोड़कर फरार हो गया। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और वाहन को जब्त कर आगे की कार्रवाई शुरू की। स्थानीय लोगों का कहना है कि आरा कांटा से चार नंबर तक सड़क के दोनों ओर घनी आबादी और बाजार क्षेत्र होने के कारण रोज शाम को जाम की स्थिति बन जाती है। इस मार्ग से बड़ी संख्या में कोयला लदे भारी वाहन गुजरते हैं, जिससे दुर्घटनाओं की आशंका बनी रहती है।

रामगढ़ में छात्रवृत्ति पोर्टल की तकनीकी समस्या दूर, 'फ्रेश आवेदन' विकल्प सक्रिय

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रामगढ़ : जिले के छात्र-छात्राओं के लिए राहत भरी खबर है। छात्रवृत्ति आवेदन में आ रही तकनीकी अड़चन को विधायक रोशन लाल चौधरी के हस्तक्षेप के बाद दूर कर दिया गया है। अब वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए ई-कल्याण पोर्टल पर 'फ्रेश आवेदन' का विकल्प सक्रिय हो गया है, जिससे सैकड़ों छात्र छात्रवृत्ति से वंचित होने से बच गए हैं। जानकारी के अनुसार, पत्रांक 548 के तहत कई विद्यार्थियों ने वर्ष 2024-25 में पोर्टल पर आवेदन किया था। इसी कारण 2025-26 में दोबारा 'फ्रेश आवेदन' करने में तकनीकी समस्या आ रही थी। पोर्टल पर सुधार अथवा नए सिरे से आवेदन का स्पष्ट विकल्प

उपलब्ध नहीं था। इस कारण अनेक छात्र परेशान होकर जिला कार्यालय पहुंचे और समाधान की मांग की।

मामले की गंभीरता को देखते हुए विधायक रोशन लाल चौधरी ने अनुसूचित जनजाति, अनुसूचित जाति, अल्पसंख्यक एवं पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग के सचिव कृपानंद झा और आदिवासी कल्याण आयुक्त कुलदीप चौधरी से दूरभाष पर बातचीत की। उन्होंने अधिकारियों को तकनीकी खामियों से अवगत कराते हुए कहा कि केवल सिस्टम की त्रुटि के कारण किसी भी गरीब और मेधावी छात्र की पढ़ाई प्रभावित नहीं होनी चाहिए। इसके बाद विभागीय स्तर पर त्वरित कार्रवाई करते हुए पोर्टल में आवश्यक सुधार किया गया और 'फ्रेश आवेदन' का विकल्प पुनः उपलब्ध करा दिया गया। जिला कल्याण पदाधिकारी द्वारा 3 फरवरी 2026 को प्रेषित सूची में शामिल मो. इरशाद अंसारी, कुंदन कुमार, मो. अबू रेहान, जाहिद अंसारी, राणा बेदिया, आनंद कुमार, वीणा कुमारी, सीमाब हुसैन और संगीता कुमारी सहित अन्य छात्रों की समस्याओं का समाधान हो गया है।

डॉ. शारदा प्रसाद को 'सुशीला सामद स्मृति सम्मान'

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रामगढ़ : हिंदी साहित्य, क्षेत्रीय एवं जनजातीय भाषा-संस्कृति के संवर्धन हेतु कार्यरत झारखंड साहित्य अकादमी स्थापना संघर्ष समिति ने वर्ष 2026 के प्रतिष्ठित स्मृति सम्मानों की घोषणा कर दी है। समिति द्वारा मार्च माह में आयोजित भव्य समारोह में रामगढ़ कॉलेज एलुमनी एसोसिएशन की निवर्तमान अध्यक्ष एवं पूर्व प्राचार्या डॉ. शारदा प्रसाद को 'सुशीला सामद स्मृति सम्मान' से अलंकृत किया जाएगा। डॉ. शारदा प्रसाद हिंदी साहित्य की प्रख्यात समीक्षक और कवयित्री हैं।

वर्तमान में वह रामगढ़ कॉलेज एलुमनी एसोसिएशन की निवर्तमान अध्यक्ष हैं तथा पूर्व में रामगढ़ महाविद्यालय की प्राचार्या रह चुकी हैं।

हिंदी साहित्य के क्षेत्र में उनके दीर्घकालिक और महत्वपूर्ण योगदान को देखते हुए चयन

समिति ने उन्हें इस सम्मान के लिए चुना है। समिति की त्रिसदस्यीय निर्णायक मंडली–शिरोमणि महतो, नीरज नीर और विनोद राज–ने सर्वसम्मति से उनके नाम पर मुहर लगाई। समिति के अनुसार, डॉ. प्रसाद ने साहित्य सृजन और अकादमिक गतिविधियों के माध्यम से हिंदी भाषा को समृद्ध करने में उल्लेखनीय भूमिका निभाई है। अब तक उनकी 19 पुस्तकें प्रकाशित हो चुकी हैं। इसके अतिरिक्त उनके सौ से अधिक शोध आलेख, कविताएं और निबंध विभिन्न पुस्तकों, जर्नलों और प्रतिष्ठित पत्र-पत्रिकाओं में प्रकाशित हो चुके हैं। साहित्य के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए उन्हें दो दर्जन से अधिक राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय सम्मानों से सम्मानित किया जा चुका है। उनकी इस उपलब्धि पर एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष सुरेश पी. अग्रवाल, अध्यक्ष प्रो. प्रणीत कुमार, उपाध्यक्ष अखौरी कृष्ण बिहारी प्रसाद, सचिव डॉ. ताराशंकर अग्रवाल, डॉ. सुनील अग्रवाल, प्रो. बी.के. दांगी, कस्तूरबा महिला महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ. उमा सेन गुप्ता, डॉ. अंजू शर्मा, मृत्युंजय केसरी, सुंदरलाल, आनंद कृष्ण शारदेय, प्रो. बबीता कुमारी, गोविंद झा, मनोज कुमार झा, प्रो. उत्तम कुमार और भारत भूषण श्रीवास्तव सहित शहर के अनेक बुद्धिजीवियों एवं शुभचिंतकों ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए उन्हें बधाई दी है।

भुरकुंडा से उठी आवाज, दिल्ली में आदिवासी धर्म कोड पर सांसद से मुलाकात

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

भुरकुंडा : आदिवासी धर्म कोड लागू करने की मांग को लेकर राष्ट्रीय स्तर पर सक्रियता बढ़ती जा रही है। इसी क्रम में राष्ट्रीय आदिवासी समन्वय समिति भारत का एक प्रतिनिधिमंडल दिल्ली में राजकुमार रोत से मिला। राजकुमार रोत भारत आदिवासी पार्टी से जुड़े हैं और राजस्थान के डूंगरपुर लोकसभा क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करते हैं। प्रतिनिधिमंडल ने सांसद से आदिवासी धर्म कोड की मांग पर सकारात्मक पहल करने तथा लोकसभा में इस मुद्दे को प्रमुखता से उठाने का आग्रह किया। सदस्यों ने कहा कि देशभर के आदिवासी समुदाय लंबे समय से अलग धर्म कोड की मांग कर रहे हैं, ताकि उनकी धार्मिक पहचान और सांस्कृतिक विरासत को संवैधानिक मान्यता मिल सके। सांसद राजकुमार रोत ने प्रतिनिधियों को आश्वस्त करते हुए कहा कि वे आदिवासी धर्म कोड के मुद्दे को लेकर गंभीर हैं। उन्होंने भरोसा दिलाया कि संसद के भीतर और बाहर इस विषय पर मुखर रूप से आवाज

उठाई जाएगी। साथ ही देश के अन्य आदिवासी सांसदों के साथ समन्वय स्थापित कर केंद्र सरकार पर आवश्यक दबाव बनाने का प्रयास किया जाएगा, ताकि इस मांग पर ठोस निर्णय लिया जा सके। बैठक के दौरान आदिवासी समाज की धार्मिक, सांस्कृतिक और सामाजिक पहचान से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर भी चर्चा हुई। प्रतिनिधिमंडल ने कहा कि आदिवासी धर्म कोड लागू होने से समुदाय की परंपराओं, रीति-रिवाजों और आस्था को औपचारिक मान्यता मिलेगी। इस प्रतिनिधिमंडल में दर्शन गंझू, प्रेमशाही मुंडा, आशुतोष सिंह चेरो, अजय गंझु, अक्षय कुमार भोगता, विष्णु सिंह मुंडा और रवि भूमिज सहित अन्य सदस्य शामिल थे।

होली को लेकर सखी मंडल की महिलाएं बना रहीं 10 क्विंटल हर्बल गुलाल

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पलामू : इस वर्ष होली पर केमिकल युक्त रंगों की जगह हर्बल गुलाल की मांग बढ़ रही है। ग्रामीण विकास विभाग के पलाश ब्रांड के तहत सखी मंडल की महिलाएं प्राकृतिक उत्पादों से हर्बल गुलाल तैयार कर रही हैं। यह बातें पलामू के उप विकास आयुक्त (डीडीसी) जावेद हुसैन ने कही। वे गुरूवार को समाहरणालय सभागार में सखी मंडल की ओर से निर्मित हर्बल गुलाल का लोकार्पण कर रहे थे। उन्होंने कहा कि हर्बल गुलाल त्वचा के लिए सुरक्षित है और इससे नुकसान की आशंका कम

रहती है। उन्होंने महिलाओं को हर्बल अगरबत्ती और मच्छर भगाने वाली अगरबत्ती निर्माण के लिए भी प्रेरित किया। जिले के लेस्लीगंज, नवडीहा बाजार और छतरपुर प्रखंड की महिलाएं इस वर्ष लगभग 10 क्विंटल हर्बल गुलाल का निर्माण कर रही हैं, जिसकी बिक्री जिले के विभिन्न प्रखंडों में की जा रही है। गुलाल निर्माण में चुकंदर (बिट), आरारोट, पालक साग, हल्दी, गेंदा फूल, उड़हुल फूल और पलाश के फूल का उपयोग किया गया है। लेस्लीगंज आजीविका उत्पादक समूह की पूजा देवी, नुरेशा खातून, रेनू देवी, राणा सिद्दिकी, नागवंती देवी एवं नुशरत बीबी सहित अन्य महिलाएं इस कार्य में सक्रिय भूमिका निभा रही हैं। होली को लेकर बाजार में रंग और अबीर की बिक्री तेज है, वहीं प्राकृतिक उत्पादों से तैयार हर्बल गुलाल लोगों के आकर्षण का केंद्र बना हुआ है। कार्यक्रम में एनडीसी, जिला कार्यक्रम प्रबंधक अनीता करकेट्टा, जिला प्रबंधक स्किल एवं जॉब नवल किशोर राजू, जिला प्रबंधक अख्तर अंसारी, प्रवीण सिंह, बीपीओ सुनील कुमार सहित उत्पादक समूह की सदस्याएं उपस्थित थीं।

कार्यपालक अभियन्ता का कार्यालय,
ग्रामीण कार्य विभाग, कार्य प्रमण्डल, हजारीबाग

ई–अल्पकालीन निविदा आमंत्रण सूचना

ई–निविदा सं0 :– 06/2025-26/RWD/EE/HAZARIBAG दिनांक :– 25.02.2026

कार्यपालक अभियंता, ग्रामीण कार्य विभाग, कार्य प्रमण्डल, हजारीबाग द्वारा निम्न विवरण के अनुसार e-procurement पद्धति से निविदा आमंत्रित की जाती है ।

1.कार्य की विवरणी :–

क्र0 सं0	आईडेन्टी फिकेशन संख्या/पैकेज संख्या	प्रखण्ड	कार्य का नाम	प्राक्कलित राशि (रुपया में)		कार्य समाप्ति की अवधि
				अंक में	अक्षर में	
1	RWD/HAZ/DMFT/ 20/2025-26	सदर	ग्राम पंचायत मोरांगी में एन0एच0 से स्वास्थ्य केन्द्र तक पी0सी0सी0 पथ निर्माण ।	1,08,07,100/-	एक करोड़ आठ लाख सात हजार एक सौ रुपये मात्र	09 (नौ) माह
2	RWD/HAZ/DMFT/ 21/2025-26	ईचाक	नेमन रजक के घर से देवी मंडप होते हुए जमुआ गांव सीमाना तक पी0सी0सी0 पथ एवं पुलिया निर्माण।	1,38,,95,800/-	एक करोड अड़तीस लाख पनचान्वे हजार आठ सौ रुपये मात्र	09 (नौ) माह

2. वेबसाईट में निविदा प्रकाशन की तिथि :– 07.03.2026
3. ई–निविदा प्राप्ति की अंतिम तिथि एवं समय :– 16.03.2026 अपराह्न 5.00 बजे तक ।
4. निविदा खोलने की, तिथि, एवं समय–17.03.2026 अपराह्न 5.30 बजे।
5. निविदा आमंत्रित करने वाले पदाधिकारी का पदनाम एवं पता :–कार्यपालक अभियंता, ग्रामीण कार्य विभाग, कार्य प्रमण्डल, हजारीबाग ।
6. ई–निविदा प्रकोष्ठ का दूरभाष सं0–06546–265286 ।
विस्तृत जानकारी के लिए वेबसाईट jharkhandtenders.gov.in में देखा जा सकता है ।

कार्यपालक अभियंता,
ग्रामीण कार्य विभाग,
कार्य प्रमण्डल, हजारीबाग

PR 373655 Rural Work Department(25-26).D

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय
पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल, गोन्दा, राँची।

आम सूचना
(ग्रीष्म नियंत्रण कक्ष)

आसन्न ग्रीष्म को देखते हुए पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल, गोन्दा, राँची क्षेत्रान्तर्गत पेयजल आपूर्ति से संबंधित शिकायतों के निवारण हेतु नियंत्रण कक्ष का गठन किया गया है जो निम्न प्रकार अंकित किए गए सभी पदाधिकारी / कर्मचारी / संवेदक का दूरभाष संख्या सहित नामित किया गया है जिनसे संबंधित क्षेत्रों में जलापूर्ति समस्या के समाधान हेतु सम्पर्क किया जा सकता है।

1. पेयजल एवं स्वच्छता अवर प्रमंडल गोन्दा, राँची।
सहायक अभियंता – श्री शुभम उपाध्याय (मो० संख्या –7869941183)

क्र०	कनीय अभियंता	पानी टंकी	कर्मचारी	वार्ड नं०	जलापूर्ति संबंधित क्षेत्रों का नाम
1	श्री सौरभ सुमन कनीय अभियंता, रातू रोड मोबाईल नं०– 8002478261	रातू रोड पानी टंकी	श्री सुनील मिश्रा मो० नं 9430378661	वार्ड नं०–1, 2(भाग), 22(भाग), 23, 24, 30 से 36 तक वर्णित सभी क्षेत्र	कांके,रोड के दोनों तरफ, मोरहाबादी मैदान, उपर बाजार, रेडियम रोड, रातू रोड के बायें एवं दाये, पहाड़ी मंदिर, हरमू नदी के इस पार तक, किशोर गंज, मधुकम, पिस्का मोड, पंडरा, आई० आई० सी०एम०, रिनपास, सी०आइ०पी०, भेटनरी कॉलेज, सी०सी०एल, गाँधी नगर, जवाहर नगर, राजेन्द्र नगर, सी०एम०पी०डी०आइ०, एम०ई०एस० इत्यादि।
		गोन्दा जलशोध संस्थान पानी टंकी			
		पिस्का मोड़ पानी टंकी	श्री बब्बु कुमार मो० नं० 9304481125		
2.	श्रीमति मीना तिग्गा कनीय अभियंता, मोराबादी, राँची मोबाईल नं०– 6202593389	मोराबादी पानी टंकी	श्री लालू मो० नं० 7765822930 श्री भुनेश्वर महतो मो० नं० 7250181628	वार्ड 2 (भाग), 3, 4(भाग)	एदलहातु, मोराबादी, सिन्दवार टोली, बलिहार रोड, टी०ओ०पी० रोड, चिरौंदी, हरिहर सिह रोड, मस्जिद रोड, बनिया टोली, मंडा टांड़, कुसुम विहार, टैगोर हिल, इत्यादि आसन्न क्षेत्रों।

2. पेयजल एवं स्वच्छता अवर प्रमंडल बरियातु, राँची।
सहायक अभियंता – श्री यमुना सिंह (मो० संख्या –9431594518)

क्र०	पदाधिकारी का नाम एवं पदनाम	दूरभाष संख्या	जलापूर्ति संबंधित क्षेत्रों का नाम
1.	श्री आदित्य कुमार कनीय अभियंता, पेयजल एवं स्वच्छता प्रषाखा, रिम्स	9110925119	रिम्स, अस्पताल
2.	श्री सिकन्दर प्रसाद कनीय अभियंता, पेयजल एवं स्वच्छता प्रशाखा रिनपास	8292813312	रिनपास, अस्पताल
3.	श्री सुभाष कुमार कनीय अभियंता, पेयजल एवं स्वच्छता प्रशाखा लोकभवन	9771310021	लोकभवन, माननीय मुख्यमंत्री आवास, माननीय मुख्य न्यायाधीश आवास, माननीय विधान सभा आवास एवं सरकारी आवासों आसन्न क्षेत्रों

कार्यपालक अभियंता,
पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल, गोन्दा, राँची।

PR 373706 (Drinking Water and Sanitation) 25-26 (D)

JHARKHAND BIJLI VITRAN NIGAM LIMITED
(CIN :U40108JH2013SGC001702)
JHARKHAND BIJLI VITRAN NIGAM LIMITED
ELECTRIC SUPPLY CIRCLE, RAMGARH
RAMGARH, PIN – 829122

Short E-Tender Notice

E-tenders are invited from reputed tenderers having good experience in following similar type of Civil works and having sound certified financial status.

Sl. No	NIT No.	Name of work	Estimated cost (InRs.)	Earnest money to be deposited (In Rs.)	Cost of BOQ(GST18% Included) Non-refundable (In Rs.)	Time of Completion (In Day)
01	395/PR/ JBVNL /2025-26	R & M of fencing to secure the premises for scrap and other valuable items of T.R.W, Ramgarh	3,97,700.00/-	8000.00/-	886.00/-	30 days
02	396/PR/ JBVNL /2025-26	Door & window replacement and wc repair work of Electric Supply Division Office, Ramgarh	3,92,600.00/-	7900.00/-	886.00/-	90 days
03	397/PR/ JBVNL /2025-26	R&M work of interiors of Electric Supply Sub-Division Office, Ramgarh	3,99,400.00/-	8000.00/-	886.00/-	90 days
04	398/PR/ JBVNL /2025-26	R&M of Boundary wall with culvert inside 33/11 KV PSS Patratu, Ramgarh	3,27,000.00/-	6600.00/-	886.00/-	90 days
05	399/PR/ JBVNL /2025-26	R&M of control room building at 33/11 KV PSS Patratu under ESC Ramgarh	3,99,800.00/-	8000.00/-	886.00/-	90 days
06	400/PR/ JBVNL /2025-26	Repair of cable trench and metal spreading at 33/11 KV P/S/S Patratu under ESC, Ramgarh	3,99,600.00/-	8000.00/-	886.00/-	90 days

Availability of tender documents on website	27/02/2026 From 02.00 PM
Last date and time for uploading of e-Tender	13/03/2026 up to 06:00 PM
Last date and time for physical submission of original Demand Draft towards cost of BOQ and Earnest Money	14/03/2026 up to 03:00 PM
Date and time for opening of Tender Part-I (Technical and Commercial)	16/03/2026 At 02:00 PM
Date and time for opening of tender Part-II (Price Part)	To be communicated further
Tendering officer and address for communication	E.S.E, Electric Supply Circle, Ramgarh

1. E-tender documents and BOQ including terms & conditions, specification etc. can be downloaded and submitted online on website https://jharkhandtenders.gov.in. Any details required in this regard can also be had from the office of the undersigned during office hours. NIC helpline No. 06034-222109, for any clarification regarding NIT contact no. 065553-231987
2. Demand Draft from any nationalized bank/Schedule bank in India towards cost of BOQ and Earnest Money will be prepared within the tender period in favour of **Accounts Officer, Electric Supply Circle, Ramgarhpayable at Ramgarh.**
3. The tenders will be received through electronic tendering mode only.

स्वहित एवं राष्ट्रहित में ऊर्जा बचावें। कृपया अपनी शिकयतोंको टॉल फ्री नं० 1800 345 6570 पर दर्ज करायें।

Sd/-
E.S.E,
Electric Supply Circle, Ramgarh

PR 373712 Jharkhand Bijlee Vitran Nigam Ltd(25-26)D

सबसे विवादित राष्ट्रपति बनते दिखते ट्रम्प

न्याय तो न्याय होता है फिर वो अपनों के लिए हो या गैरों के लिए। लेकिन ट्रम्प को यह भी नागवार गुजरा जब वहां के सुप्रीम कोर्ट ने कानून की हद और जद में वो फैसला सुनाया, जो उनके खिलाफ था। दरअसल, अमरीका में सुप्रीम कोर्ट में अदालतों की नियुक्ति वहां के राष्ट्रपति करते हैं जो कि आजीवन या जबतक जज सक्षम, स्वस्थ और सक्रिय रहें तब तक के लिए होती है। अमरीकी सुप्रीम कोर्ट में ट्रम्प के पहले कार्यकाल के नियुक्त तीन जज थे जिनसे ट्रम्प पूरे भरोसे में थे और उन्हें अपनी जागीर समझ बैठे। फैसला उनके खिलाफ भला कैसे जाएगा? लेकिन वो ये भूल गए कि जजों ने न्याय करने की शपथ ली थी न ट्रम्प के हितों की रक्षा की। फैसला आते ही उन्होंने जिन शब्दों में सुप्रीम कोर्ट और खिलाफ फैसला देने वाले जजों पर आरोप लगाए वह निश्चित रूप से अमेरिका की पूरी न्याय प्रणाली पर कटाक्ष था जो बेहद निंदनीय है। इसी तरह हालिया भारत-पाक युध्द को रोकने को लेकर अनगिनत बार एकतरफा बोलने वाले ट्रम्प इस बार तो इतना कह गए यदि वो दोनों का परमाणु युध्द नहीं रुकवाते तो पाकिस्तान के प्रधानमंत्री की हत्या हो जाती। दुनिया भर में इस फैसले की चर्चा इसलिए भी हो रही है कि वहां के सुप्रीम कोर्ट ने बहुमत से इसे असंवैधानिक करार दिया। इसमें ट्रम्प के नियुक्त जजों ने भी अहम भूमिका निभाई। 6-3 के बहुमत से ट्रम्प टैरिफ को असंवैधानिक करार देते हुए 1977 के आईईईपीए कानून यानी "अंतर्राष्ट्रीय आपातकालीन आर्थिक शक्तियां अधिनियम" (इण्टरनेशनल इमरजेंसी इकॉनामिक पॉवर ऐक्ट) का हवाला दिया। यह वो अमेरिकी कानून है जो राष्ट्रपति को राष्ट्रीय आपातकाल के दौरान विदेशी खतरों से निपटने के लिए आर्थिक लेनदेन, आयात-निर्यात और संपत्ति को विनियमित करने का अधिकार देता है। जबकि अमरीका में ऐसी स्थिति नहीं है। बिना कांग्रेस की सहमति लिए जिद्दी ट्रम्प ने दुनिया भर में मनमाने टैरिफ ठोंक दिया, भारत भी अछूता नहीं रहा। फैसला आते ही कुछ देर में ट्रम्प ने प्रेस कांफ्रेंस की जिसमें फैसले की न केवल आलोचना की बल्कि विरोध में फैसला देने वाले खुद के नियुक्त जजों को जमकर कोसा, लताड़ा भी। कोर्ट पर मनमाने आरोप भी लगाए और कहा कि अदालत विदेशी हितों और ऐसे राजनीतिक आंदोलनों से प्रभावित है, जो लोगों की सोच से छोटे हैं। फैसले को अपने चुनाव परिणाम से जोड़ते हुए कहा कि मैं लाखों वोटों से जीता फिर भी धोखाधड़ी हुई नहीं तो अंतर और बढ़ता बावजूद इसके भारी मतों से जीता। उन्होंने यहां तक कहा कि जो लोग बुरे, अनजान और शोर मचाने वाले हैं, वो चिल्लाकर बोलते हैं। ऐसा लगता है कि कुछ जज इससे डर गए और सही काम नहीं करना चाहते। जस्टिस गोरसच और जस्टिस बैरेट जो ट्रम्प के द्वारा नियुक्त थे, ने भी खिलाफ में फैसला दिया जबकि ब्रेट कैवनॉघ ट्रंप द्वारा नियुक्त वो जज थे जिन्होंने पक्ष में फैसला सुनाया। मुख्य न्यायधीश जॉन रॉबर्ट्स द्वारा लिखे गए फैसले के कुछ घंटे बाद ट्रंप ने बौखलाहट भरी प्रतिक्रियाएं दीं कि टैरिफ पर सुप्रीम कोर्ट का फैसला बेहद निराशाजनक है, कोर्ट के कुछ सदस्यों पर शर्म आ रही है जो देश के लिए सही काम करने की हिम्मत नहीं कर पाए। निश्चित रूप इससे ट्रम्प की साख गिरी है न कि अमरीकी सुप्रीम अदालत की। मुख्य न्यायाधीश जॉन रॉबर्ट्स के साथ बहुमत में न्यायाधीश नील गोरसच और एमी कोनी बैरेट भी शामिल थे। इनकी नियुक्ति ट्रंप ने अपने पहले कार्यकाल में की थी। सहमति जताने वालों में न्यायाधीश क्लेरेंस थामस, सैमुअल एलिटो और ब्रेट कैवना थे जिनमें कैवना को ट्रंप ने नियुक्त किया था। इन्होंने असहमति मत में लिखा कि वास्तव में टैरिफ आयात को नियंत्रित करने का पारंपरिक और सामान्य उपकरण है तथा आइईईपीए का पाठ, इतिहास तथा पूर्व की तमाम मिसालें प्रशासन के पक्ष का समर्थन करती हैं। जज कैवना ने चेतावनी दी कि इस निर्णय से चीन, ब्रिटेन और जापान जैसे देशों के साथ हुए व्यापार समझौतों पर अनिश्चितता पैदा हो सकती है। हालांकि फैसले में यह साफ नहीं है कि कंपनियों को उन अरबों डॉलर का रिफंड मिलेगा या नहीं, जो दिसंबर 2025 तक ही अमरीकी खजाने में करीब 133 अरब डॉलर से अधिक जमा हो चुके हैं।

सूडोकु नवताल- 7718

★★★★☆ मध्यम

5					9	6		
						1	4	
			2	8				
			8				5	2
6								7
1	4				3			
				4	1			
	2	5						
		3	7					4

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7717 का हल

3	6	5	1	8	2	7	4	9
7	9	2	3	5	4	1	8	6
4	1	8	6	7	9	5	3	2
6	5	9	2	4	8	3	7	1
8	4	7	9	3	1	6	2	5
1	2	3	5	6	7	4	9	8
2	7	6	4	9	5	8	1	3
5	8	1	7	2	3	9	6	4
9	3	4	8	1	6	2	5	7

ताज महोत्सव : संस्कृति का विराट उत्सव

योगेश कुमार गोयल

यमुना के पावन तट पर स्थित धवल संगमरमर की वह अलौकिक कृति, जिसे दुनिया ताजमहल के नाम से जानती है, केवल ईंट-पत्थरों और नक्काशी का मेल नहीं है बल्कि भारतीय संवेदनाओं, स्थापत्य-कौशल और सौंदर्य-चेतना का एक शाश्वत महाकाव्य है। जब इस विश्वप्रसिद्ध स्मारक की शीतल और भव्य छाया में रंगों की चटक आभा, रागों की मधुर लहरियां और रसों की सजीव अनुभूति एक साथ साकार होती है, तब वह दृश्य 'ताज महोत्सव' के रूप में भारतीय संस्कृति का एक अनुपम उत्सव बन जाता है।

उत्तर प्रदेश के ऐतिहासिक नगर आगरा में 18 से 27 फरवरी तक आयोजित हो रहा यह दस दिवसीय सांस्कृतिक पर्व केवल एक साधारण मेले का विस्तार नहीं है बल्कि यह भारत की बहुरंगी परंपराओं, लोक-स्मृतियों, लुप्तप्राय शिल्प-कौशल और उस विराट पाक-वैभव का उत्सव है, जहां राष्ट्र की विविधता वैश्विक मंच पर एक साथ स्पंदित होती हैं। इस वर्ष अपने 34वें गौरवशाली संस्करण में प्रवेश कर रहे इस महोत्सव की थीम 'वंदे मातरमः परंपरा एवं राष्ट्र गौरव' हमारी सांस्कृतिक अस्मिता और राष्ट्रीय चेतना का एक सशक्त उद्घोष है, जो आगंतुकों के भीतर स्वदेश प्रेम और अपनी जड़ों के प्रति सम्मान की भावना को प्रगाढ़ करता है।

सन 1992 के वसंत में जब इस महोत्सव का बीजारोपण हुआ था, तब शायद ही किसी ने कल्पना की होगी कि यह आयोजन आने वाले समय में भारत के सबसे प्रतिष्ठित और प्रतीक्षित सांस्कृतिक आयोजनों में शुमार हो जाएगा। इसका मूल दर्शन भारतीय हस्तशिल्प, लुप्त होती लोक कलाओं और सदियों पुराने पारंपरिक कौशलों को एक ऐसा मंच प्रदान करना रहा है, जहां वे अपनी आधुनिक प्रासंगिकता सिद्ध कर सकें। ताजमहल की जादुई पृष्ठभूमि में सजे सैंकड़ों स्टॉल, चटख और पारंपरिक परिधानों में सुसज्जित लोक कलाकार, शास्त्रीय संगीत की गंभीर तान और लोकनृत्यों की लयात्मक थिरकन मिलकर एक ऐसा जादुई वातावरण रचते हैं, मानो पूरा लघु भारत एक ही परिसर में सिमट आया हो।

ताज महोत्सव की सबसे बड़ी पूंजी इसकी वह विविधता ही है, जो उत्तर के हिमालयी अंचल से लेकर दक्षिण के कन्याकुमारी तक और सुदूर पूर्वोत्तर की पहाड़ियों से लेकर पश्चिम के रेगिस्तानों तक की कला को एक सूत्र में पिरोती है। यहां कश्मीर की पश्मीना शॉल की मखमली कोमलता और वाराणसी की रेशमी साड़ियों की राजसी चमक एक साथ देखी जा सकती है। लखनऊ की बारीक चिकनकारी की नजाकत हो या सहारनपुर की लकड़ी पर की गई सूक्ष्म नक्काशी, मुरादाबाद के पीतल शिल्प की सुनहरी दमक हो या खुर्जा की सिरेमिक कला की चटक रंगीन छटा, ये सभी तत्व मिलकर भारत की हस्तकला परंपरा का एक ऐसा जीवंत संग्रहालय रच देते हैं, जिसे देख दुनिया दांतों तले उंगली दबा लेती है। भदोही के हस्तनिर्मित कालीनों की जटिल बुनावट, दक्षिण भारत की पाषाण और काष्ठ मूर्तियां, पूर्वोत्तर के बांस-बेंत की कलाकृतियां और गुजरात के पटोला व बांधनी कार्य की विविधता दर्शकों को एक अनूठी सांस्कृतिक यात्रा पर ले जाती है।

यह महोत्सव केवल वस्तुओं के क्रय-विक्रय का बाजार नहीं है, बल्कि ह्यआत्मनिर्भर भारतह्ल की धड़कन और स्थानीय प्रतिभा के स्वाभिमान का एक जीवंत दस्तावेज है। इस वर्ष सरकार की 'वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट' पहल के अंतर्गत प्रदेश के 50 जनपदों की विशिष्ट पहचान को जिस प्रकार एक ही मंच पर प्रतिष्ठित किया गया है, वह अद्भुत है। लगभग 500 सुसज्जित स्टॉल भारतीय उद्यमिता की उस रचनात्मक ऊर्जा का परिचय दे रहे हैं, जो परंपरा और आधुनिकता के सूक्ष्म समन्वय से नए भारत के भविष्य का निर्माण कर रही है। यहां प्रदर्शित खादी की सादगी, जूट की पर्यावरण-मित्र आत्मा और हथकरघा की सूक्ष्म बुनावट केवल व्यापारिक उत्पाद नहीं बल्कि स्वदेशी स्वाभिमान, सतत विकास और सांस्कृतिक निरंतरता के उन सशक्त प्रतीकों के रूप में उभरते हैं, जो वैश्विक बाजार में भारत की श्रेष्ठता सिद्ध करते हैं।

कला और शिल्प के इस महाकुंभ में संगीत और नृत्य की धाराएं आत्मा के स्पंदन की भांति प्रवाहित होती हैं। ताजमहल की मुगलई वास्तुकला की छाया में गूंजते शास्त्रीय, अर्ध-शास्त्रीय और लोक राग एक ऐसे सांगीतिक वातावरण का सृजन करते हैं, जो श्रोताओं को अलौकिक आनंद की अनुभूति कराता है। ब्रज के उल्लासपूर्ण लोकनृत्य, जिनमें होली की मस्ती और राधा-कृष्ण के प्रेम की महक होती है, कथक की भावप्रवण मुद्राएं, जिनमें इतिहास बोलता है और सूफी गायकी की वह रूहानी लहरियां, जो सीधे खुदा से संवाद करती प्रतीत होती हैं, दर्शकों को एक आध्यात्मिक ऊंचाई प्रदान करती हैं।

इस वर्ष के विशाल डिजिटल मुक्ताकाशीय मंच पर आधुनिकता का भी समावेश है, जहां नीरज श्रीधर की ऊर्जस्वित बॉलीवुड नाइट्स, कृष्णा-अभिषेक की हास्य-विनोद से भरपूर प्रस्तुतियां और सचिन-जिगर की सुरीली धुनों वाली समापन संध्या युवा ऊर्जा को एक नई चमक प्रदान करेगी। इसके साथ ही ह्यइंडियन ओशनह्ल जैसे बैंड की फ्यूजन संगीत, अली ब्रदर्स की शुद्ध सूफियाना सुर-लहरियां और माधवाज बैंड की भक्तिमय संध्या इस महोत्सव को संगीत-प्रेमियों के लिए एक कभी न भूलने वाला अनुभव बना देने वाली हैं।

भारतीय उत्सव की आत्मा उसके स्वाद में बसती है और ताज महोत्सव इस मामले में किसी स्वर्ग से कम नहीं है। यहां देशभर के उन पारंपरिक व्यंजनों का संसार सजता है, जो जीभ के स्वाद के साथ-साथ हमारी भौगोलिक और सांस्कृतिक विविधता का भी परिचय देते हैं। उत्तर प्रदेश के चटपटे आंचलिक व्यंजनों से लेकर दक्षिण भारत के कुरकुरे डोसे, राजस्थानी दाल-बाटी-चूरमा की सोंधी खुशबू, पंजाब की मलाईदार लस्सी, बंगाल की रसभरी मिठाइयां और कश्मीर के शाही वाजवान तक, हर स्वाद अपनी विशिष्ट पहचान के साथ यहां उपस्थित होता है। यह भोजन केवल पेट भरने का साधन नहीं बल्कि भारत की उस सांस्कृतिक समृद्धि का सजीव प्रमाण है, जो सदियों के मेलजोल से विकसित हुई है।

इसके साथ ही, यह आयोजन स्थानीय अर्थव्यवस्था के लिए किसी वरदान से कम नहीं है। आगरा के होटल, रेस्तरां, परिवहन सेवाएं, हस्तशिल्प बाजार और टूर गाइडों के चेहरों पर इस दौरान जो रौनक दिखाई देती है, वह पर्यटन उद्योग की गतिशीलता का प्रतीक है। हजारों की संख्या में आने वाले विदेशी पर्यटक जब भारतीय परिधानों को पहनकर, यहां की हस्तशिल्प और पारंपरिक कलाओं के बीच समय बिताते हैं तो वे अपने साथ भारत की एक सुखद और गौरवशाली छवि लेकर स्वदेश लौटते हैं।

आगरा स्वयं भी इतिहास और स्थापत्य का एक अनूठा संगम है। महाभारत काल में 'अग्रवन' के रूप में वर्णित यह नगर, जिसे कभी सिकंदर लोदी ने बसाया और बाद में मुगल सम्राटों अकबर, जहांगीर तथा शाहजहां ने अपनी राजधानी बनाकर विश्वपटल पर चमक दी, आज भी अपनी ऐतिहासिकता को संजोए हुए है। इसी गौरवशाली अतीत की पृष्ठभूमि के कारण ताज महोत्सव का महत्व और भी गहन हो जाता है। प्रेम, कला और इतिहास के इस त्रिवेणी संगम में जब आधुनिक मंच-सज्जा, डिजिटल तकनीक और लेजर शो का समावेश होता है, तब परंपरा और आधुनिकता का वह अद्भुत सामंजस्य दृष्टिगोचर होता है, जिसे दुनिया आज का भारत कहती है।

महोत्सव में आयोजित होने वाले कवि सम्मेलन, मुशायरे और गजल संध्याएं साहित्यिक रसिकों के लिए एक ऐसा आकर्षण केंद्र होती हैं, जहां शब्दों की सरगम और भावों की सूक्ष्म अभिव्यक्ति दर्शकों को हमारी महान साहित्यिक विरासत से जोड़ती है। चित्रकला, फोटोग्राफी और नृत्य प्रतियोगिताएं आयोजित कर यह महोत्सव न केवल स्थापित दिग्गजों को मंच देता है बल्कि नवोदित प्रतिभाओं के सपनों को भी नई उड़ान देता है।

ताज महोत्सव की सबसे बड़ी और ऐतिहासिक उपलब्धि यह है कि यह अमूर्त भारतीयता की भावना को एक मूर्त उत्सव में रूपांतरित कर देता है। यहां रखा हस्तशिल्प का हर एक नमूना अपनी मिट्टी की कहानी कहता है, कलाकारों की हर प्रस्तुति एक प्राचीन धरोहर को पुनर्जीवित करती है और हर व्यंजन एक क्षेत्रीय पहचान को सहेजता है। यह आयोजन इस महान सत्य का जयघोष है कि भारत केवल विविधताओं का देश नहीं है बल्कि उन तमाम भिन्नताओं को एक ही सूत्र में पिरोने की एक अद्भुत और अदम्य क्षमता रखने वाला राष्ट्र है। जब ताजमहल की श्वेत आभा सूर्यास्त की सुनहरी किरणों में घुलती है और पृष्ठभूमि में किसी शास्त्रीय राग की अंतिम तान गूंजती है, तब ताज महोत्सव केवल एक दस दिवसीय कार्यक्रम मात्र नहीं रह जाता बल्कि भारतीय संस्कृति का एक ऐसा जीवंत और प्राणवान उत्सव बन जाता है, जहां इतिहास वर्तमान से संवाद करता है और परंपराएं आधुनिकता का हाथ थामकर भविष्य की सुनहरी राह पर चल पड़ती हैं।

राजस्थान के डिस्टर्ब्ड एरिया बिल पर राजनीति

संजय सक्सेना

राजस्थान की राजनीति इन दिनों एक ऐसे प्रस्तावित कानून के इर्द-गिर्द घूम रही है, जिसने सत्ता, विपक्ष, समाज और प्रशासन सभी को आमने-सामने ला खड़ा किया है। राज्य सरकार द्वारा पेश किया गया डिस्टर्ब्ड एरिया बिल 2026 सिर्फ एक विधायी पहल नहीं माना जा रहा, बल्कि इसे सामाजिक ताने-बाने, संपत्ति के अधिकार और राज्य की कानून-व्यवस्था से जोड़कर देखा जा रहा है। सरकार का दावा है कि यह कानून सांप्रदायिक तनाव, जबरन पलायन और जनसंख्या असंतुलन जैसी समस्याओं से निपटने के लिए जरूरी है, जबकि विरोधियों को इसमें भय, दुरुपयोग और राजनीतिक मंशा की आशंका दिख रही है। राज्य में पिछले कुछ वर्षों से ऐसे इलाकों की चर्चा होती रही है, जहां सामुदायिक तनाव के बाद एक वर्ग के लोगों को अपने घर, दुकान या जमीन औने-पौने दामों पर बेचकर इलाका छोड़ना पड़ा। सरकार का कहना है कि दबाव, धमकी या सामाजिक असुरक्षा के माहौल में होने वाले ऐसे सौदे न सिर्फ पीड़ित परिवारों को कमजोर करते हैं, बल्कि पूरे क्षेत्र में असंतुलन पैदा कर देते हैं। प्रस्तावित कानून इसी प्रक्रिया पर लगाम कसने की बात करता है। इसके तहत राज्य सरकार को अधिकार होगा कि वह किसी भी इलाके को सीमित अवधि के लिए अशांत क्षेत्र घोषित कर सके और वहां संपत्ति के लेन-देन को सख्त नियमों से बांध सके।

सरकार की मंशा यह बताई जा रही है कि अशांत घोषित इलाके में कोई भी अचल संपत्ति बिना सक्षम प्राधिकारी की अनुमति के खरीदी या बेची नहीं जा सकेगी। यह अनुमति तभी मिलेगी जब यह साबित हो कि सौदा पूरी सहमति से, बाजार मूल्य पर और बिना किसी दबाव के हो रहा है। साथ ही किरायेदारों को बेदखली से सुरक्षा देने की भी बात कही गई है। सरकार का तर्क है कि इससे उन परिवारों को राहत मिलेगी, जो वर्षों से किसी इलाके में रहते आए हैं लेकिन अचानक बदले हालात के कारण खुद को असुरक्षित महसूस करने लगते हैं। बिल में जिस अवधारणा पर सबसे ज्यादा बहस हो रही है, वह है अनुचित जमावड़ा। कानून के मसौदे के अनुसार, यदि किसी क्षेत्र में किसी एक समुदाय का ऐसा संकेंद्रण होता है, जो दबाव, मजबूरी या गलत मंशा के कारण हुआ हो और जिससे सामाजिक सौहार्द या सार्वजनिक व्यवस्था प्रभावित होने की आशंका हो, तो उस क्षेत्र को अशांत घोषित किया जा सकता है। सरकार का कहना है कि यह प्रावधान भविष्य की आशंकाओं को देखते हुए रखा गया है, ताकि हालात बिगड़ने से पहले ही हस्तक्षेप किया जा सके।

राजस्थान की सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी सरकार इसे एक एहतियाती कदम बता रही है। उसका तर्क है कि कई इलाकों में जनसंख्या के असंतुलन ने सांप्रदायिक तनाव को जन्म दिया है और मौजूदा कानून ऐसे मामलों से निपटने में नाकाफी साबित हुए हैं। कानून मंत्री जोगाराम पटेल पहले ही यह कह चुके हैं कि कुछ क्षेत्रों में हिंसा और दंगे की घटनाओं के बाद पुराने बाशिंदों को मजबूरी में अपनी संपत्ति बेचनी पड़ी। सरकार का मानना है कि यदि इस प्रवृत्ति को नहीं रोका गया, तो हालात और बिगड़ सकते हैं। विपक्षी कांग्रेस इस बिल को सत्ता का दुरुपयोग बताकर विरोध कर रही है। पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा का कहना है कि यह कानून डर का माहौल पैदा करेगा और प्रशासन को मनमानी का हथियार दे देगा। उनका आरोप है कि सरकार विकास और रोजगार जैसे मुद्दों से ध्यान भटकाने के लिए ऐसे कानून ला रही है, जिनसे समाज में अविश्वास बढ़ेगा। विपक्ष का यह भी कहना है कि किसी इलाके को अशांत घोषित करने की प्रक्रिया पारदर्शी नहीं होगी और इसका इस्तेमाल राजनीतिक या सामुदायिक आधार पर किया जा सकता है।

राज्य सरकार इस आलोचना को खारिज करते हुए कहती है कि कानून में स्पष्ट समय-सीमा तय की गई है। किसी भी क्षेत्र को अधिकतम तीन साल या अधिसूचना में तय अवधि तक ही अशांत रखा जा सकेगा। इसके अलावा शिकायत मिलने पर एक विशेष जांच दल का गठन अनिवार्य होगा, जिसमें प्रशासन, पुलिस और स्थानीय निकाय के वरिष्ठ अधिकारी शामिल होंगे। सरकार का दावा है कि इससे एकतरफा फैसलों की गुंजाइश कम होगी।इस तरह के कानूनों का इतिहास देखा जाए तो यह प्रयोग नया नहीं है। देश में सबसे पहले 1983 में पंजाब में अशांत क्षेत्र से जुड़ा कानून बना था, जब वहां उग्रवाद अपने चरम पर था। इसके बाद 1991 से गुजरात में भी ऐसा कानून लागू किया गया, जिसे समय-समय पर संशोधित किया गया। हाल के वर्षों में असम सरकार ने भी अलग-अलग समुदायों के बीच जमीन की खरीद-बिक्री को लेकर दिशा-निर्देश जारी किए थे। हालांकि 2016 में केंद्र सरकार ने यह कहते हुए पंजाब को इस श्रेणी से बाहर कर दिया था कि वहां हालात सामान्य हो चुके हैं। उस समय केंद्रीय गृह राज्य मंत्री किरण रिजिजू ने स्पष्ट किया था कि पंजाब अब अशांत क्षेत्र नहीं है और वहां सशस्त्र बल विशेष अधिकार अधिनियम जैसी व्यवस्थाओं की जरूरत नहीं रही।

राजस्थान के संदर्भ में सरकार कुछ खास इलाकों का उदाहरण देती है, जहां वर्षों से रहने वाले परिवारों के पलायन की बातें सामने आई हैं। जयपुर से कुछ दूरी पर स्थित कल्याणी मालपुरा और आसपास के इलाकों के किस्से अक्सर चर्चा में रहते हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि अचानक बदले सामाजिक समीकरणों के कारण डर का माहौल बना और कई परिवारों ने सुरक्षित भविष्य के लिए इलाका छोड़ना बेहतर समझा। सरकार इसी तरह की परिस्थितियों को रोकने के लिए कानून को जरूरी बता रही है।कानून के सख्त प्रावधान भी बहस का कारण हैं। यदि कोई व्यक्ति अशांत क्षेत्र में नियमों के खिलाफ संपत्ति का लेन-देन करता है, तो उसे तीन से पांच साल तक की जेल और भारी जुमार्ने का सामना करना पड़ सकता है। सभी अपराधों को संज्ञेय और गैर-जमानती रखने का प्रस्ताव है। सरकार का कहना है कि बिना कड़ी सजा के ऐसे मामलों में रोक लगाना मुश्किल है, जबकि आलोचकों को डर है कि इससे आम नागरिकों को परेशान किया जा सकता है।

कानून का एक संवेदनशील पहलू यह भी है कि इसके दायरे में पुराने सौदे भी आ सकते हैं। यदि किसी संपत्ति का हस्तांतरण अमान्य घोषित होता है, तो विक्रेता को खरीदार को तय समय के भीतर पूरी रकम लौटानी होगी। समर्थकों का कहना है कि यह प्रावधान उन लोगों को न्याय देगा, जो दबाव में आकर अपनी संपत्ति बेचने को मजबूर हुए। विरोधियों को आशंका है कि इससे वर्षों पुराने विवाद फिर से खुल सकते हैं। राजस्थान में यह बहस अब सिर्फ विधानसभा तक सीमित नहीं रही। वकील, सामाजिक कार्यकर्ता और प्रशासनिक विशेषज्ञ भी इसे अलग-अलग नजरिए से देख रहे हैं। कुछ का मानना है कि यदि समस्या गंभीर है और मौजूदा कानून नाकाम हो रहे हैं, तो सख्त कदम जरूरी हो सकते हैं। वहीं यह भी चेतावनी दी जा रही है कि किसी भी नए कानून का दुरुपयोग न हो, वरना उसका असर समाज में अविश्वास और टकराव के रूप में सामने आ सकता है। आने वाले दिनों में यह साफ होगा कि यह बिल कानून बनकर किस दिशा में जाता है और राजस्थान के सामाजिक परिदृश्य को किस तरह प्रभावित करता है।

प्लास्टिक का जाल

मिथलेश दास

आधुनिक जीवन की रफ्तार में प्लास्टिक ने जिस तेजी से हमारी दिनचर्या में जगह बनाई है, वह विकास की कहानी जितनी चमकदार दिखती है, उतनी ही चिंताजनक भी है। आज सुबह उठने से लेकर रात सोने तक हम अनजाने में कई बार प्लास्टिक का उपयोग करते हैं पानी की बोतल, दूध की थैली, खाने की पैकेजिंग, मोबाइल कवर, घरेलू सामान सब कुछ किसी न किसी रूप में प्लास्टिक पर निर्भर हो चुका है। सस्ता, हल्का और टिकाऊ होने के कारण प्लास्टिक ने जीवन को आसान बनाया, उद्योगों को गति दी और उपभोक्ता संस्कृति को मजबूत किया, लेकिन सुविधा की इसी अंधी दौड़ ने पर्यावरण के सामने एक गंभीर संकट खड़ा कर दिया है। विडंबना यह है कि जिस पदार्थ को हमने सुविधा का प्रतीक माना, वही आज पृथ्वी के लिए धीमा जहर साबित हो रहा है। यह प्रश्न उठाना जरूरी है कि क्या हम सुविधा की कीमत पर भविष्य को खतरे में डाल रहे हैं, और यदि हाँ, तो इससे निकलने की राह क्या है। दुनिया भर में हर वर्ष करोड़ों टन प्लास्टिक कचरा उत्पन्न हो रहा है, जिसका बड़ा हिस्सा सही तरीके से न तो एकत्र होता है और न ही पुनर्चक्रित। भारत जैसे तेजी से विकसित हो रहे देश में स्थिति और जटिल है। यहाँ उपभोग बढ़ा है, पैकेजिंग संस्कृति फैली है, ई-कॉमर्स का विस्तार हुआ है, लेकिन ठोस कचरा प्रबंधन की व्यवस्था उसी गति से विकसित नहीं हो पाई। परिणाम हमारे सामने हैं शहरों की नालियाँ पॉलीथिन से जाम, बरसात में जलजमाव, खुले मैदानों में उड़ता कचरा और नदियों में तैरता प्लास्टिक। छोटे कस्बों और गाँवों में तो स्थिति और गंभीर है, जहाँ कचरा प्रबंधन की औपचारिक व्यवस्था लगभग न के बराबर है। वहाँ प्लास्टिक अक्सर या तो खुले में फेंक दिया जाता है या जला दिया जाता है, जिससे जहरीली गैसें निकलकर वायु को प्रदूषित करती हैं और लोगों के स्वास्थ्य पर सीधा असर डालती हैं।

पर्यावरण पर प्लास्टिक का प्रभाव बहुआयामी और दीर्घकालिक है। सामान्य प्लास्टिक सैकड़ों वर्षों तक नष्ट नहीं होता, इसलिए यह मिट्टी में जमा होकर उसकी उर्वरता को प्रभावित करता है। खेतों में पहुँचने वाली पॉलीथिन मिट्टी की संरचना बिगाड़ती है और फसलों की उत्पादकता पर असर डालती है। जल स्रोत भी इससे अछूते नहीं हैं नालियों के जाम होने से शहरी बाढ़ की समस्या बढ़ती है, झीलों और नदियों की स्वच्छता प्रभावित होती है और अंततः यही कचरा समुद्र तक पहुँचकर समुद्री जीवन के लिए घातक बन जाता है। अनेक अध्ययन बताते हैं कि कछुए, मछलियाँ और समुद्री पक्षी प्लास्टिक को भोजन समझकर निगल लेते हैं, जिससे उनकी मृत्यु तक हो जाती है। चिंताजनक बात यह है कि प्लास्टिक धीरे-धीरे टूटकर माइक्रोप्लास्टिक में बदल जाता है और खाद्य श्रृंखला के माध्यम से अंततः मानव शरीर तक पहुँच रहा है। हालिया शोधों में पीने के पानी, नमक और यहाँ तक कि मानव रक्त में भी माइक्रोप्लास्टिक के अंश पाए गए हैं, जो भविष्य के बड़े स्वास्थ्य संकट की चेतावनी है। यदि इस संकट की जड़ तलाशें तो स्पष्ट होगा कि सबसे बड़ा दोष एकल-उपयोग प्लास्टिक की संस्कृति का है। पतली पॉलीथिन, डिस्पोजेबल कप-प्लेट, स्ट्रॉ, छोटी पैकेजिंग इनका उपयोग कुछ मिनटों के लिए होता है, लेकिन इनका पर्यावरणीय जीवनकाल सैकड़ों वर्षों का होता है। सुविधा और सस्तेपन ने इन्हें बाजार में इतना लोकप्रिय बना दिया कि इनके विकल्प पीछे छूट गए। आज बाजार व्यवस्था भी ऐसी बन गई है जहाँ पैकेजिंग के बिना उत्पाद की कल्पना कठिन हो गई है। यह उपभोक्तावादी संस्कृति प्लास्टिक संकट को लगातार बढ़ा रही है। सरकारों ने इस समस्या की गंभीरता को समझते हुए समय-समय पर कदम उठाए हैं। भारत में एकल-उपयोग प्लास्टिक पर प्रतिबंध, प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन नियम, स्वच्छ भारत मिशन और विस्तारित उत्पादक जिम्मेदारी जैसे प्रावधान इसी दिशा में प्रयास हैं। कई राज्यों ने पतली पॉलीथिन पर रोक लगाई है और जागरूकता अभियान भी चलाए गए हैं। लेकिन जमीनी सच्चाई यह बताती है कि कानून और क्रियान्वयन के बीच अभी भी बड़ा अंतर है। बाजार में प्रतिबंधित प्लास्टिक अब भी आसानी से उपलब्ध है, स्थानीय स्तर पर निगरानी कमजोर है और सस्ते विकल्पों की कमी के कारण छोटे दुकानदार तथा उपभोक्ता पुराने ढर्रे पर लौट आते हैं। नीति बनाना अपेक्षाकृत आसान है, पर उसे व्यवहार में उतारना सबसे बड़ी चुनौती बनी हुई है। यह भी उतना ही सच है कि प्लास्टिक संकट केवल सरकारी विफलता की कहानी नहीं है; इसमें समाज और उद्योग की भूमिका भी कम नहीं है। हम नागरिक सुविधा के नाम पर बार-बार पॉलीथिन लेते हैं, घर का कचरा मिलाकर फेंकते हैं और अक्सर खुले में प्लास्टिक जलाने जैसी हानिकारक आदतों को नजरअंदाज कर देते हैं। जब तक उपभोक्ता व्यवहार नहीं बदलेगा, तब तक कोई भी नीति पूरी तरह सफल नहीं हो सकती। इसी तरह उद्योगों ने भी लंबे समय तक सस्ती पैकेजिंग के लाभ को प्राथमिकता दी और कचरे के अंतिम निपटान की जिम्मेदारी से दूरी बनाए रखी। विस्तारित उत्पादक जिम्मेदारी का सिद्धांत कागजों पर तो मजबूत दिखता है, लेकिन उसका प्रभावी पालन अभी भी चुनौती बना हुआ है।

समाधान की दिशा में सोचते समय हमें अतिवादी दृष्टिकोण से बचना होगा। प्लास्टिक को पूरी तरह समाप्त करना न तो व्यावहारिक है और न ही आवश्यक, क्योंकि चिकित्सा, खाद्य संरक्षण और कुछ औद्योगिक क्षेत्रों में इसका उपयोग अभी भी महत्वपूर्ण है। वास्तविक जरूरत है विवेकपूर्ण उपयोग और अनावश्यक खपत पर नियंत्रण की। सबसे पहला कदम व्यवहार परिवर्तन का है कम उपयोग, पुनः उपयोग और पुनर्चक्रण को जीवनशैली का हिस्सा बनाना होगा।

दैनिक पंचांग

27 फरवरी 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

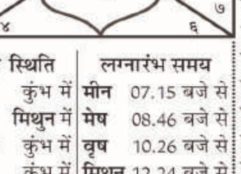

शुक्रवार 2026 वर्ष का 58 वा दिन
दिशाशूल पश्चिम **ऋतु** शिशिर।
विक्रम संवत् 2082 **शक संवत्** 1947
मास फाल्गुन **पक्ष** शुक्ल
तिथि एकादशी 22.33 बजे को समाप्त।
नक्षत्र आर्द्रा 10.49 बजे को समाप्त।
योग आयुष्मान 19.44 बजे को समाप्त।
करण वणिज 11.33 बजे तदनन्तर विष्टि 22.33 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 9.5 घण्टे
रवि क्रान्ति दक्षिण 08° 25'
सूर्य उत्तरायन **कलि अहर्गण** 1872633
जूलियन दिन 2461098.5
कलियुग संवत् 5126
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2552
हिजरी सन् 1447
महीना रमजान **तारीख** 09
विशेष आमलकी एकादशी, योगेश्वर दयाल जयंती, चन्द्रशेखर आजाद शहीद दिवस।

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	कुंभ में	मीन	07.15 बजे से
चंद्र	मिथुन में	मेष	08.46 बजे से
मंगल	कुंभ में	वृष	10.26 बजे से
बुध	कुंभ में	मिथुन	12.24 बजे से
गुरु	मिथुन में	कर्क	14.37 बजे से
शुक्र	कुंभ में	सिंह	16.53 बजे से
शनि	मीन में	कन्या	19.05 बजे से
राहु	कुंभ में	तुला	21.16 बजे से
केतु	सिंह में	वृश्चिक	23.31 ब.से
राहुकाल		धनु	01.47 बजे से
10.30 से		मकर	03.52 बजे से
12.00 बजे तक		कुंभ	05.38 बजे से

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
चर	05.55 से 07.23 बजे तक	रोग	05.38 से 07.1 बजे तक
लाभ	07.23 से 08.51 बजे तक	काल	07.11 से 08.43 बजे तक
अमृत	08.51 से 10.19 बजे तक	लाभ	08.43 से 10.15 बजे तक
काल	10.19 से 11.47 बजे तक	उद्वेग	10.15 से 11.47 बजे तक
शुभ	11.47 से 01.15 बजे तक	शुभ	11.47 से 01.19 बजे तक
रोग	01.15 से 02.43 बजे तक	अमृत	01.19 से 02.51 बजे तक
उद्वेग	02.43 से 04.10 बजे तक	चर	02.51 से 04.23 बजे तक
चर	04.10 से 05.38 बजे तक	रोग	04.23 से 05.55 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

आगामी त्योहारों के मद्देनजर पूरे जिले में सघन वाहन जांच अभियान चलाने का निर्देश

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पाकुड़ : ज़िले के समाहरणालय सभागार में उपायुक्त मनीष कुमार की अध्यक्षता में जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में शहरी परिवहन, यातायात व्यवस्था एवं सड़क सुरक्षा से जुड़े विभिन्न बिंदुओं की विस्तृत समीक्षा करते हुए अधिकारियों को आवश्यक दिशा- निर्देश दिए गए। उपायुक्त व पुलिस अधीक्षक ने होली सहित आगामी त्योहारों के मद्देनजर पूरे जिले में सघन वाहन जांच अभियान चलाने का निर्देश दिया, ताकि सड़क दुर्घटनाओं पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित किया जा सके और यातायात व्यवस्था सुचारु बनी रहे। बिना

हेलमेट, ट्रिपल राइडिंग, रैश ड्राइविंग, बिना सीट बेल्ट, शराब पीकर वाहन चलाना नाबालिगों द्वारा वाहन संचालन, अनधिकृत एवं बिना कागजात के वाहन, हाई बीम लाइट, प्रेशर हॉर्न, बॉडी अल्टरेशन वाले वाहन पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। वर्ष 2025 में 75 तथा वर्ष 2026 (जनवरी-फरवरी) में 12 सड़क दुर्घटनाएँ दर्ज – कुल 87 दुर्घटनाओं में 79 लोगों की मृत्यु हुई। उपायुक्त ने कहा कि जिले के प्रत्येक नागरिक का जीवन अमूल्य है, अतः दुर्घटनाओं एवं मृत्यु दर को कम करने के लिए सख्त कार्रवाई और जागरूकता दोनों आवश्यक हैं। हिट एंड रन मामलों के त्वरित निष्पादन, संवेदनशील क्षेत्रों में विशेष निगरानी, भारी वाहनों के लिए निर्धारित नो-एंट्री का अनुपालन तथा सीसीटीवी स्थापना पर भी जोर दिया गया। उपायुक्त ने पेट्रोल पंप मालिकों के साथ बैठक कर सभी पेट्रोल पंपों पर सीसीटीवी कैमरे लगाने को सुनिश्चित करने को कहा गया। अतिरिक्त एंगल लगाकर चलाए जा रहे ट्रैक्टरों के विरुद्ध अभियान चलाकर अवैध संशोधन हटाने एवं नियमानुसार कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए। उपायुक्त ने परिवहन, पुलिस, नगर परिषद एवं अन्य संबंधित विभागों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करते हुए यातायात व्यवस्था को आमजन के अनुकूल एवं सुरक्षित बनाने का निर्देश दिया।

एक नजर

विवाहित ने फांसी लगा कर की आत्महत्या छानबीन में जुटी पुलिस

साहिबगंज: जिरवाबाड़ी थाना क्षेत्र के छोटा पचगढ़ में बुधवार की देररात एक विवाहिता ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। वहीं जिरवाबाड़ी थाना पुलिस को सूचना मिलने पर मौके पर पहुंच शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया है। मृतका छोटा पचगढ़ के रहने वाला नटवर मुंडा की पत्नी लैली देवी (43) थी। मिली जानकारी के अनुसार पति नटवर मुंडा ने बताया कि बीते बुधवार की शाम छह बजे वे राजमिस्त्री के काम कर घर लौटा। इसके बाद उसकी पत्नी को तबियत खराब रहने पर वे खुद खाना बनाया। इसके बाद किसी का कॉल आने के बाद वे बाहर चला गया। उधर से जब वापस आया तो देखा कि उसकी पत्नी घर छत के पंखा में साड़ी के फंदे से लटकी हुई है। हालांकि तब तक उसकी पत्नी की मौत हो चुकी थी।

एक साल से पथरा में जलमीनार बंद ग्रामीण परेशान

साहिबगंज: बोरियो प्रखंड क्षेत्र में गर्मी के दस्तक के साथ हीं प्रखंड में पेयजल संकट गहराने लगा है। प्रखंड के पथरा गांव में पेयजल संकट उत्पन्न हो गया है। चापानल भी खराब है। पथरा में एनटीपीसी प्रबंधन द्वारा 2019 में सीएसआर फंड से जल मीनार चालू किया गया था। जल मीनार विगत एक वर्ष से खराब पड़ा हुआ है। जल संकट उत्पन्न हो गया है। ग्रामीणों ने एनटीपीसी प्रबंधन से खराब पड़े जल मीनार को अविलंब चालू करने की मांग की है। पूर्व जिप सदस्य पथरा निवासी बरन किस्कू, सुनील मुर्मू, लड़गा हांसदा, बीडीओ मुर्मू, मशीह दास सोरेन ने पेयजल व स्वच्छता विभाग के कार्यपालक अभियंता से पथरा जमाई टोला एवं सूढ़ी टोला के लोगों के पेयजल संकट दूर करने हेतु जल मीनार निर्माण की मांग की है।

राजमहल रेलवे स्टेशन स्वास्थ्य शिविर में रेलकर्मी हुए शामिल

साहिबगंज: मालदा रेल मंडल के सौजन्य से रेल हॉस्पिटल, मालदा के द्वारा स्टेशन परिसर में गुरुवार को स्पेशल वैलनेस हेल्थ चेकअप कैंप लगाया गया। मौके पर एसीएमएस डॉ सुरजीत भट्टाचार्य, डॉ ससमी दास, के द्वारा राजमहल स्टेशन में कार्यरत 40 रेल कर्मी, पदाधिकारी एवं उनके परिवार का हेल्थ चेकअप किया गया। और जरूरतमंदों को दवा दिया गया। स्टेशन प्रबंधक दिलीप कुमार साहा ने बताया कि मालदा रेल हॉस्पिटल की और से रेल कर्मियों का हेल्थ चेकअप किया गया। मौके पर एएसएम रूपक कुमार, बलराम पासवान, शंभू कुमार, ईसरायल शेख आदि अन्य उपस्थित थे।

कुएं से मिली एक अज्ञात व्यक्ति का शव

जलडेगा : प्रखंड के उत्क्रमित प्राथमिक विद्यालय पहानटोली के पीछे स्थित एक कुएं से एक अज्ञात युवक का शव मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई है, ग्रामीणों द्वारा शव देखें जाने के बाद तुरंत पुलिस को खबर दी गई तथा पुलिस स्थानीय ग्रामीणों की मदद से कुए से शव को बाहर निकाला गया, मृतक की उम्र लगभग 18 वर्ष के करीब बताई जा रही है तथा रंग काला तथा सफेद रंग का टी शर्ट तथा काला हाफ पैंट पहन रखा है, पुलिस द्वारा बताया गया, कि शव को कब्जे में लेकर आगे की कारवाई की जा रही है तथा आसपास के थाना में सूचना भेजी गई है,इधर समाचार लिखे जाने तक युवक की पहचान नहीं हो पाई है तथा पुलिस द्वारा युवक की पहचान के सम्बन्ध में जानकारी होने पर तत्काल थाना को सुचित करने की अपील की गयी है, वही पुलिस ने बताया कि दुसरी घटना टंगिया पहानटोली में घटी, जहां बिरसा तोपनो पिता सूकरू तोपनो उम्र 17 वर्ष पिछले 22 फरवरी से घर से लापता था तथा जिसका शव घर पास ही स्थित एक कुएं से बरामद किया गया।

होली पर्व के मद्देनजर खाद्य पदार्थों, रंगों एवं दवाइयों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने हेतु जांच तेज

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पाकुड़ : ज़िले में आगामी होली पर्व को देखते हुए खाद्य पदार्थों, खाद्य तेल, होली के रंगों एवं मिठाइयों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने तथा मेडिकल स्टोरों में एंटी एलर्जिक दवाइयों की पर्याप्त उपलब्धता बनाए रखने हेतु जिला प्रशासन द्वारा विशेष जांच अभियान चलाने का निर्देश दिया गया है। इसी क्रम में संजय कच्छप, पणन सचिव, कृषि उत्पादन बाजार समिति, पाकुड़ द्वारा आज विभिन्न मेडिकल स्टोरों का निरीक्षण कर एंटी एलर्जिक दवाइयों के भंडारण की जांच की गई। जांच के दौरान पाया गया कि मेडिकल स्टोरों में एंटी एलर्जिक दवाइयां पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध हैं, जिससे होली के दौरान संभावित एलर्जी संबंधी समस्याओं से निपटने में सुविधा होगी। जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि आगामी त्योहारों के मद्देनजर यह जांच अभियान निरंतर जारी रहेगा, ताकि आमजन को सुरक्षित एवं गुणवत्तापूर्ण खाद्य सामग्री तथा आवश्यक दवाइयां उपलब्ध हो सकें। वहीं श्री संजय ने जिलेवासियों से अपील करते हुए कहा कि होली पर्व के दौरान रासायनिक रंगों के स्थान पर हर्बल एवं प्राकृतिक रंगों का उपयोग करें, ताकि त्वचा एवं स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं से बचा जा सके और पर्यावरण भी सुरक्षित रहे।

डीबीएल सीएसआर टीम को मिला प्रशस्ति पत्र

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पाकुड़ : जिले में सामाजिक दायित्वों के निर्वहन में उत्कृष्ट कार्य करने को लेकर डीसी पाकुड़ द्वारा डीबीएल की सीएसआर टीम को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। जिला प्रशासन कार्यालय में आयोजित एक गरिमामय समारोह में यह सम्मान जिले के उपयुक्त मनीष कुमार (भा. प्र .से) एवं पुलिस अधीक्षक श्रीमती निधि द्विवेदी (भा. पु .से)द्वारा डीबीएल कोल कंपनी के प्रोजेक्ट हेड सह ए .भी .पी ब्रजेश कुमार को उक्त जिले के अपर समाहर्ता जेम्स सूरीन अनुमण्डल अधिकारी साइमन मरांडी एवं जिले के कई बरीय पदाधिकारियों सामाजिक कार्यकताओं व गण्यमान लोगो की उपस्तिथि में दिया गया कार्यक्रम के दौरान उपायुक्त ने डीबीएल की सीएसआर टीम द्वारा जिले में शिक्षा, स्वास्थ्य, स्वच्छता एवं सामुदायिक विकास के क्षेत्र में किए जा रहे सराहनीय कार्यों की प्रशंसा

की। उन्होंने कहा कि प्रशासन और निजी संस्थानों के सामूहिक प्रयास से ही समाज के अंतिम पंक्ति में खड़े लोगों तक योजनाओं का लाभ प्रभावी रूप से पहुँचाया जा सकता है। डीबीएल की सीएसआर टीम ने ग्रामीण क्षेत्रों में जागरूकता अभियान, जरूरतमंदों को सहायता सामग्री वितरण, विद्यालयों में आधारभूत सुविधाओं का विकास तथा स्वास्थ्य शिविरों के आयोजन जैसे कई महत्वपूर्ण कार्य किए हैं। इन पहलों से स्थानीय समुदाय को प्रत्यक्ष लाभ मिला है। डीबीएल टीम के प्रतिनिधियों ने प्रशस्ति पत्र प्राप्त करने पर जिला प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त किया और भविष्य में भी सामाजिक विकास के कार्यों को और अधिक मजबूती के साथ जारी रखने का संकल्प लिया।

साहिबगंज में 27 फरवरी को मतगणना 40 टेबल पर होगी वोटों की गिनती

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : नगरपालिका आम निर्वाचन-2026 के सफल एवं पारदर्शी संचालन को लेकर निवार्ची पदाधिकारी-सह-अपर समाहर्ता गौतम भगत द्वारा समाहरणालय सभागार में प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित कर मतगणना से संबंधित विस्तृत जानकारी दी गई। निवार्ची पदाधिकारी ने बताया कि नगरपालिका आम निर्वाचन-2026 के तहत 27 फरवरी, 2026 को प्रातः 08:00 बजे से राजकीय पॉलिटेक्निक कॉलेज, साहेबगंज में मतगणना कार्य प्रारंभ किया जाएगा। उन्होंने बताया कि जिला प्रशासन द्वारा मतगणना से संबंधित सभी आवश्यक तैयारियां एवं प्रक्रियाएं पूर्ण कर ली गई हैं, ताकि मतगणना कार्य निष्पक्ष, पारदर्शी एवं शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हो सके। उन्होंने जानकारी दी कि साहेबगंज नगर

परिषद् के लिए कुल 20 टेबल, राजमहल नगर पंचायत के लिए 10 टेबल तथा बरहरवा नगर पंचायत के लिए 10 टेबल की व्यवस्था की गई है। मतगणना कार्य के लिए कुल 120 मतगणना सहायक, 52 मतगणना पर्यवेक्षक तथा 112 अन्य सहायक कर्मी, जिनमें सहायक, कम्प्यूटर ऑपरेटर एवं आईटी सेल के कर्मी शामिल हैं, प्रतिनियुक्त किए गए हैं। निवार्ची पदाधिकारी ने बताया कि साहेबगंज नगर परिषद् के लिए मतगणना 04 राउंड में, जबकि राजमहल एवं बरहरवा नगर पंचायत के लिए 02-02 राउंड में मतगणना संपन्न कराई जाएगी। मतगणना केंद्र की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर लगभग 55 दंडाधिकारियों के साथ पर्याप्त संख्या में पुलिस पदाधिकारी एवं पुलिस बल की प्रतिनियुक्ति की गई है। इस अवसर पर जिला भू-अर्जन पदाधिकारी छुटेश्वर दास सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे।

सहकारिता एवं आपूर्ति विभाग की समीक्षा बैठक आयोजित, डीसी ने दिये आवश्यक दिशा-निर्देश

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : डीसी हेमंत सती की अध्यक्षता में गोपनीय कार्यालय में सहकारिता विभाग, आपूर्ति विभाग एवं जिला स्तरीय सतर्कता समिति की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक के दौरान डीसी ने पिछले बैठक में दिए गए निदेर्शों के आलोक में किए गए कार्यों की विस्तृत समीक्षा की तथा संबंधित पदाधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। डीसी ने रासन कार्ड निष्पादन एवं आयुष्मान कार्ड निर्माण कार्य में प्रगति लाने हेतु जन वितरण प्रणाली के डीलरों के साथ बेहतर समन्वय स्थापित करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप आयुष्मान कार्ड निर्माण सुनिश्चित किया जाए, ताकि अधिक से अधिक पात्र लाभुकों को योजना का लाभ मिल सके। साथ ही उन्होंने नए राशन कार्ड निर्गमन तथा डीलर परिवर्तन से संबंधित लंबित मामलों का शीघ्र निष्पादन करने का निर्देश

दिया। सहकारिता विभाग की समीक्षा के क्रम में डीसी ने विभिन्न प्रखंडों में निमार्णाधीन गोदामों की नियमित निगरानी करने तथा कार्यों को समयबद्ध रूप से पूर्ण करने का निर्देश दिया। उन्होंने यह भी कहा कि सभी संबंधित पदाधिकारी अपने-अपने गोदामों में उपलब्ध खाद्यान्न स्टॉक का भौतिक सत्यापन कर उसकी रिपोर्ट संबंधित वरीय पदाधिकारी को अविलंब समर्पित करें। बैठक में जिला आपूर्ति पदाधिकारी झुनू कुमार मिश्रा, जिला सहकारी पदाधिकारी महादेव मुर्मू, जिला शिक्षा अधीक्षक सहित संबंधित एजीएम एवं बीएसओ उपस्थित थे।

विधायक सविता महतो ने विस के अल्प सूचित प्रश्न में उठाया ईचागढ़ विधानसभा क्षेत्र में लिफ्ट सिंचाई का मामला

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

ईचागढ़ : ईचागढ़ के विधायक सविता महतो ने विधानसभा के बजट सत्र के दौरान अल्प सूचित प्रश्न में ईचागढ़ विधानसभा क्षेत्र में लिफ्ट सिंचाई का मामला जोरदार तरीके से उठाया। ईचागढ़ विधानसभा क्षेत्र में लिफ्ट सिंचाई सुविधा को लेकर सरकार ने महत्वपूर्ण जानकारी दी है। अल्प-सूचित प्रश्न के उत्तर में सरकार ने स्पष्ट किया कि क्षेत्र कृषि बाहुल्य है और यहां के अधिकांश लोग खेती पर निर्भर हैं। इस दौरान सरकार ने स्वीकारा किया कि ईचागढ़ क्षेत्र में लिफ्ट सिंचाई की योजना संचालित नहीं है। जिसमें मैसाड़ा सुवर्णरेखा डैम से 15 किलोमीटर लिफ्ट

सिंचाई के जरिए 50 गांव, सुवर्णरेखा डैम से नीमडीह प्रखंड के ओड़ीया से 10 किलोमीटर लिफ्ट सिंचाई से 20 गांव, आमटांड नदी से काशीडीह होते हुए घाटशिला कांडरबेड़ा तक 6 किलोमीटर क्षेत्र तथा चांडिल बांध से नीमडीह कुकड़ू प्रखंड के नीमडीह के 13 एवं कुकड़ू के 9 पंचायतों में मेगा लिफ्ट सिंचाई योजना का लाभ नहीं मिल रहा है। सरकार ने अपने उत्तर में बताया कि सरायकेला-खरसावां जिले के नीमडीह एवं कुकड़ू प्रखंड तथा पूर्वी सिंहभूम जिले के पटमदा व बोडाम प्रखंड के अपेक्षाकृत ऊंचे भू-भाग में स्थित कुल 26,344 हेक्टेयर कृषि योग्य भूमि को सिंचाई सुविधा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से भूमिगत पाइपलाइन के माध्यम से नीमडीह-कुकड़ू मेगा लिफ्ट सिंचाई योजना एवं पटमदा-बोडाम मेगा लिफ्ट सिंचाई योजना का प्रस्ताव तैयार किया गया है। वर्तमान में राज्य सरकार के सीमित वित्तीय संसाधनों को देखते हुए भारत सरकार से वित्तीय सहायता प्राप्त करने की प्रक्रिया जारी है। केंद्रीय जल आयोग (CWC) द्वारा दोनों योजनाओं पर सैद्धांतिक सहमति प्रदान कर दी गई है तथा कार्यान्वयन के लिए अग्रेतर कार्रवाई की जा रही है। विधायक सविता महतो के पहल से क्षेत्र के किसानों को उम्मीद है कि योजना के धरातल पर उतरने से सिंचाई की समस्या का समाधान होगा और कृषि उत्पादन में उल्लेखनीय वृद्धि होगी।

संक्षिप्त खबरें

सीनियर जिला क्रिकेट लीग टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में द्रोणाचार्य क्रिकेट क्लब ने 198 रन से दर्ज की जीत

साहिबगंज: जिला क्रिकेट संघ के तत्वाधान में सिदो-कान्हू स्टेडियम में चल रहे सीनियर क्रिकेट लीग टूर्नामेंट के तहत गुरुवार को द्रोणाचार्य सीसी बनाम राजमहल सीनियर ए के बीच टूर्नामेंट का पहला सेमीफाइनल मैच खेला गया। द्रोणाचार्य ने टॉस जीत कर पहले बल्लेबाजी करते हुए 30 ओवर में 8 विकेट के नुकसान पर 279 रन बनाए। आशीष रंजन ने 97, अनिकेत ने 36, सुधांशु ने नाबाद 55 रन की पारी खेली। राजमहल सीनियर के गेंदबाज अमित राज ने 2, सादात शेख व हजरत शेख ने 2-2 विकेट लिए। जवाब में बल्लेबाजी करने उतरी राजमहल सीनियर ए की टीम 14.1 ओवर में 81 रन बना कर ऑल आउट हो गई। संतोष राज ने 13 व अमित राज ने 32 रन की पारी खेली। द्रोणाचार्य के गेंदबाज जुनैद परवेज ने 5 व प्रीतम ने 3 विकेट लिए। द्रोणाचार्य के खिलाड़ी आशीष रंजन व जुनैद परवेज को संयुक्त रूप से मैन ऑफ दी मैच घोषित किया गया। मुख्य अतिथि जिला क्रिकेट संघ सचिव अंकुर सिन्हा ने आशीष व जुनैद को मैन ऑफ दी मैच की ट्रॉफी से पुरस्कृत किया। मैच में अंपायरिंग मो अशफाक आलम व तारिक अनवर ने किया। जबकि स्कोरिंग श्याम रंजन ने किया।

थाना प्रभारी ने लालबथानी व किशनप्रसाद में बच्चा चोरी जागरूकता अभियान चलाया

साहिबगंज: सदर प्रखंड के लालबथानी व किशनप्रसाद में मुफ्फसिल थाना प्रभारी अनिस कुमार पाण्डेय के नेतृत्व में बच्चा चोर की अफवाह के रोकथाम को लेकर जागरूकता अभियान चालाया गया। जिसमें थाना प्रभारी ने बताया यदि कोई अजनबी व्यक्ति आपके क्षेत्र में आता है तो बच्चा चोर का अफवाह ना फलाएं। प्रथम यह मान कर चले कि वह व्यक्ति भटक कर गांव में आ गए हैं। अजनबी व्यक्ति का सूचना तुरंत अपने गांव के जनप्रतिनिधि पंचायत प्रतिनिधि या जिम्मेदार व्यक्ति सामाजिक व्यक्ति या पुलिस थाना को दे। जिसे सबसे पहले सूचना मिले जनप्रतिनिधि पंचायत प्रतिनिधि उसे व्यक्ति का दायित्व है कि उसे प्रारंभिक पूछताछ के बाद पुलिस के आने तक अपनी सुरक्षा में रखें और यदि संभव हो तो भीड़ पहुंचने से पहले उसे सुरक्षित थाने में पहुंचा दें। वहीं राजमहल विधानसभा अध्यक्ष कौसर आलम ने बताया कि सबसे पहले उसे शालीनता पूर्वक उसका परिचय एवं गांव में आने का कारण पूछे और यदि संदेह भी होता है तो पुलिस को फोन कर आने का इंतजार कर एवं आने पर पुलिस को सौंप दें। और ना ही अजनबी के साथ मारपीट कर कानून को हाथ में लें और ना ही किसी भी परिस्थिति में भीड़ एकत्रित न होने दे आपका जगरूकता आपका बचाव है कृपया गांव के जिम्मेदार लोगों का एवं प्रशासन का सहयोग करें। मुख्य रूप से उपस्थित मखमलपुर दक्षिण पंचायत के मुखिया मो इसाहक, उत्तर पंचायत सिद्दीकी भोला माझी, मुस्तफा, दाऊद आलम, अबदूर रहीम, जहांगीर आलम, नैमुल हक आदि उपस्थित रहें।

श्याम महोत्सव को लेकर साहिबगंज में निकाली गई भव्य निशान यात्रा

साहिबगंज: श्री श्याम वार्षिक महोत्सव पर श्रीश्याम भक्त मंडल की ओर से गुरुवार को भव्य निशान यात्रा निकाली गई। रंगीला फाल्गुण मेला 2026 को लेकर यह कार्यक्रम 28 फरवरी की रात तक चलेगा। निशान यात्रा सत्संग भवन के प्रांगण से होते हुए धर्मशाला चौक, गांधी चौक, बाटा चौक, महाजन पट्टी, गोपाल पुल, दहला पुरुषोत्तम गली होते हुए श्याम मंदिर में संपन्न हुआ। निशान यात्रा में शामिल होने के लिए आसपास से भारी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। दूसरे दिन 27 फरवरी को एकादशी पर भजन संध्या कार्यक्रम होगा। 28 फरवरी को सवामणी पूजी, भजन संध्या, छप्पन भोग व पुष्प होली के साथ कार्यक्रम का समापन होगा। यह आयोजन स्थानीय पुरूषोतम गली स्थित खाटू श्याम मंदिर में हो रहे हैं। आयोजन में सचिव अंकित केजरीवाल, संयोजक आशीष अग्रवाल, अध्यक्ष रवि भगत आदि जुटे हैं। महोत्सव को लेकर भजन गायक आशीष सिंघल, आयुष शर्मा, लव अग्रवाल व गायिका माही गर्ग आदि कार्यक्रम प्रस्तुत करेंगे।

पांच हजार रुपये से अधिक बकाया वाले उपभोक्ताओं का काटा बिजली कनेक्शन

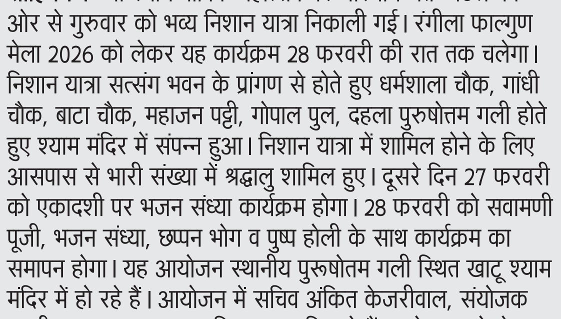

साहिबगंज: उधवा प्रखंड क्षेत्र के विभिन्न इलाकों में बिजली विभाग की टीम के द्वारा लगातार छापामारी अभियान चलाकर पांच हजार रुपए से अधिक बकाया वाले उपभोक्ताओं का विद्युत कनेक्शन काटा जा रहा है। इसी क्रम में गुरुवार को विद्युत कनीय अभियंता चंदन कुमार के नेतृत्व में बिजली विभाग की टीम ने प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत उत्तर पियारपुर पंचायत में अभियान चलाकर पांच हजार रुपए से अधिक बकाया वाले 7 उपभोक्ताओं का विद्युत कनेक्शन काट दिया है। बिजली विभाग की टीम ने बताया कि अभियान के दौरान पांच हजार से अधिक बकाया वाले 7 उपभोक्ताओं का कनेक्शन काटा गया है। साथ ही उनलोगों को बकाया राशि जल्द-जल्द भुगतान करने को कहा गया है। मौके पर लाइनमैन रविन्द्र मंडल, इस्लाम शेख, पूरन साहा, शौकत शेख, अरूण मंडल, प्रकाश मंडल, दिपक मंडल सहित अन्य मौजूद थे।

पीयूष गोयल ने वैश्विक व्यापार और युवा शक्ति को भारत की विकास यात्रा की कुंजी बताया

- भारतीय वस्तुएं, सेवाएं, कृषि एवं मत्स्य उत्पाद और श्रम-प्रधान क्षेत्र नए बाजारों तक पहुंच सकेंगे

मुंबई ।

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि भारत ने 38 देशों के थ नौ मुक्त व्यापार समझौते पूरे किए हैं।

इन समझौतों से भारतीय व्यवसायों को वैश्विक व्यापार के दो-तिहाई हिस्से तक प्राथमिकता के साथ पहुंच मिली है। गोयल ने कहा कि इससे भारतीय वस्तुएं, सेवाएं, कृषि एवं मत्स्य उत्पाद और श्रम-प्रधान क्षेत्र नए बाजारों तक पहुंच सकेंगे और भारत वैश्विक मूल्य शृंखलाओं से बेहतर जुड़ पाएगा। मुंबई में आयोजित ईवाय इंटरपेन्योर आफ द ईयर अवार्ड के 27वें संस्करण में संबो धित करते हुए बताया कि 'आत्मनिर्भर भारत' का अर्थ वैश्विक जुड़ाव के साथ मजबूत और भरोसेमंद आपूर्ति शृंखलाएं तैयार करना है। उन्होंने उद्योगपतियों और उद्यमियों से अपील की कि वे वैश्विक अवसरों को एमएसएमई, किसानों, निर्यातकों और मछुआरों तक पहुंचाएं। गोयल ने कहा कि भारत की युवा शक्ति और कुशल मानव संसाधन देश की विकास गाथा के केंद्र में हैं। उन्होंने स्टार्टअप संस्थापकों और उद्योग नेताओं से बातचीत का जिक्र करते हुए कहा कि जुनून, नवाचार और प्रतिभा भारत की सबसे बड़ी प्रतिस्पर्धी ताकत हैं।

एआई पर उठ रही चिंताओं के संदर्भ में उन्होंने स्पष्ट किया कि एआई नौकरियां खत्म नहीं करेगा बल्कि बदल देगा। भारत हर साल लगभग 23 लाख एसटीईएम स्नातक तैयार करता है, जिससे युवाओं का बड़ा और अनुकूलनशील प्रतिभा भंडार तैयार है।

गोयल ने कहा कि एआई भारतीय व्यवसायों के लिए नए अवसर, मूल्यवर्धित काम, मजबूत निर्यात और वैश्विक एकीकरण लाएगा। इसके साथ ही साइबर सुरक्षा, डेटा संरक्षण और सिस्टम गवर्नेंस जैसे क्षेत्रों में कुशल पेशेवरों की मांग बढ़ेगी। कार्यक्रम में उन्होंने देशभर के प्रमुख उद्यमियों और स्टार्टअप संस्थापकों को पुरस्कार वितरित किए और 'विकसित भारत' के लक्ष्य को साकार करने के लिए सहयोग की अपील की।

सरकारी खर्च से पावर सेक्टर में तेजी, निजी उद्योग अब भी सुस्त

- मजबूत ऑर्डर बुक और बढ़ते मार्जिन पर ब्रोकरेज का बड़ा दांव

नई दिल्ली ।

देश में पूंजीगत खर्च (कैपेक्स) की रफ्तार इस समय दो अलग तस्वीरें पेश कर रही है। एक ओर पावर ट्रांसमिशन से जुड़ी हाई वोल्टेज कंपनियां रिकॉर्ड प्रदर्शन कर रही हैं, वहीं गैर-विद्युत औद्योगिक कंपनियों की चाल अब भी धीमी बनी हुई है। एक रिपोर्ट के अनुसार ट्रांसमिशन और वितरण कंपनियों के नए ऑर्डर में सालाना आधार पर 33 प्रतिशत की वृद्धि हुई है, जबकि बिक्री 39 प्रतिशत बढ़ी है। इन कंपनियों का मुनाफा मार्जिन बढ़कर 20.3 प्रतिशत पर पहुंच गया है, जो पिछले वर्ष से 5.4 प्रतिशत अधिक है। सरकार ने 2022 से 2032 के बीच ट्रांसमिशन क्षेत्र में 9.15 लाख करोड़ रुपये निवेश की योजना बनाई है।

इसके तहत 8 से 10 बड़े हाई वोल्टेज ट्रांसमिशन कॉरिडोर विकसित किए जाएंगे। तीन कॉरिडोर के लिए उपकरणों का काम पहले ही तय हो चुका है। अनुमान है कि 2027 से नए ऑर्डर में और तेजी आएगी तथा 2030 तक मांग मजबूत बनी रह सकती है। वित्त वर्ष 2027 के बजट में 12.2 लाख करोड़ रुपये के पूंजीगत खर्च का प्रावधान किया गया है, जो पहले के अनुमान से 12 प्रतिशत अधिक है। भारतीय रिजर्व बैंक के अनुसार फैक्ट्रियों की क्षमता उपयोग दर 77.7 प्रतिशत तक पहुंच गई है, जो निजी निवेश के लिए सकारात्मक संकेत माना जाता है। हालांकि गैर-बिजली औद्योगिक कंपनियों की बिक्री में सिर्फ 9 प्रतिशत की वृद्धि हुई है और उनका मुनाफा मार्जिन घटकर 11.7 प्रतिशत रह गया है। नए ऑर्डर में 26 प्रतिशत की बढ़त जरूर दर्ज की गई है, जो धातु, तेल-गैस, डेटा सेंटर, इलेक्ट्रिक वाहन और सेमीकंडक्टर जैसे क्षेत्रों से आई है। इसके बावजूद पारंपरिक औद्योगिक निवेश में व्यापक तेजी अभी बाकी है।

वित्त वर्ष 2027 की पहली तिमाही में आएगी टाटा सिएरा ईवी

नई दिल्ली।

फ्यूचरिस्टिक एसयूवी टाटा सिएरा ईवी वित्त वर्ष 2027 की पहली तिमाही में बाजार में आएगी। इससे पहले टाटा केवल इतना संकेत देती रही थी कि सिएरा ईवी अगले साल कभी भी लॉन्च हो सकती है, लेकिन अब पहली बार इसकी लॉन्चिंग को लेकर स्पष्ट समयरेखा सामने आ गई है। फिलहाल कंपनी ने सिएरा ईवी के आधिकारिक स्पेसिफिकेशन्स को गोपनीय रखा है और सिर्फ कुछ स्पाई शॉट्स ही सार्वजनिक हुए हैं। ऑटो सेक्टर की रिपोर्टों के अनुसार इसका प्लेटफॉर्म, पावरट्रेन और कई तकनीकी तत्व कर्व ईवी के साथ साझा किए जा सकते हैं, हालांकि फीचर्स, स्पेस और प्रीमियम अपील के मामले में सिएरा को कर्व ईवी से ऊपर पोजिशन किया जाएगा। इंडस्ट्री विशेषज्ञ मान रहे हैं कि नई पंच ईवी की एडवांस्ड बैटरी टेक्नोलॉजी को देखते हुए, सिएरा ईवी में भी बड़ा बैटरी पैक और बेहतर रियल-वर्ल्ड रेंज मिलने की पूरी संभावना है, जिससे यह मिड-साइज इलेक्ट्रिक एसयूवी सेगमेंट में मजबूत दावेदार बन सकती है। सिएरा ईवी भारत में टाटा की सातवीं इलेक्ट्रिक कार होगी, जिससे कंपनी का ईवी पोर्टफोलियो और अधिक व्यापक हो जाएगा। टाटा पहले ही देश में सबसे बड़े इलेक्ट्रिक वाहन निर्माताओं में शामिल है, और सिएरा ईवी उसके इलेक्ट्रिक बदलाव को नई दिशा दे सकती है।

इंटीरियर की बात करें तो इसमें ट्रिपल-स्क्रीन सेटअप मिलने की उम्मीद है, जिसमें डिजिटल इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर, बड़ा इंफोटेनमेंट डिस्प्ले और पैसेंजर के लिए अलग स्क्रीन शामिल होगी। बेस मॉडल से ही इसे फीचर-रिच बनाने की योजना है। उच्च वेरिएंट्स में लेवल-2 अडास, कनेक्टेड कार फीचर्स, ड्यूल-जोन क्लाइमेट कंट्रोल, पावर्ड सीट्स, एम्बिएंट लाइटिंग और प्रीमियम ऑडियो सिस्टम जैसे एडवांस फीचर्स मिलने की उम्मीद है। पैनोरमिक ग्लास रूफ और उच्च गुणवत्ता वाले इंटीरियर मटीरियल इसे और प्रीमियम बनाएंगे। एक्सटीरियर में भी ईवी-स्पेसिफिक अपग्रेड देखने को मिलेंगे, जैसे क्लोज्ड फ्रंट डिज़ाइन, फुल-विड्थ एलईडी डीआरएल, स्प्लिट हेडलैंप, स्क्वायर्ड व्हील आर्च और कनेक्टेड एलईडी टेललैंप्स।

मारुति सुजुकी जिम्नी के एक्सपोर्ट में 307 प्रतिशत की ग्रोथ दर्ज

नई दिल्ली ।

अंतरराष्ट्रीय बाजारों में मारुति सुजुकी जिम्नी ऑफ-रोड एसयूवी ने अपनी पहचान मजबूती से स्थापित कर ली है। मारुति सुजुकी ने जिम्नी के एक्सपोर्ट में 307 प्रतिशत की ऐतिहासिक बढ़ोतरी दर्ज की है, जिससे यह मॉडल एक बार फिर वैश्विक चर्चा का केंद्र बन गया है। ताज़ा रिपोर्ट के अनुसार, जहां पिछले साल केवल 1,958 यूनिट्स निर्यात किए गए थे, वहीं इस साल यह आंकड़ा बढ़कर 7,970 यूनिट्स तक पहुंच गया है, जो किसी भी मॉडल के लिए बेहद बड़ी उपलब्धि मानी जाती है। जिम्नी की अंतरराष्ट्रीय सफलता के पीछे इसकी अनोखी खूबियां हैं। कॉम्पैक्ट लेकिन दमदार डिजाइन, 4गुणा4 ऑफ-रोड क्षमता, हल्की बॉडी और भरोसेमंद परफॉर्मेंस इसे एडवेंचर पसंद करने वालों की पहली पसंद बनाते हैं। कई देशों में कॉम्पैक्ट और हार्डकोर ऑफ-रोड एसयूवी की मांग लगातार बढ़ रही है, और जिम्नी इस कमी को पूरी तरह पूरा कर रही है। मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड भारत में जिम्नी का निर्माण कर उसे लैटिन अमेरिका, अफ्रीका और अन्य वैश्विक बाजारों में निर्यात कर रही है।

इससे भारत सुजुकी के लिए एक बड़े मैन्युफैक्चरिंग और एक्सपोर्ट हब के रूप में उभरा है, जहां तैयार होने वाले मॉडल विदेशी ग्राहकों की जरूरतों को पूरा कर रहे हैं। हालांकि, घरेलू बाजार में जिम्नी की बिक्री उतनी मजबूत नहीं है। भारत में एसयूवी सेगमेंट में कड़ी प्रतिस्पर्धा है, जहां ग्राहक अधिक फीचर्स, ज्यादा स्पेस और बेहतर वैल्यू की उम्मीद करते हैं। जिम्नी की ऑफ-रोड क्षमता उसकी सबसे बड़ी ताकत है, लेकिन रोजमर्रा की शहरी जरूरतों के हिसाब से कई खरीदार अन्य विकल्पों की ओर रुख कर लेते हैं। इसके बावजूद, एक्सपोर्ट में 307 प्रतिशत की छलांग यह साफ संकेत देती है कि जिम्नी का ग्लोबल क्रेज अभी भी बरकरार है।

भारत में पर्यटन उद्योग में तेजी, भविष्य में बनेगा वैश्विक खिलाड़ी

हर साल हो रही हैं 303 करोड़ घरेलू यात्राएं, पर्यटकों के लिए कम पड़ रहे हैं होटल

नई दिल्ली । भारत में पर्यटन तेजी से बढ़ रहा है और यह अब केवल सेक्टर नहीं, बल्कि पूरी इंडस्ट्री बन चुकी है। विदेशी और घरेलू दोनों तरह के पर्यटन में वृद्धि हो रही है, जिससे होटलों की मांग बढ़ रही है और उनकी कीमतें भी महंगी होती जा रही हैं। वर्तमान में पर्यटन उद्योग का भारत के जीडीपी में योगदान 5 फीसदी है, जबकि 2047 तक यह 10 फीसदी तक पहुंचने का अनुमान है। इसी अवधि में केवल पर्यटन इंडस्ट्री में 200 मिलियन रोजगार मिलने की संभावना है। दिल्ली के द्वारका में आयोजित एसएटीटीई 2026 (साउथ ऐ शिया ट्रेवल एंड टूरिज्म एक्सचेंज) में 60 से अधिक देशों के 2000 से अधिक प्रदर्शक और 3200 से अधिक ब्रांड हिस्सा ले रहे हैं। इस साल की थीम थी एन ओव्र्व्यु निटी काल इंडिया आयोजन में अजीत बजाज, अध्यक्ष, एडवेंचर टूर ऑपरेटर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया और पद्मश्री पुरस्कार विजेता ने पर्यटन के तेजी से बढ़ते क्षेत्र की जानकारी दी। केंद्रीय पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने कहा कि भारत आने वाले समय में वैश्विक पर्यटन का सबसे बड़ा खिलाड़ी बनेगा। इन्फॉर्मा मार्केट्स इन इंडिया के एक अधिकारी के अनुसार भारत का पर्यटन क्षेत्र 'ट्रिपल इंजन ग्रोथ' पर बढ़ रहा है- घरेलू, आउटबाउंड और इनबाउंड। हर साल देश में 303 करोड़ से अधिक घरेलू यात्राएं हो रही हैं, और भारतीयों का विदेश यात्रा खर्च 42 अरब डॉलर तक पहुँचने का अनुमान है। अनुभव आधारित, आध्यात्मिक और क्षेत्रीय पर्यटन के कारण टियर-2 और टियर-3 शहरों में पर्यटन तेजी से बढ़ रहा है। बताया जा रहा है कि भारत का पर्यटन केवल आंकड़ों में नहीं, बल्कि लोगों में निहित है। यात्रियों को आज अनुभव और जुड़ाव चाहिए और भारत इसे सबसे बेहतर रूप में प्रदान करता है। 2027 तक भारत का ट्रैवल और टूरिज्म सेक्टर 125 अरब डॉलर के घरेलू बाजार की ओर बढ़ रहा है।

रुपया बढ़त पर बंद

मुंबई ।

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले गुरुवार को भारतीय रुपया शुरुआती कारोबार में दो पैसे की बढ़त के साथ ही 90.91 पर बंद हुआ। आज सुबह रुपया छह पैसे की बढ़त के साथ अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 90.85 पर खुला। डॉलर के कमजोर रुख और विदेशी निवेशकों के निवेश में वृद्धि से घरेलू मुद्रा को बल मिला। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि घरेलू शेयर बाजारों में सत्र की सकारात्मक शुरुआत ने स्थानीय मुद्रा को और मजबूती प्रदान की जबकि वैश्विक कच्चे तेल की कीमतों में वृद्धि तथा भू-राजनीतिक अनिश्चितताओं ने रुपये की तेज बढ़त को सीमित कर दिया। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया, डॉलर के मुकाबले 90.86 पर खुला। फिर 90.85 प्रति डॉलर पर पहुंच गया जो पिछले बंद भाव से छह पैसे की बढ़त दर्शाता है। रुपया बुधवार को सीमित दायरे में कारोबार करते हुए चार पैसे की बढ़त के साथ अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 90.91 पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.13 प्रतिशत की गिरावट के साथ 97.57 पर रहा।

डाकघर की मंथली इनकम स्कीमः सुरक्षित निवेश और नियमित आमदनी का भरोसेमंद जरिया

नई दिल्ली । भारतीय डाकघर द्वारा संचालित मंथली इनकम स्कीम (एमआईएस) एक ऐसा निवेश विकल्प है जिसमें आपका पैसा पूरी तरह सुरक्षित रहता है। यह योजना केंद्र सरकार की गारंटी के साथ आती है, इसलिए निवेशकों को जोखिम की चिंता नहीं रहती। इस योजना की सबसे बड़ी खासियत है कि आपको बार-बार पैसे जमा करने की आवश्यकता नहीं। एक बार राशि जमा करने के बाद आप अगले 5 सालों तक मासिक आमदनी का लाभ ले सकते हैं। वर्तमान में पोस्ट ऑफिस इस योजना पर 7.4 प्रतिशत वार्षिक ब्याज दर ऑफर कर रहा है। एमआईएस खाते को आप सिंगल या जॉइंट अकाउंट के रूप में खोल सकते हैं। सिंगल अकाउंट में न्यूनतम 1000 रुपये, अधिकतम 9 लाख रुपये। जॉइंट अकाउंट में अधिकतम 15 लाख रुपये, जिसमें 3 सदस्य शामिल हो सकते हैं। उदाहरण के लिए, यदि आप और आपकी पत्नी मिलकर 15 लाख रुपये का निवेश करते हैं, तो मासिक ब्याज 9250 रुपये सीधे आपके बचत खाते में ट्रांसफर होगा।

लाभ और सुविधा

- मासिक आमदनी- ब्याज सीधे बैंक खाते में जाता है।
- 5 साल की अवधि- मैच्योरिटी पर मूल निवेश राशि वापस मिलती है।
- सरल प्रक्रिया- खाता खोलने और ब्याज प्राप्त करने के लिए पोस्ट ऑफिस में सेविंग्स अकाउंट होना अनिवार्य है।

भारतीय रेलवे 1 मार्च से बंद कर रहा यूटीएस ऐप, रेलवन ऐप बनेगा नया विकल्प

- बदल जाएगा ऑनलाइन अनारक्षित टिकट बुक करने का तरीका

नई दिल्ली । भारतीय रेलवे ने घोषणा की है कि यूटीएस ऐप (अनरिजर्वड टिकटिंग सिस्टम) को 1 मार्च से बंद कर दिया जाएगा। वर्तमान में यह ऐप यात्रियों को अनारक्षित टिकट, प्लेटफॉर्म पास और सीजन टिकट बुक करने की सुविधा देता है। यूटीएस ऐप बंद होने के बाद यात्री इन सेवाओं के लिए इसे इस्तेमाल नहीं कर पाएंगे। रेलवे ने इसके स्थान पर रेलवन ऐप लॉन्च किया है। यह ऐप यात्रियों को अनारक्षित और रिजर्वेशन टिकट, प्लेटफॉर्म पास, सीजन टिकट और अन्य रेलवे सेवाओं का उपयोग एक ही प्लेटफॉर्म से करने की सुविधा देता है। रेलवन ऐप का इंटरफ़ेस सरल और यूज़र फ्रेंडली है, जिससे नए और मौजूदा दोनों तरह के यात्री इसका लाभ उठा सकते हैं। यात्रियों को नया अकाउंट बनाने की आवश्यकता नहीं है। यूटीएस और आईआरसीटीसी लॉगिन की मदद से सीधे साइनअप किया जा सकता है। ऐप दोनों एंड्रॉइड और आईओएस प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध है और इसे निशुल्क डाउनलोड किया जा सकता है। भारतीय रेलवे यात्रियों को कैशलेस यात्रा के लिए प्रोत्साहित करने के लिए रेलवन ऐप से बुक किए गए अनारक्षित टिकटों पर 3 फीसदी की छूट दे रहा है। यह ऑफ़र 14 जनवरी से 14 जुलाई तक मान्य है। यात्री यूपीआई, डेबिट/क्रेडिट कार्ड, नेट बैंकिंग और डिजिटल वॉलेट के जरिए इसका लाभ ले सकते हैं।

भारतीय शेयर बाजार में मिला-जुला कारोबार

मुंबई ।

भारतीय शेयर बाजार में गुरुवार को मिला-जुला कारोबार हुआ। वैश्विक बाजारों से मिले सकारात्मक संकेतों के बाद भी मुनाफावसूली हावी होने के कारण दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 27.46 अंक टूटकर 82,248.61 और 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 14 .05 अंक की हल्की बढ़त के साथ 25,496.55 पर बंद हुआ। आज कारोबार के दौरान डिफेंस और हेल्थकेयर शेयरों से बाजार को सहारा मिला। निफ्टी इंडिया डिफेंस 1.48 फीसदी और निफ्टी हेल्थकेयर 1.24 फीसदी बढ़कर की तेजी के साथ बंद हुआ। इसके अलावा, निफ्टी फार्मा 1.08 फीसदी, निफ्टी पीएसयू बैंक 0.95 फीसदी, निफ्टी ऑयलएंडगैस 0.87 फीसदी, निफ्टी ऑटो 0.80 फीसदी, निफ्टी इंडिया मैन्युफैक्चरिंग 0.78 फीसदी, निफ्टी मेटल 0.39 फीसदी और निफ्टी इन्फ्रा 0.32 फीसदी की तेजी के साथ बंद हुआ।

निफ्टी मीडिया 0.68 फीसदी, निफ्टी एफएमसीजी 0.16 फीसदी, निफ्टी फाइनेंशियल सर्विसेज 0.11 फीसदी और निफ्टी सर्विसेज 0.06 फीसदी की कमजोरी के साथ बंद हुआ।

आज लार्जकैप के साथ ही मिडकैप और स्मॉलकैप में भी मिला-जुला कारोबार हुआ। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 392.05 अंक की तेजी के साथ 59,798.15 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स एक अंक की हल्की कमजोरी के साथ 17,117.65 पर था।

सेंसेक्स पैक के शेयरों में बीईएल, अदाणी पोर्ट्स, सनफार्मा, मारुति सुजुकी, भारती एयरटेल, एसबीआई, टीसीएस, टाटा स्टील, आईसीआईसीआई बैंक, एचयूएल, टाइटन और टेक महिंद्रा के शेयर लाभ में रहे।

ट्रेंट, पावरग्रिड, एचडीएफसी बैंक, एशियन पेंट्स, अल्ट्राटेक सीमेंट, एनटीपीसी, बजाज फाइनेंस, एक्सिस बैंक, आईटीसी, बजाज फिनसर्व, टीएंडटी, एचसीएल टेक और एमएंडएम के शेयर नुकसान में रहे।

वहीं इससे पहले आज सुबह बाजार बढ़त के साथ खुले। सुबह बीएसई सेंसेक्स 82,418 के स्तर पर खुला। वहीं इसी तरह निफ्टी 50 ने भी 25,556 के स्तर पर शुरुआत की। शुरुआती मिनटों में यह 30.15 अंक की बढ़त लेकर 25,512.65 पर कारोबार करता दिखाई दिया।

बाजार विशेषज्ञों का कहना है कि सकारात्मक वैश्विक संकेतों के बावजूद निवेशक फिलहाल सावधानी बरत रहे हैं। बीच-बीच में मुनाफावसूली भी देखी जा रही है, जिससे बढ़त सीमित बनी हुई है।

नीलामी में उपलब्ध 11,790 मेगाहर्ट्ज दूरसंचार स्पेक्ट्रम का मूल्य 2.1 लाख करोड़

नई दिल्ली। भारतीय दूरसंचार नियामक प्राधिकरण (ट्राई) ने 11,790 मेगाहर्ट्ज रेडियो तरंगों के स्पेक्ट्रम की नीलामी की सिफारिश की है। सूत्रों के अनुसार, यदि संपूर्ण स्पेक्ट्रम आवंटित किया जाता है, तो इसका कुल आधार या आरक्षित मूल्य लगभग 2.1 लाख करोड़ रुपये होगा। यह मूल्य 2022 में अनुशंसित कीमतों की तुलना में 19 प्रतिशत कम है। ट्राई ने नीलामी की सिफारिश नई कंपनियों के प्रवेश को आसान बनाने और दूरसंचार क्षेत्र में प्रतिस्पर्धा बनाए रखने के लिए की है। इससे बाजार में संतुलन बनेगा और छोटे या नए खिलाड़ियों के लिए अवसर बढ़ेंगे। नियमों में यह भी प्रस्तावित किया गया है कि हर कंपनी अधिकतम 35 प्रतिशत स्पेक्ट्रम रख सकती है। इस सीमा का उद्देश्य किसी एक कंपनी के पास अत्यधिक स्पेक्ट्रम होने से रोकना और प्रतिस्पर्धी वातावरण बनाए रखना है।

सेडेमैक मेकाट्रॉनिक्स का 1,087 करोड़ का आईपीओ 4 मार्च को खुलेगा

- आईपीओ का मूल्य दायरा 1287-1352 रुपये प्रति शेयर

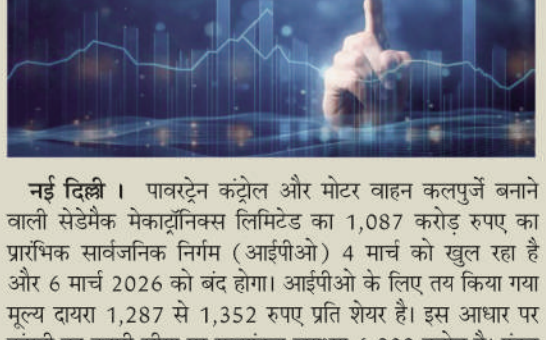

नई दिल्ली । पावरट्रेन कंट्रोल और मोटर वाहन कलपुर्जे बनाने वाली सेडेमैक मेकाट्रॉनिक्स लिमिटेड का 1,087 करोड़ रुपए का प्रारंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) 4 मार्च को खुल रहा है और 6 मार्च 2026 को बंद होगा। आईपीओ के लिए तय किया गया मूल्य दायरा 1,287 से 1,352 रुपए प्रति शेयर है। इस आधार पर कंपनी का ऊपरी सीमा पर मूल्यांकन लगभग 6,000 करोड़ है। एंकर निवेशक 2 मार्च से बोली लगा पाएंगे। आईपीओ में कोई नया निर्गम नहीं है। यह पूरी तरह ओएफएस पर आधारित है। सेडेमैक मेकाट्रॉनिक्स दोपहिया और तिपहिया आंतरिक दहन इंजन वाहनों के लिए सेंसर-लेस कम्यूटेशन आधारित 'इंटीग्रेटेड स्टार्टर जनरेटर ईसीयू' का विकास, डिजाइन और निर्माण करती है। इसके प्रमुख ग्राहक टीवीएस मोटर कंपनी, बजाज ऑटो, किर्लोस्कर ऑयल इंजन्स, ब्रिग्स एंड स्ट्रैटन एलएलसी और डीईआईएफ इंडिया हैं। कंपनी का शेयर 11 मार्च को बाजार में सूचीबद्ध हो सकता है। निवेशक इस अवसर के माध्यम से मौजूदा शेयरधारकों से शेयर खरीद सकेंगे।

अमेरिकी अर्थव्यवस्था में वृद्धि, बेरोजगारी में कमी की उम्मीदः आईएमएफ रिपोर्ट

- बेरोजगारी दर 2025 में 4.5 से घटकर 2026 में 4.1 प्रतिशत रहने की संभावना

वॉशिंगटन ।

अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने अमेरिकी अर्थव्यवस्था का 2026 तक का आकलन पेश किया है। रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिका का सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) 2026 की चौथी तिमाही में सालाना आधार पर 2.4 प्रतिशत बढ़ सकता है, जो 2025 के 2.2 प्रतिशत से अधिक है। आईएमएफ ने अर्थव्यवस्था की वृद्धि को मोटे तौर पर सकारात्मक बताया है। रिपोर्ट के मुताबिक, बेरोजगारी दर 2025 के अंत में 4.5 प्रतिशत से घटकर 2026 में 4.1 प्रतिशत रह सकती है। आईएमएफ ने कहा कि रोजगार बाजार में अत्यधिक गिरावट न आए तो फेडरल रिजर्व को ब्याज दर में और कटौती से बचना चाहिए। महंगाई दर 2027 तक अमेरिकी केंद्रीय बैंक के 2 प्रतिशत के लक्ष्य तक आ सकती है। फेडरल रिजर्व की मौजूदा रेपो दर 3.6 प्रतिशत है, जिसे घटाकर लगभग 3.4 प्रतिशत किया जा सकता है। 2025 में नीतिगत ब्याज दर में तीन बार कटौती की गई थी। आईएमएफ ने अमेरिकी संघीय सरकार के बढ़ते कर्ज पर चिंता जताई है। रिपोर्ट में कहा गया है कि सार्वजनिक कर्ज जीडीपी के अनुपात में 2025 के लगभग 100 प्रतिशत से बढ़कर 2031 तक 110 प्रतिशत तक पहुंच सकता है। यह आर्थिक स्थिरता के लिए जोखिम पैदा कर सकता है। रिपोर्ट में यह भी कहा गया कि यदि पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा लगाए गए आयात शुल्क नहीं होते, तो

अमेरिकी अर्थव्यवस्था बेहतर प्रदर्शन कर सकती थी। संरक्षणवादी नीतियां अपेक्षा से अधिक नकारात्मक असर डाल सकती हैं। हालांकि, अमेरिका को मजबूत उत्पादकता वृद्धि का लाभ मिला है। आईएमएफ के अनुसार, अमेरिका की अर्थव्यवस्था 2026 में बढ़ेगी, बेरोजगारी घटेगी और महंगाई नियंत्रित रहेगी, लेकिन बढ़ता सरकारी कर्ज और संरक्षणवादी नीतियां आर्थिक स्थिरता के लिए जोखिम बन सकती हैं।

आरबीआई 25,000 करोड़ के बॉन्ड की दो मार्च को करेगा अदला-बदली नीलामी

मुंबई ।

भारतीय रिज़र्व बैंक (आरबीआई) ने दो मार्च को 25,000 करोड़ रुपये के सरकारी बॉन्ड की अदला-बदली नीलामी करने की घोषणा की। अदला-बदली नीलामी के तहत सरकार जल्द परिपक्व होने वाले बॉन्ड को लंबी अवधि वाले नए बॉन्ड में बदलती है। इससे एक ही वित्तीय वर्ष में बड़ी रकम चुकाने का दबाव कम होता है और भुगतान की समय-सीमा आगे बढ़ती है। आरबीआई के अनुसार नीलामी सुबह 10:30 बजे से 11:30 बजे तक होगी। नतीजे उसी दिन जारी किए जाएंगे और लेन-देन का निपटान 4 मार्च को किया जाएगा। आरबीआई के आंकड़ों के अनुसार वित्त वर्ष 2026-27 में कुल 5.47 लाख करोड़ रुपये के सरकारी बॉन्ड परिपक्व होने वाले हैं। इस कदम का उद्देश्य उस वर्ष संभावित भुगतान दबाव को कम करना है और वित्तीय स्थिरता सुनिश्चित करना है। इससे पहले इस महीने दो स्विच नीलामियां हो चुकी हैं, जिनमें कुल 84,804 करोड़ रुपये के बॉन्ड का लेन-देन हुआ। विशेषज्ञों के अनुसार यह रणनीति सरकार को ऋण प्रबंधन में आसानी देती है और बाजार पर अचानक बोझ को कम करती है।

तेजस्वी यादव ने बताया कैसी स्थिति में हैं CM नीतीश कुमार? कहा- बिहार में राज कर रहे अपराधी

पटना (एजेंसी)। विधानसभा परिसर में पत्रकारों से बातचीत करते हुए नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने बढ़ते अपराध के मुद्दे पर एनडीए सरकार को घेरने की कोशिश की। उन्होंने कहा कि बिहार में कानून-व्यवस्था की स्थिति चिंताजनक है और सरकार को इसकी जिम्मेदारी लेनी चाहिए। लेकिन, सरकार जिम्मेदारी लेने के लिए तैयार नहीं। आम लोग दहशत में हैं। बिहार बजट सत्र के 17वें दिन विधानसभा परिसर में राष्ट्रीय जनता दल के कार्यकारी अध्यक्ष और नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव

ने फिर से नीतीश सरकार पर हमला बोला। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य में अपराधी बेलगाम हो चुके हैं, लेकिन न मुख्यमंत्री और न ही उपमुख्यमंत्री इसकी जिम्मेदारी लेने को तैयार हैं। तेजस्वी यादव ने कहा कि प्रदेश में प्रतिदिन हत्याएं हो रही हैं और सरकार का अपराधियों पर कोई इकबाल नहीं रह गया है। उन्होंने आरोप लगाया कि अपराधियों को सरकारी संरक्षण प्राप्त है और वे खुलेआम वारदातों को अंजाम दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश में आपराधिक घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं। कानून-व्यवस्था पूरी तरह ध्वस्त हो चुकी है। अपराधी इस सरकार में राज कर रहे हैं। आम जनता खुद को असुरक्षित महसूस कर रही है नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने कहा कि मुख्यमंत्री अब कमजोर स्थिति में हैं और उन्हें कुछ याद नहीं रहता। भाजपा वाले उनकी बात भी नहीं मानते हैं। उन्होंने कहा कि कहा कि आम जनता खुद को असुरक्षित महसूस कर रही है। केवल फरवरी माह में 35 से अधिक दुष्कर्म के मामले सामने आए हैं। उन्होंने सरकार को आईना देखने की नसीहत देते हुए कहा कि जो लोग अपराध पर बयान देते हैं, वे अपने शासनकाल में बढ़ती घटनाओं का जवाब दें। तेजस्वी ने दावा किया कि नीतीश कुमार ने पहले कभी गृह विभाग किसी और को नहीं सौंपा था, लेकिन अब उनसे गृह मंत्रालय ले लिया गया है। अमित शाह के सीमांचल दौरे पर क्या बोले? तेजस्वी यादव ने गृह मंत्री अमित शाह के सीमांचल दौरे पर भी हमला बोला। उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव को ध्यान में रखकर की जा रही राजनीतिक कवायद है। उन्होंने कहा कि घुसपैठ कोई वास्तविक मुद्दा नहीं है और इससे पहले भी झारखंड व बिहार विधानसभा चुनाव के दौरान इस मुद्दे को उठाया गया था।

पवन पर भड़कीं अक्षरा, कहा-वो 10 जगह मुंह मारता है:सड़ा नाम, क्या जिंदगी भर मेरे साथ चिपका रहेगा; खेसारी ने काजल के साथ गलत किया

पटना (एजेंसी)। भोजपुरी स्टार पवन सिंह की एक्स गर्लफ्रेंड अक्षरा सिंह ने बिना उनका नाम लिए उनपर जोरदार हमला किया है। अक्षरा सिंह ने पवन सिंह के साथ पुराने रिश्तों पर कहा, इस बात को जमाना बीत चुका है। मुझे भी अपना जीवन बसाना है। एक ही जगह उलझ कर नहीं रह सकती। वो दस जगह लड़कियों के साथ इधर-उधर घूम रहा है, उससे कोई सवाल नहीं पूछ रहा। उसका चरित्र सबके सामने है। मेरा एक अफेयर हो गया तो मैं गुनहगार हो गई।मुझे कोई चैन से जीने नहीं दे रहा। क्या सिर्फ इसलिए कि मैं लड़की हूं? क्या यह मेरा गुनाह है? पॉडकास्ट के दौरान जब अक्षरा सिंह से पूछा गया कि क्या अभी भी पवन सिंह के लिए उनके दिल में सॉफ्ट कॉर्नर है तो वे झिझकी नहीं, बल्कि उन्होंने दो टूक जवाब देकर ऐसा सोचने वालों की बोलती बंद कर दी। उन्होंने पूछा, ह्यवो हैं कौन?ह्व सवालों में उलझी अक्षरा ने कहा, 'अब लोग कहेंगे कि हर बार उसी का टॉपिक ले आती हैं। अरे मैं क्या करूं, मुझसे पूछा जाता है हर बार जैसे अभी आपने पूछा। कहीं और जाऊंगी तो फिर से यही सवाल किया जाएगा। हो गई बहुत पुरानी बात, एक टाइम पर एक पॉडकास्ट में मैंने सारी बातें कह दी थी। मैंने तभी ये कहा था कि मैं अब इस टॉपिक पर बार-बार बात नहीं करूंगी। वो मेरा अतीत था, इसे लेकर नहीं घूम सकती।' करीब 6 महीने पहले पवन सिंह का एक वीडियो वायरल हुआ था। जिसमें पवन सिंह हरियाणवी एक्ट्रेस की स्टेज पर कमर छुते दिखे थे। इसे लेकर काफी कॉन्ट्रवर्सी भी हुई थी। बाद में हरियाणवी एक्ट्रेस ने भोजपुरी फिल्मों में काम करने से तौबा कर लिया। इसे लेकर जब अक्षरा सिंह से सवाल किया गया तो उन्होंने कहा, उस दिन उस एक्ट्रेस की गलती थी। अगर कोई आपको छूता है, तो आपको तुरंत रिएक्शन देना चाहिए।

पटना सिटी में दो भाइयों पर फायरिंग, एक की मौत

पटना (एजेंसी)। पटना सिटी में बुधवार देर रात पैसे के लेनदेन को लेकर हुए विवाद के बाद दो भाइयों को गोली मार दी गई। आसपास मौजूद लोगों ने दोनों भाइयों को तुरंत पटना मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल (PMCH) पहुंचाया। पीएमसीएच में चिकित्सकों ने सोनू को मृत घोषित कर दिया। वहीं, गोलीबारी में घायल दूसरे भाई आकाश का इलाज जारी है। डॉक्टरों के अनुसार, उसकी स्थिति गंभीर है, लेकिन हालत स्थिर बनी हुई

है। पुलिस के मुताबिक, मुख्य आरोपी विकास कुमार ने पूछताछ में बताया कि उसका पैसा आलू-प्याज व्यापारी सोनू कुमार के पास बकाया था। यही पैसा मांगने गए थे, तब दोनों भाई उनके साथ मारपीट करने लगे। इस मारपीट से वह बेहद गुस्से में था और अपने कुछ साथियों को लेकर फिर से प्याज व्यापारियों के पास पहुंचा। उसने दोनों भाईयों पर गोली चला दी, जिसमें एक भाई की मौत हो गई, जबकि दूसरा भाई गंभीर रूप से घायल हो गया। घटनास्थल से मिले तीन खोखे, अभियुक्त की हुई पहचान घटना की सूचना मिलते ही सुलतानगंज थाना पुलिस मौके पर पहुंची और इलाके की घेराबंदी की। पुलिस ने घटनास्थल से तीन खोखे बरामद किए हैं, जिससे तीन राउंड फायरिंग का अनुमान है। सिटी एसपी पूर्वी परिचय कुमार ने बताया कि, ह्यफॉरेंसिक साइंस लैब (ऋरछ) की टीम को भी जांच के लिए बुलाया गया, जो घटनास्थल से साक्ष्य जुटा रही है। सीसीटीवी फुटेज खंगालने के बाद घटना में शामिल अभियुक्त की पहचान विकास कुमार के रूप में की गई है।' इसके बाद पुलिस ने छापेमारी कर उसे गिरफ्तार कर लिया है। कबाड़ी का काम करता है आरोपी थाना प्रभारी ने बताया कि, ह्यप्रारंभिक जांच में सामने आया है कि आरोपी कबाड़ी का काम करता है और इसी इलाके का निवासी है। बकाया पैसा के लेनदेन को लेकर विवाद इतनी बढ़ गई कि गोलीबारी कर दी गई।ह्व इस घटना के बाद मुसल्लहपुर हाट के व्यापारियों और स्थानीय लोगों में चिंता है। उनका कहना है कि इलाके में पहले भी छोटे-मोटे विवाद होते रहे हैं, लेकिन फायरिंग की इस घटना ने सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

तेजस्वी के MLC ने विधान मंडल परिसर में शराब की डिलीवरी का किया दावा, पहुंचाने वाले कौन हैं? यह भी

पटना (एजेंसी)। पटना पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी के भाई और राजद एमएलसी सुनील सिंह ने बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि पैसा देकर आसानी से बिहार में कहीं भी आसानी से शराब की डिलीवरी हो सकती है। उन्होंने दावा कि बजट सत्र के आखिरी दिन वह विधान मंडल परिसर में शराब मंगवाकर दिखाकर देंगे। बिहार में शराबबंदी पर शुरू हुई सियासत थमने का नाम नहीं ले रहा है। विपक्ष सरकार को घेरने में कोई कमी नहीं छोड़ रहा है। आज विधान परिषद् सदस्य और राष्ट्रीय जनता दल के वरिष्ठ नेता सुनील सिंह ने नीतीश सरकार पर जमकर हमला बोला। उन्होंने कहा कि बिहार में कोई भी ऐसी योजना नहीं चल रही है, जिसमें भ्रष्टाचार नहीं है। नल जल योजना, आवास योजना समेत सभी में भ्रष्टाचार व्यापत है। उन्होंने शराबबंदी को फेल बताते हुए कहा कि 2016 से पहले जितनी शराब बिहार में आती थी, उससे कई

गुना ज्यादा शराब बंदी के बाद आ रही है। यूपी, झारखंड और बंगाल से आराम से शराब आ रही है और अवैध रूप से बेची जा रही है। युवा पीढ़ी बर्बाद हो गई। ऐसी कोई जगह नहीं पैसा देकर शराब की डिलीवरी नहीं हो जाए एमएलसी सुनील ने कहा कि कम उम्र के युवा सूखे नशे का शिकार हो गए हैं। सीएम नीतीश कुमार राजा राम मोहन राय बनना चाहते थे लेकिन वह नहीं बन पाएं। वह शराबबंदी लागू करवा नहीं पाएं। उन्होंने कहा कि 27 फरवरी को मैं इसी सदन के प्रागंण में शराब की लाइव डिलीवरी करवा दूंगा। उन्होंने पत्रकारों से कहा कि आप लोग कैमरा लेकर आइएगा मैं लाइव दिखा दूंगा। उन्होंन कहा कि केवल यहां ही नहीं अणे मार्ग में भी शराब की आसानी से डिलीवरी हो जाएगी। उन्होंने दावा किया कि कोई ऐसी जगह नहीं है जहां पर पैसा देकर शराब की डिलीवरी नहीं हो जाए। जहां पर बड़े बड़े मंत्री और नेताओं का रहना होता है, वहां पर शराब की अवैध डिलीवरी होती है। स्कूल और कॉलेज के लड़के साइकिल और स्कूटर से डिलीवरी करते हैं। सरकार इसे रोक नहीं पा रही है। राजद एमएलसी पर एनडीए के विधायक ने किया पलटवार राजद एमएलसी सुनील सिंह पर पलटवार करते हुए राष्ट्रीय लोक मोर्चा के विधायक दल के नेता और विधायक माधव आनंद ने कहा कि राजद वाले सुबह में कुछ और शाम में कुछ और बोलते हैं। वह लोग बेतुका बयान देते हैं। उन्होंने पता नहीं है कि शराबबंदी एक सफलतम कानून है। उन्हें अगर क्षमता है तो वह शराब की डिलीवरी करवा दें। किसी की इतनी हिम्मत है कि विधान मंडल परिसर में कोई शराब मंगवा लेगा। वह बेतुका बयान देते हैं। सुर्खियों में बने रहने के लिए वह ऐसा करते हैं। शिक्षा की कमी है। थोड़ा पढ़कर लिखकर उन्हें आना चाहिए।

10 साल से रह रहा था बिहार का आरोपी, परिवार बोला- विवाद की जानकारी नहीं

पटना (एजेंसी)। दिल्ली के समयपुर बादली में पत्नी समेत अपनी तीन बेटियों की गला रेतकर हत्या करने का आरोपी मुनचुन केवट बाढ़ अनुमंडल के मोकिमपुर गांव का रहने वाला है। इस हत्याकांड के बाद गांव में शोक का माहौल है। दिल्ली के समयपुर बादली में पत्नी समेत अपनी तीन बेटियों की गला रेतकर हत्या करने का आरोपी मुनचुन केवट बाढ़ अनुमंडल के मोकिमपुर गांव का रहने वाला है। इस जघन्य हत्याकांड की खबर मिलते ही गांव में शोक का माहौल छा गया है। गांव स्थित घर पर उसके वृद्ध माता-पिता, रामबालक केवट और उनकी पत्नी रहते हैं। घटना की जानकारी मिलते ही मां गहरे सदमे में चली गई हैं और चुप्पी साधे हुए हैं। परिजनों के अनुसार मुनचुन साल-दो साल में एक बार माता-पिता का हालचाल लेने गांव आता था। पिछली बार वह अप्रैल महीने में पूरे परिवार के

साथ एक शादी समारोह में शामिल होने गांव आया था। मुनचुन के चार भाई हैं, जो अपने-अपने परिवार के साथ दिल्ली में रहते हैं और आजादपुर सब्जी मंडी में मजदूरी कर जीवनयापन करते हैं। आरोपी भी करीब 10 वर्षों से दिल्ली में रहकर काम कर रहा था। गांव में उसके माता-पिता खेती-बाड़ी का काम करते हैं। घटना की सूचना सुबह करीब छह बजे परिजनों को मिली। उन्होंने दिल्ली में रह रहे सभी भाइयों से संपर्क करने की कोशिश की, लेकिन कई नंबर स्विच ऑफ मिले। बताया जाता है कि मुनचुन का ससुराल बदरबाली गांव में है। हत्या की खबर मिलने के बाद ससुराल पक्ष के कुछ लोग मोकिमपुर गांव पहुंचे। इस दौरान दोनों पक्षों के बीच कहासुनी और तनाव की स्थिति उत्पन्न हो गई। ग्रामीणों के मुताबिक, ससुराल पक्ष के लोग मुनचुन के पिता और भाई को अपने साथ ले जाने लगे, जिससे गांव में भीड़ जुट गई। बाद में माहौल शांत कराया गया और मामला बाढ़ थाना तक पहुंचा। ग्रामीण दयानंद प्रसाद ने बताया कि चारों भाई अलग-अलग रहते हैं और अपने-अपने काम में लगे हैं। परिवार का कहना है कि पति-पत्नी के बीच किसी विवाद की जानकारी उन्हें नहीं थी। परिजन यह भी कह रहे हैं कि हत्या मुनचुन ने की है या किसी ने साजिश के तहत उसे फंसाया है, यह जांच का विषय है।

छात्र नेता बोला-10 लाख दे दिए फिर नहीं दी टिकट

पटना (एजेंसी)। पटना यूनिवर्सिटी में छात्रसंघ चुनाव हो रहे हैं। 28 फरवरी को मतदान है। इससे पहले छात्र संगठन अइश्ढ पर टिकट बेचने के आरोप लगे हैं। छात्र नेता अंचल कुमार ने आरोप लगाया है कि उससे टिकट के लिए 20 लाख रुपए मांगे गए थे। 10 लाख देने पर भी टिकट नहीं मिला। दूसरी ओर अइश्ढ प्रत्याशी अनुष्का पर चुनाव जीतने के लिए इमोशनल कार्ड खेलने के आरोप लगे हैं। अनुष्का ने रेप की धमकी दिए जाने की बात कही है। इस संबंध में पूछने पर अनुष्का ने कहा, ह्यजो लोग सिंपैथी लेने की बात कर रहे हैं उनके घर भी मां बहन हैं। वे भी जाकर ऐसा कर सिंपैथी ले सकते हैं। पटना यूनिवर्सिटी की छात्र राजनीति में लंबे समय से एक्टिव रहे अंचल कुमार ने ABVP (अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद) पर टिकट के लिए 20 लाख मांगने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा, ह्यमुझसे नॉमिनेशन कराया गया। टिकट के लिए 10 लाख रुपए दिए थे। 10 लाख बाकी था, इसलिए टिकट नहीं

दिया गया। के संगठन मंत्री शुक्ला जी (बिहार झारखंड क्षेत्र के संगठन मंत्री याज्ञवल्क शुक्ला) हैं। उन्होंने 10 लाख रुपए और देने की बात कही थी। पैसे नहीं देने पर मेरा टिकट कट गया। आधा पैसा नॉमिनेशन के बाद देने की बात तय हुई थी, लेकिन वो पहले ही पूरा पैसा मांगने लगे। उनकी उम्मीदवार (अनुष्का) सिर्फ इमोशनल ब्लैकमेल कर रही हैं। इनको कैंपस में भी कोई नहीं जानता। यूनिवर्सिटी का गेट तक नहीं पता था कि कहां पर नॉमिनेशन करना है। नॉमिनेशन वापस लेने के लिए दे रहे 10 लाख रुपए अंचल कुमार ने बताया, मैं पिछले 5 साल से कैंपस में रहकर छात्रों का मुद्दा उठा रहा हूं। विद्यार्थी परिषद में पिछले 5 साल से काम कर रहा हूं, लेकिन मेरे साथ ऐसा किया गया। ये लोग मेरे समर्थकों को बिना वजह जेल भेज रहे हैं। टिकट बेचने के आरोपों को लेकर हमने याज्ञवल्क शुक्ला से बात की। उन्होंने कहा, 'अंचल कुमार बताएं कि किस माध्यम से मुझे पैसे दिए। कहां और कब मिले। इतना बड़ा ट्रांजेक्शन है तो उन्होंने जरूर मुझसे बात की होगी। पहले तो यह बताएं कि इतना पैसा उनके पास कहां से आया?' अंचल का आरोप है कि आप दूसरे लोगों के जरिए संपर्क करते हैं। इसपर शुक्ला ने कहा, 'ये कौन लोग हैं ये भी उनको बताना पड़ेगा। इस पर मैं ज्यादा कुछ नहीं कहना चाहूंगा। ये बच्चों का चुनाव है। अपने-अपने हिसाब से सबको चुनाव लड़ना चाहिए।' अंचल की जगह अनुष्का को उम्मीदवार क्यों बनाया? इस सवाल पर उन्होंने कहा, 'हमारे एबीवीपी में हर निर्णय लेने के लिए एक टोली है। संचालन समिति में नाम आता है फिर कोर मेंबर उसका फीडबैक लेकर नाम तय करते हैं।' क्यों एबीवीपी ने दो कैंडिडेट्स से कराया नॉमिनेशन? छात्र संघ चुनाव के लिए 18 फरवरी नॉमिनेशन करने का आखिरी दिन था। इसी दिन अनुष्का और अंचल दोनों ने नॉमिनेशन किया। दोनों को एबीवीपी ने उम्मीदवार बनाकर नॉमिनेशन कराया था। एबीवीपी के अनुसार अंचल का नॉमिनेशन इनवैलिड होने का डर था, इसलिए अनुष्का से भी नामांकन कराया गया।

बिहार में शिव सर्किट विकसित करेगी नीतीश सरकार, सदन में मंत्री दिलीप जायसवाल ने की घोषणा

पटना (एजेंसी)। पटना बिहार सरकार ने बुधवार को विधानसभा में घोषणा की कि राज्य में धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए शिव सर्किट विकसित किया जाएगा। विधानसभा में भाजपा विधायक ने इस मुद्दे को उठाया था। इसका जवाब देते हुए सरकार की ओर से दिलीप जायसवाल ने यह जवाब दिए। बिहार सरकार ने राज्य में धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए शिव सर्किट विकसित करने की घोषणा की है। यह जानकारी बुधवार को विधानसभा में सड़क निर्माण मंत्री दिलीप कुमार जायसवाल ने

ध्यानाकर्षण प्रस्ताव के दौरान दी। दरअसल विधानसभा में बजट सत्र के 17वें भाजपा विधायकों ने भगवान शिव के प्रसिद्ध मंदिरों वाले शहरों तक बेहतर सड़क और कनेक्टिविटी की मांग उठाई थी। इस पर मंत्री ने कहा कि सरकार विधायकों की मांग को ध्यान में रखते हुए राज्य में शिव सर्किट विकसित करेगी। इसके तहत प्रमुख शिव मंदिरों वाले शहरों को बेहतर सड़कों और आधारभूत सुविधाओं से जोड़ा जाएगा। विभाग एक विस्तृत रूट प्लान तैयार करेगा उन्होंने कहा कि इससे धार्मिक पर्यटन को निश्चित रूप से बढ़ावा मिलेगा और स्थानीय अर्थव्यवस्था को भी मजबूती मिलेगी। दिलीप जायसवाल ने कहा कि मैं सदन के माध्यम से सभी विधायकों से अपील करता हूं कि अपने-अपने क्षेत्रों में स्थित प्रमुख शिव मंदिरों की विस्तृत सूची उपलब्ध कराने का आग्रह किया है। सूची प्राप्त होने के बाद विभाग एक विस्तृत रूट प्लान तैयार करेगा, जिसके तहत इन शहरों को आपस में जोड़ा जाएगा। बुद्धा सर्किट और रामायण सर्किट की तर्ज मंत्री ने बताया कि अंतिम रिपोर्ट तैयार होने के बाद इसे मंजूरी के लिए केंद्र सरकार को भेजा जाएगा। उन्होंने कहा कि यह पहल बुद्धा सर्किट और रामायण सर्किट की तर्ज पर विकसित की जाएगी। इसका उद्देश्य शिव मंदिरों से जुड़ी ऐतिहासिक और तेजस्वी यादव ने बताया कैसी स्थिति में हैं CM नीतीश कुमार? कहा- बिहार में राज कर रहे अपराधी भाजपा विधायक मिथिलेश तिवारी ने उठाया मुद्दा बता दें कि यह मुद्दा विधानसभा में भाजपा विधायक मिथिलेश तिवारी ने उठाया था। उन्होंने सदन में कहा कि प्रस्तावित सर्किट में उन जिलों को शामिल किया जाना चाहिए जहां प्रमुख शिव मंदिर स्थित हैं। उन्होंने उदाहरण के तौर पर राज्य के प्रमुख शिव मंदिरों तक पहुंचने में बेहतर कनेक्टिविटी हो।

संक्षिप्त डायरी

एकतरफा प्यार में फंदे से झूला मयंक राज:लड़की के इंकार करने से था परेशान

पटना (एजेंसी)। एक तरफा प्यार में पड़े चाणक्य लॉ यूनिवर्सिटी के छात्र मयंक राज ने आत्महत्या कर ली। मंगलवार को राजेंद्र बॉयज हॉस्टल के कमरे में झूलते देख कर्मियों ने पटना की एक निजी अस्पताल में लाया था, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। मयंक ने जून 2025 में दाखिला लिया था। वह LLM लास्ट ईयर का छात्र था। घटना की जानकारी मिलने के बाद परिवार रांची के खलारी से पटना आया। मृतक की मां मधु ने अपने बयान में कहा कि, मेरा बेटा सुसाइड नहीं कर सकता है। इसकी जांच होनी चाहिए। कमरे की तलाशी के दौरान एक लेटर मिला है, जिसमें मयंक में अपने प्रेम प्रसंग के बारे में लिखा है। मयंक ने लिखा है कि एक लड़की को वह चाहता था, लेकिन उसने इंकार कर दिया। अब इस बात से पुलिस को आशंका हो रही है कि मयंक राज तनाव में चल रहा था। जक्कनपुर थाने की पुलिस ने वऊकेस दर्ज कर लिया है। परिवार की ओर से लिखित तौर पर किसी के खिलाफ शिकायत दर्ज नहीं कराई गई है। मयंक राज के कमरे से आईपैड, आईफोन और पहचान से संबंधित डॉक्यूमेंट मिले हैं। पुलिस मयंक की CDR रिपोर्ट के जरिए यह जानने की कोशिश कर रही है कि आखरी बातचीत उसकी किसके साथ हुई थी और उसको क्या बताया था। किसी भी नतीजे तक पहुंचने से पहले पुलिस पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार कर रही है। इधर छानबीन भी शुरू है। यूनिवर्सिटी कैंपस में शोक यंक राज की मौत की खबर मिलने के बाद यूनिवर्सिटी कैंपस में शोक की लहर दौड़ गई। सारे कार्यक्रम स्थगित कर दिए गए। यहां तक की परीक्षाएं भी टाल दी गई। छात्रों और यूनिवर्सिटी के कर्मियों की ओर से श्रद्धांजलि भी अर्पित की

बिहार में सांप के जहर से गर्लफ्रेंड बॉयफ्रेंड का मर्डर:एक बूंद से मौत की गारंटी

पटना (एजेंसी)। गारंटी ले रहा हूं, एक बूंद में मौत हो जाएगी। आज तक जो भी ले गया काम हुआ है। मर्डर भी हो गया कोई फंसा भी नहीं है। केस का तो टेंशन ही नहीं लीजिए, पोस्टमॉर्टम में डॉक्टर भी नहीं पकड़ पाएगा। पुलिस की तो बात ही छोड़िए। कहीं भी कटा हो बस एक बूंद डालिए, फिर मौत की उल्टी गिनती शुरू। एक, दो नहीं सैकड़ों सांपों का जहर इस काम के लिए लोगों को दिया है, कहीं से शिकायत नहीं आई। यह साइलेंट मर्डर की खतरनाक डील है, जिसमें तस्कर मर्डर के लिए सांप का जहर दे रहे हैं। हमारी यह डील किसी मर्डर के लिए नहीं, बल्कि सांप का जहर बेचने वाले तस्करों को एक्सपोज करने के लिए है। क्योंकि हर साल बिहार में 10 हजार से ज्यादा मौत सांप के जहर से हुई हैं ,जो अन-रिपोर्टेड होती हैं, जबकि औसतन एक हजार मौत दर्ज होती है। भास्कर इन्वेस्टिगेशन में पढ़िए और देखिए बिहार में सांप के जहर से साइलेंट मर्डर का नया ट्रेंड..। मर्डर के इस नए ट्रेंड का इनपुट मिलने के बाद भास्कर रिपोर्टर बिहार के 5 अलग-अलग जिलों में सांप तस्करों से गर्लफ्रेंड, बीबी, बॉयफ्रेंड और पतियों के मर्डर के लिए जहर की डील की। तस्करों ने मौत के नए ट्रेंड के साथ इसकी सेफ साइड भी बताई। भास्कर की इन्वेस्टिगेशन टीम को नेपाल सीमा से सटे जिलों में सांप का जहर बेचने वाले तस्करों का इनपुट मिला। पश्चिमी चंपारण में बड़े नेटवर्क की सूचना मिली। कई दिनों तक सुराग लगाने के बाद जहर के बड़े धंधेबाज का पता चला। रिपोर्टर पश्चिमी चंपारण के कोटवा गांव पहुंचा तो तस्कर के बेटे तूफानी से मुलाकात हुई। तूफानी ने पिता के धंधे से जुड़े कई बड़े खुलासे किए। मेरे पापा सांप का जहर बेचते थे। अब वह इस दुनिया में नहीं हैं। सांप के जहर से ही उनकी मौत हो गई। पिता की मौत के बाद हम लोग यह काम छोड़ दिए। जहर निकालने के दौरान ही एक खतरनाक सांप ने उन्हें डंस लिया था। पापा जब थे, तो सांप के जहर का धंधा होता था। खतरनाक सांपों के जहर का ही काम होता था। आज भी काफी डिमांड है। लोग आते हैं, लेकिन हम लोग नहीं देते हैं। जहां यह काम होता है, वहीं लोगों को भेज दिया जाता है। तूफानी ने सांप के जहर के तस्करों से जुड़े कई खुलासे करते हुए बताया कि आप खैरपोखरा स्टेशन चले जाइए। वहां कई लोग जहर निकालते हैं। वहां आपका काम हो जाएगा। अगर वहां जहर नहीं मिलता है तो बगहा के कैलाशनगर चले जाइए। वहां तो खतरनाक से खतरनाक सांप का जहर मिल जाएगा।

राज्यपाल बोले-कृषि का विकास इस पर आधारित उद्योगों के विस्तार से ही संभव

पटना (एजेंसी)। राज्यपाल ने कहा कि जिस राष्ट्र की अर्थव्यवस्था कृषि पर आधारित हो, उसके समग्र विकास के लिए उद्योगों का सुदृढ़ होना अत्यंत आवश्यक है। कृषि का वास्तविक विकास कृषि आधारित उद्योगों के विस्तार से ही संभव है, जिससे रोजगार सृजन और आर्थिक प्रगति को नई दिशा मिलती है। उन्होंने कहा कि पूर्व में बिहार के उद्यमियों ने अनेक चुनौतियों का सामना किया, जिसका प्रभाव औद्योगिक वातावरण पर पड़ा। इसके बावजूद उद्यमियों ने धैर्य, साहस और प्रतिबद्धता के साथ कार्य करते हुए सफलता हासिल की। वर्तमान में राज्य में व्यापक परिवर्तन और विकास दिखाई दे रहा है और औद्योगिक माहौल पहले की तुलना में बेहतर हुआ है। उन्होंने उद्यमियों से आह्वान किया कि वे अपनी जिम्मेदारियों को पहचानें और समाज में रोल मॉडल के रूप में स्वयं को स्थापित करें, क्योंकि सफल व्यक्तियों का समाज पर व्यापक प्रभाव पड़ता है।छोटी सोच सुख और आनंद नहीं दे सकती : विभिन्नता में एकता की चर्चा करते हुए राज्यपाल ने कहा कि यह देश सदियों से विभिन्न जातियों, समाजों और संस्कृतियों का मिलन स्थल रहा है। कहावत है कि 12 कोस पर पानी और पांच कोस पर वाणी बदल जाती है। बावजूद अनेकता में एकता की मिसाल भारत जैसा कोई दूसरा देश नहीं है। उपनिषद की चर्चा करते हुए कहा कि छोटी सोच कभी भी इंसान को सुख और आनंद नहीं दे सकती। लोगों से दूसरों के लिए रोल मॉडल बनने की अपील भी की। एसोसिएशन के अध्यक्ष रामलाल खेतान ने कहा कि डॉ. राजेंद्र प्रसाद केवल बिहार नहीं, बल्कि पूरे राष्ट्र के गौरव थे। उनका सादा जीवन, उच्च विचार और राष्ट्रसेवा के प्रति समर्पण आज भी समाज के लिए प्रेरणादायी है। उद्यमियों और युवाओं के लिए उनका व्यक्तित्व एक मार्गदर्शक प्रकाश स्तंभ की तरह है। बिहार के औद्योगिक विकास को लेकर डॉ. राजेंद्र प्रसाद की सोच दूरदर्शी थी। वे कृषि और उद्योग के संतुलित विकास के पक्षधर थे और आत्मनिर्भर और सशक्त बिहार की परिकल्पना रखते थे।

तीन माह में निपटाएं भूमि विवाद के मामले, लंबित की परिभाषा स्पष्ट

पटना (एजेंसी)।राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग ने बिहार भूमि विवाद निराकरण अधिनियम, 2009 एवं नियमावली, 2010 के अंतर्गत लंबित मामलों की परिभाषा को स्पष्ट किया है। प्रधान सचिव सीके अनिल ने सभी प्रमंडलीय आयुक्तों, समाहताओं और उप समाहताओं को पत्र लिखकर तीन माह के अंदर भूमि विवाद के मामले को निपटाने का निर्देश दिया है। साथ ही निर्देश दिया है कि स्टे ऑर्डर वाले मामले ही लंबित माने जाएंगे। सक्षम प्राधिकार एवं अपीलीय प्राधिकार को मामलों का निष्पादन संक्षिप्त प्रक्रिया के तहत करना है। वहीं, उपमुख्यमंत्री सह राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग मंत्री विजय कुमार सिन्हा ने कहा कि भूमि विवादों का त्वरित और प्रभावी समाधान सामाजिक स्थिरता के लिए आवश्यक है। विभाग ने सभी समाहताओं को निर्देश दिया है कि राजस्व न्यायालयों में लंबित वादों का निर्धारित समय-सीमा के भीतर निष्पादन करें। विभाग के प्रधान सचिव ने आरसीएमएस या बिहार भूमि पोर्टल पर दायर मामलों की नियमित समीक्षा और प्रभावी पर्यवेक्षण करने को कहा है।

हाथ, कंधे और कोर मसल्स को मजबूत बनाने के लिए करें ये पावरफुल योगासन

आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में स्वस्थ रहने का आसान उपाय योगासन में छुपा है. योग न केवल शरीर बल्कि मन को भी संतुलित और स्वस्थ रखता है. इन्हीं में से एक है उत्थित पद्मासन, जिसका रोजाना थोड़ा अभ्यास भी कई स्वास्थ्य लाभ दे सकता है. भारत सरकार के आयुष मंत्रालय ने उत्थित पद्मासन के बारे में विस्तार से जानकारी दी है. मंत्रालय के अनुसार, योग अनुशासन और शारीरिक-मानसिक सामर्थ्य का श्रेष्ठ मार्ग है. उत्थित पद्मासन का नियमित अभ्यास शरीर का संतुलन बेहतर करता है, एकाग्रता बढ़ाता है और आंतरिक ऊर्जा को जागृत करता है.

क्या है उत्थित पद्मासन?

यह आसन पद्मासन की स्थिति में हाथों के बल पूरे शरीर को जमीन से ऊपर उठाने वाली एक शक्तिशाली योग मुद्रा है. यह हाथों, कंधों, कोर और शरीर की समग्र ताकत को बढ़ाता है.

उत्थित पद्मासन करने की विधि

सबसे पहले पद्मासन में बैठें.
एक पैर दूसरी जांघ पर और दूसरा पैर पहली जांघ पर रखें.
दोनों हाथों को शरीर के पास जमीन पर रखें, हथेलियां नीचे की ओर.
गहरी सांस लेकर हाथों पर पूरा भार डालें और शरीर को धीरे-धीरे ऊपर उठाएं.
गर्दन और सिर सीधा रखें, नजर सामने या थोड़ा नीचे की ओर.
जितना संभव हो उतने समय तक मुद्रा में बने रहें और सांस सामान्य रखें.
धीरे-धीरे वापस सामान्य स्थिति में आ जाएं.
उत्थित पद्मासन करने से शरीर को क्या फायदे मिलते हैं?
1. मांसपेशियों को मजबूती
यह हाथों, कलाइयों, कंधों और कोर मसल्स को बेहद मजबूत बनाता है.
पेट की मांसपेशियां टोन होती हैं, जिससे पाचन प्रक्रिया बेहतर होती है और कब्ज से राहत मिलती है.
2. मानसिक स्वास्थ्य पर सकारात्मक प्रभाव

संतुलन की क्षमता बढ़ती है.

दिमाग में एकाग्रता आती है और तनाव कम होता है.
3. रक्त संचार व ऊर्जा प्रवाह में सुधार
नियमित अभ्यास से छाती, कंधों और हाथों में रक्त संचार बेहतर होता है.
मेटाबॉलिज्म तेज होता है और शरीर में प्राण ऊर्जा का प्रवाह सुचारू रहता है.
4. छात्रों के लिए लाभकारी
लगातार अभ्यास से एकाग्रता बढ़ती है, जो पढ़ाई में विशेष रूप से सहायक है.

उत्थित पद्मासन से जुड़ी सावधानियां

घुटने, कूल्हे या कलाई में दर्द या चोट होने पर आसन करने से पहले डॉक्टर या योग गुरु से सलाह लें.
रात में पैरों में खुजली क्यों होने लगती है?
नारी डेस्क : कई लोगों को यह समस्या होती है कि दिनभर सब ठीक रहता है, लेकिन जैसे ही रात होती है, पैरों में तेज खुजली शुरू हो जाती है। कभी-कभी खुजली इतनी ज्यादा बढ़ जाती है कि नींद तक उड़ जाती है। तेल लगाने, दवा लगाने के बाद भी आराम नहीं मिलता और शरीर में बेचैनी बनी रहती है। ऐसे में लोगों के मन में सवाल आता है कि आखिर रात में ही पैरों में खुजली क्यों बढ़ जाती है? एक्सपर्ट्स के अनुसार, इसके पीछे सिर्फ एक नहीं बल्कि कई कारण हो सकते हैं। यह व्यक्ति की स्किन, लाइफस्टाइल और सेहत पर भी निर्भर करता है।

रात में पैरों में खुजली बढ़ने के मुख्य कारण

स्किन का ड्राई होना

रात के समय शरीर का तापमान थोड़ा बढ़ जाता है। इससे स्किन रूखी (ड्राई) हो सकती है। जब स्किन में नमी कम हो जाती है, तो खुजली की समस्या बढ़ने लगती है।
ब्लड सर्कुलेशन का बढ़ना
रात में आराम की स्थिति में पैरों की ओर ब्लड फ्लो बढ़ जाता है। इससे नसें ज्यादा एक्टिव हो जाती हैं और खुजली महसूस हो सकती है।
फंगल इंफेक्शन
अगर पैरों में लालपन, छाले, जलन या स्किन छिलने जैसी परेशानी है, तो यह फंगल इंफेक्शन का संकेत हो सकता है। फंगल इंफेक्शन में रात के समय खुजली ज्यादा बढ़ जाती है।
दिनभर जूते-मोजे पहनना
पूरा दिन टाइट जूते, सिंथेटिक मोजे पहनने से पैरों में पसीना और नमी जमा हो जाती है। इससे स्किन इरिटेट होती है और रात में खुजली बढ़ सकती है।
साबुन या डिटर्जेंट से एलर्जी
कभी-कभी नया साबुन, डिटर्जेंट या केमिकल युक्त प्रोडक्ट भी स्किन में एलर्जी पैदा कर सकते हैं, जिससे रात में खुजली की समस्या होती है।

पानी सिर्फ शरीर की प्यास नहीं बुझाता, बल्कि रक्त में मिलकर शरीर के हर अंग तक ऑक्सीजन पहुंचाता है. मानव शरीर का लगभग 70% हिस्सा पानी से बना है, लेकिन बहुत कम लोग जानते हैं कि कौन सा पानी शरीर के लिए सबसे अधिक लाभकारी है. सदियों से सुबह उठते ही गुनगुना पानी पीने की परंपरा चली आ रही है. यह सिर्फ आदत नहीं, बल्कि एक लाभकारी प्रक्रिया है. आयुर्वेद के अनुसार सुबह का गुनगुना पानी पाचन अग्नि को सक्रिय करता है और कफ दोष को संतुलित करता है.

क्या पूरे दिन गुनगुना पानी पीना सही है?

सवाल यह है कि क्या हर मौसम में और पूरे दिन गुनगुना पानी पीना सही है? आयुर्वेद मानता है कि हां, आप पूरे दिन गुनगुना पानी पी सकते है, लेकिन सही समय और स्थिति का ध्यान रखना जरूरी है.

गुनगुना पानी कब पिएं?

सुबह खाली पेट- यह पाचन को तेज कर शरीर को ऊर्जावान बनाता है.
भोजन से 30 मिनट पहले- यह पाचन शक्ति को बेहतर बनाकर वजन नियंत्रित करने में मदद करता है.
भोजन के 1 घंटे बाद- यह भोजन को बेहतर तरीके से पचाने में सहायक है.

आयुर्वेद के अनुसार इन स्थितियों में सावधानी रखें :

1. ज्यादा प्यास या डिहाइड्रेशन में ऐसी स्थिति में गुनगुना पानी डिहाइड्रेशन को और बढ़ा सकता है.
2. अत्यधिक गर्मी के मौसम में गर्म या गुनगुना पानी शरीर में अतिरिक्त गर्मी पैदा कर बेचैनी बढ़ा सकता है.
3. पित की समस्या या पेट में जलन होने पर
गर्मियों में पित बढ़ने पर गुनगुना पानी जलन को और बढ़ा सकता है.

पाचन तंत्र को पहुंचाता है फायदा फाइबर से भरपूर हरा चना, अपच और कब्ज से दिलाता है राहत

आज की तेज रफ्तार जिंदगी में सबसे ज्यादा असर हमारे पाचन तंत्र पर पड़ता है. गलत समय पर खाना, तला-भुना भोजन, फाइबर की कमी और तनाव की वजह से गैस, अपच, कब्ज और पेट भारी होने जैसी समस्याएं आम हो गई हैं. इसका समाधान हमारी रसोई में ही मौजूद है. हरा चना पाचन के लिए बेहद लाभकारी है. आयुर्वेद के अनुसार, हरा चना त्रिदोष संतुलन में सहायक माना जाता है. खासतौर पर यह पित और कफ दोष को नियंत्रित करने में मदद करता है.

यह पेट में जमी अतिरिक्त नमी और चिपचिपेपन को कम करता है. यही कारण है कि हरा चना खाने से पेट साफ रहता है और आंतों की गतिविधि बेहतर होती है. आयुर्वेद मानता है कि हरा चना अग्नि यानी पाचन शक्ति को धीरे-धीरे मजबूत करता है, जिससे भोजन सही तरह से पचता है और शरीर को पूरा पोषण मिलता है.

वैज्ञानिक ने इसे माना फाइबर का खजाना

वैज्ञानिकों की मानें तो हरा चना डाइटरी फाइबर का बेहतरीन स्रोत है. फाइबर पाचन प्रक्रिया के लिए बेहद अहम है. यह आंतों में भोजन को आगे बढ़ाने में मदद करता है और मल को नरम बनाता है, जिससे कब्ज की समस्या दूर रहती है. हरे चने में मौजूद घुलनशील और अघुलनशील दोनों तरह के फाइबर पाचन को दुरुस्त रखते हैं और गैस व सूजन जैसी परेशानियों को कम करते हैं.

वजन घटाने में करता है मदद

हरा चना धीरे-धीरे पचने वाला भोजन है, इसलिए यह पेट को लंबे समय तक भरा हुआ महसूस कराता है. इससे बार-बार भूख नहीं लगती और ओवरईटिंग से बचाव होता है. यही वजह है कि वजन नियंत्रित रखने वालों के लिए हरा चना फायदेमंद है.

पाचन तंत्र को पहुंचाता है फायदा फाइबर से भरपूर हरा चना, अपच और कब्ज से दिलाता है राहत
हरा चना के फायदे : गलत समय पर खाना, तला-भुना भोजन, फाइबर की कमी और तनाव की वजह से गैस, अपच, कब्ज और पेट भारी होने जैसी समस्याएं आम हो गई हैं. इन समस्याओं को दूर करने में हरा चना बेहद फायदेमंद माना जाता है.
आज की तेज रफ्तार जिंदगी में सबसे ज्यादा असर हमारे पाचन तंत्र पर पड़ता है. गलत समय पर खाना, तला-भुना भोजन, फाइबर की कमी और तनाव की वजह से गैस, अपच, कब्ज और पेट भारी होने जैसी समस्याएं आम हो गई हैं. इसका समाधान हमारी रसोई में ही मौजूद है. हरा चना पाचन के लिए बेहद लाभकारी है. आयुर्वेद के अनुसार, हरा चना त्रिदोष संतुलन में सहायक माना जाता है. खासतौर पर यह पित और कफ दोष को नियंत्रित करने में मदद करता है.

ब्लड शुगर और मेटाबॉलिज्म पर करता है असर

वैज्ञानिक शोध बताते हैं कि फाइबर और प्रोटीन से भरपूर भोजन इंसुलिन के स्तर को संतुलित रखने में मदद करता है. इससे पाचन के साथ-साथ ब्लड शुगर कंट्रोल में भी सहायता मिलती है.

पोषक तत्वों से होता है भरपूर

हरे चने में आयरन, मैग्नीशियम, पोटैशियम, विटामिन बी-कॉम्प्लेक्स और एंटीऑक्सीडेंट्स पाए जाते हैं. ये तत्व आंतों की अंदरूनी परत को मजबूत बनाते हैं और सूजन को कम करते हैं. जिन लोगों को अक्सर एसिडिटी या जलन की शिकायत रहती है, उनके लिए हरा चना पेट को ठंडक देने वाला हो सकता है.

हरा चना कई दूसरी समस्याओं में भी राहत देता है. इसमें मौजूद प्रोटीन मांसपेशियों को ताकत देता है और कमजोरी को दूर करता है. आयरन (ब्लड) की अच्छी मात्रा खून की कमी में सहायक होती है. फाइबर और एंटीऑक्सीडेंट्स दिल की सेहत के लिए लाभकारी माने जाते हैं और कोलेस्ट्रॉल को नियंत्रित करने में मदद करते हैं. इसके अलावा, हरा चना शरीर की रोग-प्रतिरोधक क्षमता को भी मजबूत बनाता है.

कैसे करें सेवन?

हरे चने को सब्जी, सूप, सलाद, पुलाव या हल्के स्नैक के रूप में खाया जा सकता है.

तन ही नहीं, मन के लिए भी आराम है जरूरी!

यूनानी सिद्धांतों में 'हरकत-ओ-सुकून नफसानी' यानी मानसिक गतिविधि और मानसिक विश्राम को स्वस्थ जीवन का अहम आधार माना गया है. जिस तरह हमारा शरीर लगातार काम करता रहे और उसे आराम न मिले तो वह थककर बीमार पड़ जाता है, ठीक उसी तरह हमारा मन भी अगर लगातार तनाव, चिंता, डर या गुस्से में उलझा रहे तो उसका संतुलन बिगड़ जाता है. यूनानी चिकित्सा सिद्धांतों के अनुसार, हमारे भीतर एक जीवन शक्ति होती है जिसे रूह कहा जाता है. यही रूह हमारे मानसिक और शारीरिक संतुलन को बनाए रखने में अहम भूमिका निभाती है. जब हमारी भावनाएं संतुलित रहती हैं, सोच सकारात्मक होती है और हम जरूरत के मुताबिक मानसिक आराम लेते हैं, तो रूह भी संतुलन में रहती है और सेहत बेहतर बनी रहती है.

भागदौड़ भरी जिंदगी में मानसिक थकान का बढ़ता खतरा

आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में हम अक्सर शरीर की थकान को तो समझ लेते हैं, लेकिन मन की थकान को नजरअंदाज कर देते हैं. देर रात तक काम करना, मोबाइल और स्क्रीन पर लगातार समय बिताना, हर समय किसी न किसी चिंता में डूबे रहना या भविष्य की फिक्र में घुले रहना, ये सब मानसिक बोझ को बढ़ाते हैं.

मानसिक गतिविधि और विश्राम में संतुलन आवश्यक

यूनानी चिकित्सा कहती है कि मानसिक गतिविधि जरूरी है, क्योंकि सोच-विचार, सीखना और काम करना, ये सब जीवन का हिस्सा हैं. लेकिन हर चीज की तरह इसमें भी संतुलन होना चाहिए. अगर हरकत ज्यादा होगी और सुकून कम, तो बेचैनी, चिड़चिड़ापन, अनिद्रा और मानसिक थकान जैसी समस्याएं शुरू हो सकती हैं. वहीं, अगर व्यक्ति बिल्कुल निष्क्रिय हो जाए और कोई मानसिक गतिविधि न करे, तो भी उदासी और सुस्ती बढ़ सकती है. इसलिए संतुलन ही असली कुंजी है.

मन को सुकून देने वाले छोटे-छोटे कदम

मानसिक सुकून पाने के लिए बहुत बड़े बदलाव की जरूरत नहीं होती. दिन में थोड़ा समय खुद के लिए निकालना, गहरी सांस लेना, प्रकृति के बीच कुछ पल बिताना, नमाज, ध्यान या प्रार्थना करना और सकारात्मक लोगों के साथ समय बिताना, ये छोटे-छोटे कदम मन को राहत देते हैं. साथ ही, अपनी सीमाओं को समझना भी जरूरी है. हर काम अपने ऊपर ले लेना और हर समय परफेक्ट बनने की कोशिश करना भी मानसिक दबाव बढ़ाता है.

यूनानी सिद्धांत हमें सिखाता है कि संयम अपनाएं, सकारात्मक सोच रखें और जरूरत पड़ने पर मन को विश्राम दें. जब मन शांत और संतुलित रहता है, तो उसका असर पूरे शरीर पर दिखाई देता है.

टी20 विश्वकप सुपर-8 : दक्षिण अफ्रीका का अजेय अभियान जारी, वेस्टइंडीज को रौंदकर सेमीफाइनल में मारी एंट्री

अहमदाबाद (एजेंसी)। दक्षिण अफ्रीका ने कप्तान एडेन मारक्रम (नाबाद 82 रन) के अर्धशतक के साथ उनकी दो साझेदारियों से बृहस्पतिवार को यहां सुपर आठ के मैच में वेस्टइंडीज को नौ विकेट से हराकर जीत का सिलसिला जारी रखते हुए आईसीसी टी20 विश्व कप के सेमीफाइनल में अपनी जगह लगभग पक्की कर ली। दक्षिण अफ्रीका ने गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन के बाद बल्लेबाजी में भी कमाल किया। टीम ने अपनी बेहतरीन रणनीति की बदौलत जीत की लय जारी रखी।

दक्षिण अफ्रीका ने वेस्टइंडीज पर जीत से दो अहम अंक जुटाए

यह उनकी लगातार छठी जीत थी जिससे उन्होंने टूर्नामेंट में वेस्टइंडीज के अजेय क्रम पर लगाम लगाई। दक्षिण अफ्रीका ने वेस्टइंडीज पर जीत से दो अहम अंक जुटाए जिससे मेजबान भारत की अब क्वालीफिकेशन की उम्मीदें मजबूत हो गई हैं। दक्षिण अफ्रीका से मिली हार से भारत की उम्मीदों को झटका लगा था। इस हार से कैरेबियाई टीम के नेट रन रेट पर असर पड़ा जो 5.350 से घटकर 1.791 हो गया।

दक्षिण अफ्रीका की सेमीफाइनल में जगह लगभग पक्की की

दक्षिण अफ्रीका के तेज गेंदबाजों ने पहले दो बार की चैंपियन वेस्टइंडीज के बल्लेबाजी क्रम को झकझोरा जिसने निचले क्रम के बल्लेबाज रोमारियो शेफर्ड (नाबाद 52) और जेसन होल्डर (49) के बीच रिकॉर्ड साझेदारी की बदौलत वापसी करते हुए आठ विकेट पर 176 रन बनाए। फिर दक्षिण अफ्रीका ने कप्तान मारक्रम (46 गेंद, सात चौके, चार छक्के) के अर्धशतक और क्विंटन डिकॉक (47 रन) के साथ पहले विकेट के लिए 7.5 ओवर में 95 रन की भागीदारी और रेयान रिकलटन (नाबाद 45 रन) के साथ दूसरे विकेट के लिए 50 गेंद में 82 रन की अटूट साझेदारी से 16.1 ओवर में एक विकेट गंवाकर लक्ष्य हासिल कर लिया।

दक्षिण अफ्रीका ने पावरप्ले के छह ओवर में 69 रन बनाकर वेस्टइंडीज के गेंदबाजों को दबाव में ला दिया। दोनों सलामी बल्लेबाजों ने नियंत्रण बनाए रखा। मारक्रम और डिकॉक ने तेज गेंदबाजों और स्पिनर दोनों पर आराम से रन जुटाकर शानदार साझेदारी की। डिकॉक ने 24 गेंद की अपनी पारी में चार छक्के और इतने ही चौके लगाए। लेकिन वह लांग ऑन पर जेसन होल्डर को कैच देकर आउट हो गए। मारक्रम ने गुडाकेश मोती की गेंद पर एक रन लेकर अपना अर्धशतक पूरा किया। रिकलटन क्रीज पर उतरे और उन्होंने मारक्रम का अच्छा साथ निभाया। मारक्रम ने जेसन होल्डर की गेंद पर सीधा चौका लगाकर मैच स्टाइल से खत्म किया।

इससे पहले पिछले मैच में जिम्बाब्वे पर शानदार जीत दर्ज करने वाली वेस्टइंडीज ने सात ओवर के अंदर 60 रन में पांच विकेट गंवा दिए थे।

इसमें दक्षिण अफ्रीका के कागिसो रबाडा (22 रन देकर दो विकेट) और लुंगी एनगिडी (30 रन देकर तीन विकेट) ने वेस्टइंडीज के शीर्ष क्रम को झकझोर दिया। वेस्टइंडीज का स्कोर एक समय सात विकेट पर 83 रन था लेकिन शेफर्ड (37 गेंद, तीन चौके, चार छक्के) और होल्डर (31 गेंद, चार चौके, तीन छक्के) ने मिलकर आठवें विकेट के लिए 57 गेंद में 89 रन की रिकॉर्ड साझेदारी करके टीम को इस स्कोर तक पहुंचाने में मदद की। टॉस जीतकर गेंदबाजी का फैसला करने के बाद दक्षिण अफ्रीका ने स्पिनर केशव महाराज से शुरूआत कराई लेकिन कप्तान शाई होप (16) ने शुरू में ही जोश दिखाते हुए दो छक्के और एक चौका लगा दिया। दूसरे छोर पर ब्रैंडन किंग (21 रन) ने मार्को यानसेन के बाउंड्री लगाई जिससे वेस्टइंडीज ने दो ओवर में 29 रन बना लिए। पर इसके बाद शीर्ष क्रम के चरमराने के सिलसिला शुरू हुआ। रबाडा ने होप को कैच आउट कराया।

फिर शिमरोन हेटमायर (02) भी आउट हो सकते थे लेकिन कॉर्बिन बॉश ने मिड-ऑन पर उनका कैच छोड़ दिया। हालांकि रबाडा ने तीन गेंद बाद हेटमायर को पवेलियन भेज दिया।

इसके बाद फॉर्म में चल रहे एनगिडी ने चौथे ओवर में दोहरा झटका दिया। किंग ने उन पर लगातार दो चौके लगाने के बाद कैच आउट हो गए। फिर दो गेंद बाद एनगिडी ने रोस्टन चेस (02) के स्टंप उखाड़ दिए। इस तरह वेस्टइंडीज ने 10 गेंद के अंदर चार विकेट खो दिए थे और चार ओवर के बाद उनका स्कोर चार विकेट पर 44 रन था। शेरफाने रदरफोर्ड (12) ने थोड़ी कोशिश की और बॉश की गेंद पर मिडविकेट के ऊपर से एक लंबा छक्का लगाया लेकिन अगली ही गेंद पर विकेटकीपर क्विंटन डिकॉक को कैच देकर आउट हो गए।

एनगिडी ने तीसरा विकेट रोवमैन पॉवेल (09) के रूप में लिया जिससे वेस्टइंडीज ने 71 रन पर छह विकेट गंवा दिए थे। मैथ्यू फोर्ड (11) एक छक्का लगाने के तुरंत बाद बॉश का दूसरा शिकार बने। फिर लग रहा था कि वेस्टइंडीज की टीम जल्द ही सिमट जाएगी, होल्डर और शेफर्ड ने टीम को संभाला। होल्डर ने अंत में यानसेन के एक ओवर में 22 रन बनाए। लेकिन वह अंतिम ओवर की दूसरी गेंद पर रन आउट हो गए।

मियोमिर केकमानोविच ने ज्वेरेव को चौंकाया, मेक्सिकनो टेलसेल के क्वार्टर-फाइनल में पहुंचे

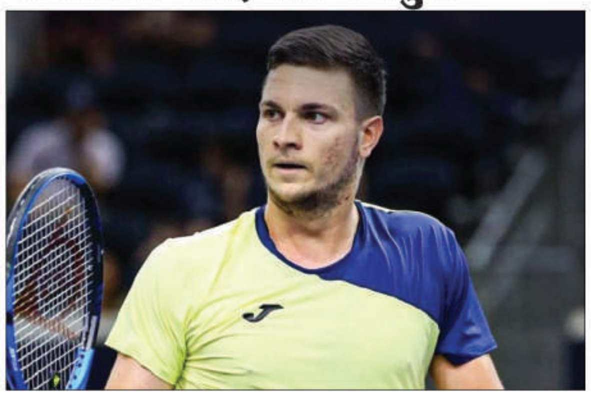

अकापुल्को (मेक्सिको) (एजेंसी)। मियोमिर केकमानोविच ने दुनिया के नंबर 4 अलेक्जेंडर ज्वेरेव को तीन सेट के रोमांचक मुकाबले में चौंका दिया और अपनी पहली टॉप 5 जीत दर्ज की। इस जीत के साथ ही वह मेक्सिको के अकापुल्को में एबिएर्तो मेक्सिकनो टेलसेल के क्वार्टर-फाइनल में पहुंच गए। दुनिया में 84वें नंबर पर काबिज 26 साल के सर्बियाई खिलाड़ी ने ढाई घंटे से ज़्यादा चले कड़े मुकाबले में 2021 के चैंपियन को 6-3, 6-7(3), 7-6(4) से हराया।

केमानोविच, जो टॉप 5 विरोधियों के खिलाफ अपने पिछले सभी 11 मैच हार चुके थे, ने अपने करियर के सबसे बेहतरीन प्रदर्शनों में से एक दिया, और यादगार जीत पक्की करने के लिए निर्णायक टाई-ब्रेक में अपना धैर्य बनाए रखा। मैच के बाद केकमानोविच ने कहा, 'यह बहुत अच्छा लग रहा है, खासकर इसलिए क्योंकि पिछले कुछ साल मुश्किल रहे हैं। इसलिए मैं खुश हूं कि आखिरकार कुछ चीजें मेरे हिसाब से हो रही हैं।'

उन्होंने खास मौकों पर अग्रेसिव तरीके से खेला और असरदार सर्व किया, जबकि ज्वेरेव अपने बैकहैंड पर कंसिस्टेंसी के लिए जूझते रहे, उन्होंने 17 अनफोर्स्ड गलतियां कीं, जबकि केकमानोविच ने छह गलतियां कीं। इस जीत के साथ, केकमानोविच ने जर्मन खिलाड़ी के खिलाफ अपना हेड-टू-हेड रिकॉर्ड 2-2 से बराबर कर लिया और एटीपी 500 इवेंट के आखिरी आठ में पहुंच गए, जहां उनका सामना फ्रांस के टेरेंस एटमाने से होगा, जिन्होंने राफेल जोडार को 6-2, 4-6, 6-1 से हराया।

दूसरे मैचों में पांचवीं सीड फ्लेवियो कोबोली ने डालिबोर स्वर्सिना को 6-4, 6-4 से हराया और अब उनका अगला मैच चीन के वू यिबिंग से होगा जिन्होंने जापान के शो शिमाबुकुरो को 6-3, 7-6(4) से हराया। इस बीच अमेरिकन ब्रैंडन नाकाशिमा ने अपने ही देश के पैट्रिक किप्सन को 6-4, 6-4 से हराकर अपनी 100वीं टूर-लेवल हार्ड-कोर्ट जीत दर्ज की। किप्सन ने इससे पहले पिछले राउंड में दूसरे सीड एलेक्स डी मिनौर को चौंका दिया था।

टी20 विश्वकप सेमीफाइनल से अब कौन सी टीम बाहर होगी ?

अहमदाबाद (एजेंसी)। टी20 विश्वकप सुपर-8 से अब तक एक टीम श्रीलंका बाहर हो गयी है। उसे न्यूजीलैंड के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा है। वहीं अब एक और टीम का बाहर होना तय है। ये मुकाबला मैच ग्रुप-1 में वेस्टइंडीज और दक्षिण अफ्रीका के बीच अहमदाबाद के नरेन्द्र मोदी स्टेडियम में खेला जाएगा। वहीं भारतीय टीम के प्रशंसक वेस्टइंडीज के खिलाफ मुकाबले में दक्षिण अफ्रीका की जीत चाहेंगे क्योंकि इससे भारतीय टीम के सेमीफाइनल की उम्मीदें बनी रहेंगी।

दक्षिण अफ्रीका और वेस्टइंडीज, दोनों का रनरेट बहुत अच्छा है। ऐसे में इस मुकाबले की विजेता टीम के पास सेमीफाइनल में पहुंचने का अच्छा अवसर है।

ग्रुप-1 की अंकतालिका पर नजर डालें तो चारों टीमों ने अपना एक-एक सुपर 8 मैच खेल लिया है। वेस्टइंडीज दो अंक और सबसे बेहतर रनरेट प्लस 5.350) के साथ नंबर-1 पर बनी हुई है। उसने जिम्बाब्वे को 107 रनों से हराया था। वहीं दूसरे नंबर पर दक्षिण अफ्रीका की टीम के भी दो अंक हैं। दक्षिण अफ्रीका का रनरेट प्लस 3.800 है। भारत के खिलाफ जीत के साथ ही उसे दो अंक मिले थे। वहीं भारत और जिम्बाब्वे को टीमें अपना-अपना पहला सुपर 8 मैच हारकर तीसरे और चौथे स्थान पर हैं।भारत का रनरेट -3.800 है, जबकि जिम्बाब्वे का रनरेट -5.350 है। भारत और जिम्बाब्वे के मुकाबले में हारने वाली टीम सेमीफाइनल की दौड़ से बाहर हो जाएगी।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ दूसरे एकदिवसीय में वापसी करने को तैयार हरमनप्रीत

होबर्ट (एजेंसी)। भारतीय महिला क्रिकेट टीम शुरुवार को यहां दूसरे एकदिवसीय मुकाबले में मेजबान ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ जीत के साथ वापसी करने उतरेगी। भारतीय टीम को पहले एकदिवसीय में 6 विके से हार का सामना करना पड़ा था ऐसे में मेजबान टीम तीन मैचों की इस सीरीज में 1-0 से आगे है। भारतीय टीम के लिए राहत की बात ये है कि कप्तान हरमनप्रीत कौर भी फिट हो गयी हैं। हरमनप्रीत को पहले एकदिवसीय में चोट लग गयी थी। ऑलराउंडर दीप्ति शर्मा ने कहा है कि हरमनप्रीत अब ठीक है और खेलने जा रही हैं। पहले एकदिवसीय में बल्लेबाजी के दौरान घुटने में चोट लगने से हरमनप्रीत मैदान पर नहीं लौट पाई थीं, जिससे टीम की चिंताएं बढ़ गई थीं।

वहीं भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) की ओर से कहा गया है कि हरमनप्रीत को बल्लेबाजी के दौरान चोट लगी थी और मेडिकल स्टाफ उनकी स्थिति पर नजर रखे हुए है। कप्तान के नहीं होने से उप-कप्तान स्मृति मंधाना ने टीम की कमान संभाली। वहीं अब अब कप्तान की वापसी से प्रबंधन को भी राहत मिली है।

पहले मुकाबले में भारतीय टीम 48.3 ओवर में 214 रन ही बना पायी थी जिसके बाद ऑस्ट्रेलिया ने छह विकेट शेष रहते 38.2 ओवर में ही जीत हासिल कर ली थी। अब भारतीय टीम का लक्ष्य इस मैच में बेहतर प्रदर्शन कर जीत दर्ज करना रहेगा।

दीप्ति ने कहा कि टीम ने पहले एकदिवसीय में अच्छा प्रदर्शन किया था हालांकि टीम जीत हासिल करने में सफल नहीं रही। उन्होंने कहा कि टीम दूसरे मुकाबले में और प्रयास करेगी। साथ ही कहा कि टीम अपनी पिछली गलतियों से उबरकर बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रतिबद्ध है। भारतीय टीम ने एकदिवसीय सीरीज से पहले शानदार प्रदर्शन कर टी20 सीरीज जीती थी और उसी प्रदर्शन से टीम प्रेरित होकर उतरेगी। भारतीय टीम जानती है कि ऑस्ट्रेलिया जैसे मजबूत प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ निरंतरता बनाए रखना उसके लिए आसान नहीं रहेगा।

इंग्लैड-न्यूजीलैंड मैच पर टिकीं पाकिस्तान की संभावनाएं

कोलंबो । न्यूजीलैंड की श्रीलंका के खिलाफ जीत से न केवल सह मेजबान श्रीलंकाई टीम आईसीसी टी20 विश्वकप के सेमीफाइनल से बाहर हो गयी है बल्कि इससे पाकिस्तान की संभावनाएं भी घटी हैं। न्यूजीलैंड की टीम अब प्लस 3.050 के रन रेट से अंक तालिका में काफी आगे बढ़ गयी है। ऐसे में पाक टीम के सेमीफाइनल की संभावनाएं अब दूसरी टीमों के परिणामों पर निर्भर हो गयी है। पाक टीम अब उम्मीद करेगी कि हैरी ब्रूक की कप्तानी वाली इंग्लैंड की टीम शुक्रवार को होने वाले मुकाबले में न्यूजीलैंड को हरा दे । इस मुकाबले में अगर इंग्लैंड की टीम न्यूजीलैंड को हरा देती है, तो पाकिस्तान के पास अपने अंतिम मैच में श्रीलंका को बड़े अंतर से हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाने का अवसर रहेगा। इस दौरान पाक टीम चाहेगी कि न्यूजीलैंड की हार और उनकी अपनी जीत का अंतर इतना बड़ा हो कि वह न्यूजीलैंड का नेट रन रेट (प्लस 3.050 को पीछे छोड़ सके। पाक टीम के लिए सकारात्मक बात ये है कि इंग्लैंड के खिलाफ उसे बड़ी हार नहीं मिली थी । ऐसे में उसका नेट रन रेट अभी भी अच्छा बना हुआ है।

वेस्टइंडीज के खिलाफ अधिक प्रयोग से बचे भारतीय टीम : पोंटिंग

सिडनी । ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग ने भारतीय टीम को वेस्टइंडीज के खिलाफ होने वाले सुपर-8 मुकाबले को देखते हुए एक अहम सलाह दी है। पोंटिंग का कहना है कि इस मैच में भारतीय टीम को अधिक बदलाव नहीं करते हुए वहीं अंतिम ग्यारह उतारनी चाहिये जो अबतक तक खेलती आई है। पोंटिंग के अनुसार अधिक प्रयोग कि रणनीत नुकसानेह साबित हो सकती है। इस पूर्व कप्तान के अनुसार बड़े टूर्नामेंट में स्थिरता और संतुलन से ही जीत मिलती है। इससे पहले भारतीय टीम ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ मैच में अपना संयोजन बदला था जिससे उसे काफी नुकसान हुआ था। उस मैच में दक्षिण अफ्रीकी टीम में बाएं हाथ के अधिक बल्लेबाजी होने के कारण उपकप्तान अक्षर पटेल की जगह वॉशिंगटन सुंदर को अवसर दिया था पर ये प्रयोग विफल रहा। उस मैच में सुंदर बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनो में ही विफल रहे थे। पोंटिंग ने कहा कि केवल विरोधी टीम में अधिक बाएं हाथ के बल्लेबाज होने के कारण ही बदलाव नहीं किया जाना चाहिये। इस कारण अक्षर को बाहर रखना सही फैसला नहीं था। उनके अनुसार कप्तान को अपनी समझ के अनुसार गेंदबाजों का सही समय पर इस्तेमाल करना चाहिये। पोंटिंग का मानना है कि बड़े टूर्नामेंट में जरुरत से अधिक रणनीतिक बदलाव कभी-कभी विपरीत प्रभाव डालते हैं। उन्होंने कहा कि भारत को अब सरल सोच अपनानी चाहिए और अपनी सबसे संतुलित टीम मैदान में उतारनी चाहिए।दक्षिण अफ्रीका के गेंदबाजी आक्रमण के सामने भारतीय बल्लेबाजी बेबस नजर आयी थी। मार्को जेनसन और केशव महाराज ने उस मैच में भारतीय बल्लेबाजों पर अंकुश लगा दिया था।

टी20 विश्वकप सुपर-8 में आज इंग्लैंड को हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाने उतरेगी न्यूजीलैंड

कोलंबो (एजेंसी)। श्रीलंका के खिलाफ जीत से उत्साहित न्यूजीलैंड की टीम शुक्रवार को यहां टी20 विश्वकप क्रिकेट के सुपर-8 मैच में इंग्लैंड को हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाने उतरेगी। कीवी टीम के स्पिनरों ने श्रीलंकाई टीम के खिलाफ काफी अच्छी गेंदबाजी की थी और वह यही सिलसिला इंग्लैंड के खिलाफ भी जारी रखना चाहेगी। कीवी टीम के कप्तान मिचेल सैंटनर काफी अच्छे फार्म में हैं जिसका लाभ भी टीम को मिलेगा। वहीं दूसरी ओर इंग्लैंड की टीम पहले ही अपने दोनों मैच जीतकर सेमीफाइनल में पहुंच गयी है और उसका लक्ष्य इस मैच में भी बेहतरीन प्रदर्शन कर सेमीफाइनल के लिए लय बनाये रखना रहेगा। कप्तान हैरी ब्रूक के अलावा उसके उन्य बल्लेबाज पिछले सुपर-8 मैच में पाकिस्तान के खिलाफ असफल रहे थे। ऐसे में वे अपना फार्म हासिल करना चाहेंगे।

दूसरी ओर श्रीलंका के खिलाफ बड़ी जीत के बाद न्यूजीलैंड का नेट रन रेट काफी अच्छा प्लस 3.050 हो गया है। ऐसे में इस मैच में जीत के साथ वह सेमीफाइनल में पहुंच जाएगी पर अगर वह मामुली अंतर से हारती भी है तो भी उसकी सेमीफाइनल की संभावनांए बनी रहेंगी। वहीं इंग्लैंड से हार के बाद पाकिस्तान का नेट रन रेट माइनस 0.461 हो गया है। ऐसे में पाक टीम नेट रन रेट में तभी आगे निकल सकती है जब न्यूजीलैंड को मैच में बड़ी हार मिले। न्यूजीलैंड की टीम जिस प्रकार श्रीलंका के खिलाफ छह स्पिनरों के साथ सहजता से उतरी थी उससे तय है कि इस मैच में भी वह उसी टीम के साथ उतरेगी।

इस मैच में न्यूजीलैंड के स्पिनरों और इंग्लैंड के बल्लेबाजों के बीच रोमांचक मुकाबला होना तय है। इंग्लैंड के कप्तान हैरी ब्रूक और ऑलराउंडर विल जैक्स दोनों ने ही पाक स्पिनरों साइम अयूब, मोहम्मद नवाज और शादाब खान के सामने काफी अच्छी बल्लेबाजी की थी और उनका लक्ष्य कीवी टीम के खिलाफ इसी प्रदर्शन को बनाये रखना रहेगा हालांकि ये इतना आसान नहीं रहेगा क्योंकि कीवी स्पिनर मिचेल सैंटनर, रचिन रविंद्र, ग्लेन फिलिप्स और कोल मैककॉन्ची प्रेमदासा स्टेडियम की पिच पर कहर ढ़ा सकते हैं।

ब्रूक अच्छी फॉर्म में हैं पर अनुभवी विकेटकीपर बल्लेबाज जोस बटलर का फार्म में नहीं होना इंग्लैंड के लिए चिन्ताजनक है । टीम को अपने गेंदबाजों विल जैक्स और लियाम डॉसन से बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद रहेगी। प्रेमदासा की पिच पर अगर स्पिनर गेंदबाजी कर रहे हों तो 165 से 175 रन भी काफी अच्छे माने जाएंगे।

वहीं न्यूजीलैंड के ऑलराउंडर रविंद्र का मानना है कि उनका स्पिन आक्रमण अच्छा है पर इंग्लैंड को कम आंकना भूल होगी। रविंद्र ने कहा, इस तरह के मुकाबले में खेलने के लिए हमेशा ही आत्मविश्वास बनाये रखना होता है क्योंकि हमें अंदाजा है कि पिच कैसी होगी पर मुझे लगता है कि किसी भी समय इंग्लैंड को कम करके आंकना गलती होगी।

विरोध टीम काफी अच्छी है। उनके गेंदबाज अच्छी गेंदबाजी कर रहे हैं और उनके पास बल्लेबाजी क्रम में विश्व स्तरीय बल्लेबाज हैं। साथ ही कहा कि टी20 प्रारुप में कुछ भी हो सकता है जो टीम मैच के दिन अच्छा खेलेगी जीत उसकी की होगी। श्रीलंका के खिलाफ जीत से टीम का मनोबल बढ़ा है जिसका लाभ उसे मिलेगा।

दोनो ही टीमें इस प्रकार है

इंग्लैंड : हैरी ब्रूक (कप्तान), जोस बटलर (विकेटकीपर), टॉम बैंटन, जैकब बेथेल, फिल साल्ट (विकेटकीपर), बेन डकेट, सैम करेन, विल जैक्स, जेमी ओवरटन, रेहान अहमद, लियाम डॉसन, जोफ्रा आर्चर, आदिल राशिद, जोश टोंग, लाइक वुड

न्यूजीलैंड : मिचेल सैंटनर (कप्तान), फिन एलन, टिम सीफर्ट, डेवोन कॉनवे, मार्क चैपमैन, कोल मैककॉन्ची, डैरिल मिचेल, जेम्स नीशम, रचिन रविंद्र, जैकब डफी, लॉकी फर्ग्यूसन, मैट हेनरी, काइल जैमीसन, इश सोढ़ी।

विनीसियस के गोल से रियाल मैड्रिड बेनफिका को हराकर अंतिम 16 में पहुंची

मैड्रिड । विनीसियस जूनियर के गोल से रियाल मैड्रिड की टीम बेनफिका को 2-1 से हराकर यूईएफए चैंपियंस लीग फुटबॉल के अंतिम 16 में पहुंच गयी है । दूसरे चरण के इस मुकाबले में रियाल जीत के साथ ही अब 3-1 से आगे हो गयी है । उसने पहला चरण भी 1-0 से जीता था । दूसरे चरण में बेनफिका की ओर से 14वें मिनट में राफा सिल्वा ने गोल कर मुकाबला 1-1 से बराबरी पर ला दिया । वहीं दो मिनट बाद ही ऑरेलियन चोउमेनी ने एक गोल कर रियाल को बढ़त दिला दी । मैच के 80वें मिनट में विनीसियस जूनियर ने एक गोल कर स्कोर 2-। कर दिया । वहीं एक अन्य मुकाबले में पेरिस सेंट जर्मन (पीएसजी) ने मोनाको को 3-2 से हराकर अगले दौर में जगह बनायी । दोनों टीमों के बीच दूसरा चरण 2-2 से बराबरी पर रहा, हालांकि पहले चरण में मिली बढ़त से पीएसजी को लाभ हुआ । एक अन्य मुकाबले में इटली की अटलांटा ने बोरुसिया डॉर्टमुंड को दूसरे चरण में 4-1 से हराया । इस जीत के साथ ही अटलांटा अंतिम 16 में पहुंच गयी । एक अन्य मुकाबले में युवेंटस गैलाटासराय के खिलाफ दूसरे चरण में 3-2 से जीत के बाद भी टूर्नामेंट से बाहर हो गयी ।

पीएसजी ने चैंपियंस लीग फुटबॉल में मोनाको को हराकर अगले दौर में जगह बनायी

पेरिस । पेरिस सेंट जर्मन (पीएसजी) क्लब यूईएफए चैंपियंस लीग फुटबॉल में जीत के साथ ही अंतिम-16 में पहुंच गयी है । पीएसजी ने प्ले-ऑफ के दूसरे लेग में एएस मोनाको के साथ 2-2 से ड्रॉ खेलते हुए कुल 5-4 की बढ़त के साथ ही अंतिम-16 में जगह बनायी है । इस मुकाबले के पहले हाफ से ही मोनाको ने अच्छी शुरुआत करते हुए एक गोल दागकर 1-0 की बढ़त हासिल कर ली । वहीं दूसरे हाफ में पीएसजी के कप्तान मार्क्विनहोस ने डेसिरे डूए के क्रॉस पर गोल दागकर अपनी टीम को 1-1 से बराबरी पर ला दिया । इसके बाद ख्विचा क्वारात्सखेलिया ने एक गोल कर टीम को 2-0 से आगे कर दिया। वहीं मोनाको के स्थानापन्न खिलाड़ी जॉर्डन टेजे ने अतिरिक्त समय में गोल कर मुकाबले को 2-2 से बराबरी पर लाकर एक बार फिर रोमांचक बना दिया। अंत में पीएसजी ने 5-4 की बढ़त हासिल करते हुए मुकाबला अपने नाम किया । वहीं पीएसजी के कोच लुइस एनरिक ने कहा, हम काफी कठिन टीमों से खेलना पड़ा है। अब हमें चेल्सी और बार्सिलोना जैसी बेहतरीन टीमों से खेलना है । इस इस प्रकार के मुकाबले के लिए तैयार हैं । वहीं एक अन्य मुकाबले में गैलाटसराय ने जुवेंटस को वापसी नहीं करने दी और 7-5 के कुल स्कोर से राउंड ऑफ 16 में जगह बनायी । गैलाटसराय एस.के. ने जुवेंटस एफसी को रोमांचक मुकाबले में हराकर शानदार जीत दर्ज की । पहले लेग के बाद तीन गोल से पिछड़ने के बावजूद मेजबान टीम ने हार नहीं मानी और मुकाबले को अतिरिक्त समय तक खींच लिया ।

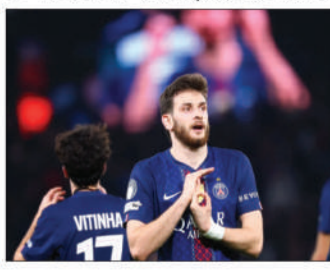

टी20 विश्व कप : अभिषेक को ब्रेक देता, अहम मुकाबले से पहले पूर्व बल्लेबाज का बड़ा बयान

नई दिल्ली (एजेंसी)। टी20 वर्ल्ड कप 2026 के सुपर 8 चरण में भारत के लिए ज़िम्बाब्वे के खिलाफ मुकाबला करो या मरो जैसा बन गया है। चेन्नई के चेपॉक में होने वाले इस अहम मैच से पहले पूर्व भारतीय सलामी बल्लेबाज वीरेंद्र सहवाग ने बड़ा बयान दिया है। उन्होंने सुझाव दिया है कि खराब फॉर्म से जूझ रहे अभिषेक शर्मा को आराम देकर संजू सैमसन को मौका दिया जाना चाहिए। दक्षिण अफ्रीका से मिली करारी हार के बाद टीम इंडिया पर दबाव बढ़ गया है और हर चयन अब निर्णायक साबित हो सकता है।

सहवाग की स्पष्ट सलाह: अभिषेक को दें ब्रेक

वीरेंद्र सहवाग ने साफ कहा कि इतने महत्वपूर्ण मैच में फॉर्म को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। उनके अनुसार, यदि वह टीम मैनेजमेंट का हिस्सा होते तो अभिषेक शर्मा को आराम देकर संजू सैमसन को आजमाते। अभिषेक का मौजूदा टूर्नामेंट बेहद निराशाजनक रहा है। ग्रुप स्टेज में वह लगातार तीन बार शून्य पर आउट हुए और सुपर 8 के पहले मैच में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सिर्फ 12 गेंदों में 15 रन बना सके। बीमारी और लय की कमी ने उनके आत्मविश्वास पर भी असर डाला है।

नेट रन रेट और दबाव की स्थिति

टी20 विश्व कप में भारत की स्थिति फिलहाल अस्थिर है। दक्षिण अफ्रीका से 76 रन की हार के बाद टीम का नेट रन रेट -3.800 तक गिर गया है। यदि वेस्ट इंडीज अपने मुकाबले में दक्षिण अफ्रीका को हराता है, तो समीकरण और जटिल हो सकते हैं। ऐसी परिस्थिति में कप्तान Suryakumar Yadav की अगुवाई वाली टीम को न सिर्फ जीत दर्ज करनी होगी, बल्कि बड़े अंतर से जीत की कोशिश भी करनी पड़ेगी। हर चयन और रणनीति टूर्नामेंट में बने रहने के लिहाज से अहम हो गई है।

क्या रणनीति में बदलाव जरूरी है?

सहवाग ने टीम की रणनीति का बचाव करते हुए कहा कि समस्या टैक्टिक्स में नहीं, बल्कि क्रियान्वयन में रही है। उनके मुताबिक चयन में कुछ बदलाव हो सकते हैं, लेकिन असली जरूरत बेहतर प्रदर्शन की है। Tilak Varma भी इस टूर्नामेंट में अपेक्षित प्रदर्शन नहीं कर पाए हैं। टॉप और मिडिल ऑर्डर की नाकामी ने मध्यक्रम पर अतिरिक्त दबाव डाला है। यही कारण है कि चयन को लेकर बहस तेज हो गई है।

मिडिल ऑर्डर की चुनौती

अभिषेक और तिलक की संघर्षपूर्ण फॉर्म के कारण टीम का संतुलन प्रभावित हुआ है। बैटिंग कोच सीतांशु कोटक ने भी ज़िम्बाब्वे मुकाबले से पहले इस मुद्दे को स्वीकार किया था और सुधार की जरूरत पर जोर दिया था। यदि टॉप ऑर्डर जल्दी आउट होता है, तो मिडिल ऑर्डर पर रन गति बनाए रखने की जिम्मेदारी बढ़ जाती है। ऐसे में अनुभवी विकल्प के तौर पर संजू सैमसन को शामिल करना एक रणनीतिक कदम हो सकता है।

चेपॉक में निर्णायक परीक्षा

चेन्नई की पिच स्पिन और धीमी गेंदबाज़ी के लिए जानी जाती है, जहां शॉट चयन और धैर्य अहम भूमिका निभाते हैं। टीम मैनेजमेंट को यह तय करना होगा कि क्या युवा खिलाड़ियों को एक और मौका दिया जाए या अनुभव को प्राथमिकता दी जाए।

जिम्बाब्वे के खिलाफ यह मुकाबला सिर्फ एक लीग मैच नहीं, बल्कि भारत के टी20 वर्ल्ड कप अभियान का टर्निंग पॉइंट साबित हो सकता है। सहवाग की सलाह ने चयन पर बहस को और तेज कर दिया है, और अब सबकी नजरें प्लेइंग इलेवन पर टिकी हैं।

पाठ्यपुस्तक में न्यायिक भ्रष्टाचार: सुप्रीम कोर्ट की कड़ी फटकार के बाद एनसीईआरटी ने मांगी माफी

नई दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी) ने कक्षा आठ की पाठ्यपुस्तक में न्यायपालिका में भ्रष्टाचार से संबंधित एक विवादास्पद अध्याय को लेकर सुप्रीम कोर्ट की भारी नाराजगी के बाद बिना शर्त माफी मांग ली है। शीर्ष अदालत द्वारा इस सामग्री को बेहद परेशान करने वाला और संविधान के बुनियादी ढांचे पर हमला करार दिए जाने के बाद परिषद पूरी तरह बैकफुट पर आ गई है। एनसीईआरटी ने स्पष्ट किया है कि संबंधित अध्याय में अनुचित पाठ्य सामग्री और निर्णय की त्रुटि अनजाने में शामिल हो गई थी, जिसे अब उपयुक्त अधिकारियों के परामर्श से पूरी तरह से फिर से लिखा जाएगा। इस विवाद के बीच परिषद ने अपनी आधिकारिक वेबसाइट से इस पुस्तक को हटा दिया है और इसकी प्रतियों का वितरण भी तत्काल प्रभाव से रोक दिया गया है।

इस संवेदनशील मामले का जन्म तब हुआ जब मुख्य न्यायाधीश जस्टिस सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ, जिसमें जस्टिस जोयमाल्य बागची और जस्टिस विपुल एम. पंचोली शामिल थे, ने पाठ्यपुस्तक की सामग्री पर स्वतः संज्ञान लिया। वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल और अभिषेक सिंघवी द्वारा मामले की गंभीरता की ओर ध्यान दिलाए जाने के बाद अदालत ने इस पर तत्काल सुनवाई की। मुख्य न्यायाधीश ने न्यायपालिका की गरिमा को ठेस पहुंचाने के किसी भी प्रयास पर कड़ा ऐतराज जताते हुए कहा कि संस्थान के प्रमुख के रूप में यह उनकी जिम्मेदारी है कि वह निष्पक्षता की रक्षा करें। उन्होंने तीखी टिप्पणी करते हुए यहाँ तक कहा कि यह प्रकरण एक सोची-समझी चाल प्रतीत होती है, जिससे न केवल बार बल्कि बेंच के सदस्य भी अत्यंत चिंतित हैं। जस्टिस बागची ने इसे और अधिक गंभीर बताते हुए कहा कि ऐसी सामग्री विद्यार्थियों के मन में संवैधानिक संस्थाओं के प्रति गलत धारणा पैदा करती है, जो सीधे तौर पर संविधान के मूल ढांचे के विरुद्ध है। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, कक्षा आठ के इस अध्याय में समाज में न्यायपालिका की भूमिका पर चर्चा के दौरान न्यायपालिका के विभिन्न स्तरों पर भ्रष्टाचार जैसे संवेदनशील उपविषय को शामिल किया गया था। इसमें न्यायिक बुनियादी ढांचे की कमी और लंबित मामलों की चुनौतियों का भी जिक्र था, लेकिन प्रस्तुतीकरण के तरीके को अदालत ने अपमानजनक माना। विवाद बढ़ता देख एनसीईआरटी के वरिष्ठ अधिकारियों ने सफाई देते हुए कहा कि उनका इरादा किसी भी संवैधानिक संस्था के अधिकार क्षेत्र को कमतर करने का कभी नहीं था। परिषद ने दोहराया कि वह न्यायपालिका को मौलिक अधिकारों के रक्षक के रूप में सर्वोच्च सम्मान देती है। अब इस सामग्री में सुधार किया जाएगा और संशोधित पाठ्यपुस्तक को शैक्षणिक सत्र 2026-27 की शुरुआत में छात्रों के लिए उपलब्ध कराया जाएगा। फिलहाल, पुराने स्टॉक को वापस लेने और डिजिटल प्लेटफॉर्म से सामग्री हटाने की प्रक्रिया पूरी की जा चुकी है।

संघ की अहम बैठक में बीजेपी अध्यक्ष नितिन नबीन पहली बार करेंगे शिरकत

-इस बैठक से पहले बीजेपी के संगठनात्मक ढांचे में हो सकते हैं कुछ बड़े फेरबदल

नई दिल्ली(एजेंसी)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की सर्वोच्च निर्णय लेने वाली संस्था अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा की अहम बैठक अगले महीने हरियाणा के समालखा में आयोजित होने जा रही है। इस बैठक में भाजपा के नवनियुक्त राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन पहली बार शिरकत करेंगे। जनवरी 2026 में बीजेपी की कमान संभालने के बाद नितिन नबीन का यह पहला आधिकारिक संघ दौरा है। राजनीतिक गलियारों में चर्चा है कि इस बैठक से पहले बीजेपी के संगठनात्मक ढांचे में कुछ बड़े फेरबदल हो सकते हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक माना जा रहा है कि समालखा बैठक में बीजेपी के

प्रतिनिधि मंडल में कई नए चेहरे देखने को मिल सकते हैं। यह बदलाव आगामी चुनावों और संगठन को नई ऊर्जा देने की रणनीति का हिस्सा माना जा रहा है। समालखा बैठक का मुख्य केंद्र बिंदु संघ के शताब्दी वर्ष से संबंधित कार्यक्रमों की समीक्षा करना है। देश भर में चलाए गए अभियानों, गृह-संपर्क और शताब्दी निमित्त आयोजनों से प्राप्त अनुभवों को यहां साझा किया जाएगा। प्रतिनिधि सभा की इस बैठक में वर्ष 2025-26 के दौरान किए गए कार्यों का लेखा-जोखा प्रस्तुत किया जाएगा। इसके साथ ही आगामी वर्ष के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रमों और कार्ययोजनाओं पर भी विस्तार से चर्चा होगी। बैठक में सामाजिक सद्भाव और राष्ट्रीय सुरक्षा जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर प्रस्ताव पारित होने की उम्मीद है। इस बैठक में सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत, सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले समेत संघ के सभी शीर्ष पदाधिकारी मौजूद रहेंगे। साथ ही बीजेपी समेत संघ से प्रेरित विभिन्न 32 संगठनों के प्रमुख पदाधिकारी भी इस विचार-मंथन में हिस्सा लेंगे।

झारखंड में दो बस आमने-सामने टकराई, कई यात्री घायल, कई गंभीर

रांची (एजेंसी)। झारखंड के गोड्डा जिले के बोआरीजोर थाना क्षेत्र में गुरुवार अल सुबह दो बसों की आमने-सामने टक्कर हो गई जिसमें कई यात्री घायल हो गए। यह हादसा बांसभीट्टा गांव के पास गुरुवार सुबह हुआ। टक्कर इतनी जोरदार थी कि दोनों बसों का अगला हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। कुछ घायलों की हालत गंभीर बताई जा रही है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया। गंभीर रूप से घायलों को रेफर किया जा सकता है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक टक्कर काफी भीषण थी। हालांकि राहत की बात यह रही कि इस हादसे में जनहानि नहीं हुई। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है और हादसे के कारणों का पता लगा रही है।

बिहार में बच्चा चोरी की अफवाहों पर सख्त नीतीश की पुलिस... आमजन से की ये खास अपील

पटना (एजेंसी)। बिहार पुलिस ने बच्चा चोरी की अफवाहों से बढ़ते खतरे के मद्देनजर सभी जिलों के थानों को अलर्ट कर दिया है। पुलिस ने निर्देश दिए हैं कि किसी भी बच्चे के गुम होने की सूचना मिलने पर तुरंत जांच की जाए। यदि कोई बच्चा 24 घंटे तक गुम रहता है, तब उसके मामले में केस दर्ज करना अनिवार्य है। पुलिस ने बताया कि पिछले दो दिनों में बच्चा चोरी के पांच मामले सामने आए, जिसमें मुजफ्फरपुर के दो और जमुई, पूर्णिया तथा नालंदा के एक-एक मामले शामिल थे। जांच में सभी मामले अफवाह साबित हुए। उन्होंने चेतावनी दी कि बच्चा चोरी की खबरें बहुत तेजी से फैलती हैं और भीड़ जुटने से मॉब लिंचिंग जैसी घटनाओं का खतरा बढ़ जाता है, जिससे निर्दोष लोग भी प्रभावित हो सकते हैं। इस वर्ष अब तक राज्य में 14,699 गुमशुदगी के मामले दर्ज किए गए हैं, जिनमें 12,526 बालिकाएं और 2,173 बालक शामिल हैं। पुलिस ने 7,772 बच्चों को बरामद कर लिया है, जबकि 6,927 बच्चे अभी भी गुम हैं। चार महीने तक बच्चे बरामद न होने पर मामला एंटी ह्यूमन ट्रैफिकिंग यूनिट को ट्रांसफर कर दिया जाता है। यह यूनिट सभी जिलों में सक्रिय है और इसतरह के मामलों की विशेष निगरानी करती है। पुलिस के आला अधिकारियों ने आमजन से अपील की है कि बच्चा चोरी की किसी भी सूचना पर कानून अपने हाथ में न लें। ऐसी स्थिति में तुरंत पुलिस को सूचित करें और डायल-112 या नजदीकी थाने से संपर्क करें। जनता की सतर्कता और पुलिस की त्वरित कार्रवाई से अफवाहों और मॉब लिंचिंग जैसी घटनाओं को रोका जा सकता है।

बीजेपी ने पोस्टर लगाकर राहुल गांधी पर बोला हमला... अराजकता का तरीका एक, बस चेहरे बदलते रहे

नई दिल्ली (एजेंसी)। नई दिल्ली में एआई समिट में हुए हंगामे पर भाजपा ने फिर कांग्रेस नेता राहुल गांधी को जिम्मेदार ठहराया। भाजपा ने राहुल गांधी की तुलना 2020 दंगे के आरोपी उमर खालिद से कर दिल्ली भाजपा ऑफिस के बाहर एक पोस्टर लगाया। इसमें लिखा कि अराजकता का तरीका एक, बस देश विरोधी चेहरे बदलते रहते हैं। पोस्टर में एक ओर उमर खालिद हैं जिसमें उमर को सीएए के खिलाफ प्रदर्शन करते हुए दिखाया गया है। वहीं दूसरी तरफ राहुल गांधी हैं उनके आगे शर्टलेस कार्यकर्ता की तस्वीरें जो एआई समिट का विरोध कर रहे हैं। ये पोस्टर भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता आरपी सिंह ने लगवाए हैं। उधर एआई इम्पैक्ट समिट हंगामा मामले में इंडियन यूथ कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष उदय भानु चिब को दिल्ली की पटियाला हाउस कोर्ट ने 4 दिन की पुलिस रिमांड में भेजा है। उन्हें मंगलवार सुबह पुलिस ने गिरफ्तार किया था। इस मामले में अब तक 8 गिरफ्तारी हो चुकी हैं।

बाबा विश्वनाथ के दर्शन को पहुंचे केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान, शंकराचार्य विवाद पर बचते दिखे

वाराणसी (एजेंसी)। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने गुरुवार को श्री काशी विश्वनाथ मंदिर पहुंचकर विधि-विधान से दर्शन-पूजन किया। उन्होंने काशी के कोतवाल काल भैरव की भी पूजा-अर्चना की। दर्शन के पश्चात मीडिया से बात करते हुए उन्होंने कहा कि सौभाग्य से बाबा विश्वनाथ के दर्शन प्राप्त हुए हैं। मेरी यही कामना है कि बाबा सभी पर अपनी कृपा और आशीर्वाद की वर्षा करें। देश की जनता सुखी व निरोग रहे और सभी का कल्याण हो। एक वैभवशाली, समृद्धशाली और गौरवशाली भारत के निर्माण में हर नागरिक अपना योगदान दे और भारत पूरे विश्व को शांति का संदेश दे-बाबा के चरणों में यही प्रार्थना है। वहीं, शंकराचार्य से जुड़े मुद्दे पर पूछे गए सवाल को टालते हुए उन्होंने कहा कि यहाँ राजनीति की कोई जगह नहीं है, वह केवल भक्ति के भाव में डूबे हैं। यहां भाजपा और कांग्रेस सभी बराबर हैं। मंदिर में दर्शन के उपरांत केंद्रीय मंत्री सीधे अराजीलाइन विकास खंड के शहंशाहपुर स्थित भारतीय सब्जी अनुसंधान संस्थान के लिए रवाना हो गए, जहाँ वे विशेषज्ञों और वैज्ञानिकों के साथ बैठक करेंगे।

यूट्यूबर कोमाली ब्रेकअप के बाद तनाव में थीं, जांच के बाद पुलिस ने किया खुलासा

-हैदाराबाद में एक अपार्टमेंट में पंखे से लटकी मिली थी लाश, मां को किया था मैसेज

हैदराबाद (एजेंसी)। पार्ट-टाइम यूट्यूबर बोनू कोमाली ने खुदकुशी कर ली है। कोमाली मूल रूप से आंध्र प्रदेश के विशाखापत्तनम की रहने वाली थीं और पिछले 11 महीनों से हैदराबाद के एक अपार्टमेंट में अकेले रहकर बीएससी की पढ़ाई कर रही थीं। वह यूट्यूब पर अपनी लाइफस्टाइल से जुड़े वीडियो शेयर करती थीं। पुलिस जांच में सामने आया है कि खुदकुशी से ठीक पहले कोमाली का अपने बॉयफ्रेंड के साथ विवाद हुआ था। इसके बाद उन्होंने कुवैत में रह रही अपनी मां को आखिरी मैसेज भेजा, जिसमें लिखा था- आई लव यू मम्मी सो मच, छोटे भाई का ख्याल रखना। जब मां के फोन करने पर भी कोमाली ने कॉल नहीं उठाया, तो उन्होंने एक दोस्त को घर भेजा। वहां दरवाजा तोड़ने पर कोमाली का शव पंखे से लटका मिला। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक शुरुआती जांच में कोमाली पिछले तीन साल से एक सॉफ्टवेयर इंजीनियर के साथ रिश्ते में थीं, जो खुद भी एक यूट्यूबर है। खबर है कि हाल ही में दोनों का ब्रेकअप हो गया था, जिसके कारण वह काफी तनाव में थीं।

सुप्रिया सुले और संजय राऊत लोकसभा में उठाएंगे अजीत पवार की मौत का मामला

मुंबई (एजेंसी)। शरद पवार गुट के नेता रोहित पवार ने एनसीपी के वरिष्ठ नेता अजित पवार के 28 जनवरी 2026 को हुए विमान हादसे की निष्पक्ष और पारदर्शी जांच की मांग फिर उठा दी है। उन्होंने कहा कि इस दुर्घटना को लेकर कई तरह की शंकाएं हैं और बिना किसी बाहरी हस्तक्षेप के पूरी जांच जरूरी है, लेकिन फिलहाल ऐसा प्रतीत नहीं हो रहा। रोहित पवार ने कहा कि लोकसभा में सांसद सुप्रिया सुले और अमोल कोल्हे इस मामले पर आवाज उठाएंगे, जबकि राज्यसभा में वरिष्ठ शिवसेना (यूबीटी) सांसद संजय राउत से भी इस मुद्दे को उठाने का आग्रह किया गया है। उन्हें इस संबंध में विस्तृत पत्र भी सौंपा गया है। उन्होंने हादसे से जुड़े कई महत्वपूर्ण पहलुओं पर विस्तार से चर्चा की। इसके अलावा रोहित पवार केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री राममोहन नायडू के इस्तीफे की मांग कर रहे हैं। उनका कहना है कि जब तक जांच पूरी नहीं होती, मंत्री को पद छोड़ देना चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि 28 जनवरी के घातक विमान हादसे में शामिल कंपनी वीएसआर को बचाने की कोशिश की गई। मुंबई स्थित विधान भवन में मीडिया से बातचीत में रोहित पवार ने जांच प्रक्रिया में समय सीमा और रिपोर्टों पर सवाल उठाए। उन्होंने बताया कि हादसे के दिन, जब अजित पवार का शव पोस्टमॉर्टम के लिए रखा गया था, उसी समय दोपहर 1:36 बजे डीजीसीए ने शुरुआती रिपोर्ट जारी कर दी। रोहित पवार ने कहा कि लापरवाही के कारण हमने एक बड़े नेता खो दिया, जो सिर्फ उपमुख्यमंत्री नहीं बल्कि जनता के दिलों के मुख्यमंत्री थे। अजित बारामती जिला परिषद और पंचायत समिति चुनाव के प्रचार के लिए बारामती जा रहे थे, तभी विमान रनवे पर लैंड करते समय दुर्घटनाग्रस्त हो गया। इस हादसे में अजित पवार के अलावा चार अन्य लोगों की भी मौत हुई।

प्रधानमंत्री की इजरायल यात्रा: ओवैसी और कांग्रेस ने नीतिगत बदलाव को बताया विश्वासघात

हैदराबाद (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की वर्तमान इजरायल यात्रा को लेकर देश के भीतर राजनीतिक पारा गरमा गया है। ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन के प्रमुख और हैदराबाद के सांसद असदुद्दीन ओवैसी सहित मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस ने इस दौरे पर कड़ी आपत्ति दर्ज कराते हुए इसे भारत की पारंपरिक विदेश नीति के साथ विश्वासघात करार दिया है। ओवैसी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर अपनी एक विस्तृत पोस्ट में केंद्र सरकार के इस कदम की कठोर आलोचना की है। ओवैसी ने इजरायली नेतृत्व की ओर इशारा करते हुए उन्हें युद्ध अपराधी बताया, जिनके खिलाफ अंतरराष्ट्रीय स्तर पर गिरफ्तारी वारंट की चर्चा है। उन्होंने तर्क दिया कि ऐसे समय में इजरायल जाकर वहां के नेतृत्व के साथ गर्मजोशी दिखाना भारत द्वारा दशकों से फिलिस्तीनी अधिकारों के प्रति दिए जा रहे सैद्धांतिक और ऐतिहासिक समर्थन के विरुद्ध है। ओवैसी ने मध्य पूर्व के भू-राजनीतिक समीकरणों पर गंभीर आशंका जताते हुए दावा किया कि प्रधानमंत्री की यात्रा समाप्त होते ही अमेरिका द्वारा ईरान पर हमला किया जा सकता है। उन्होंने अपनी पोस्ट का समापन जायोनिज्म मुर्दाबाद के नारे के साथ करते हुए इजरायल की राजनीतिक विचारधारा के प्रति अपना कड़ा विरोध स्पष्ट किया।

सिर्फ ओवैसी ही नहीं, बल्कि कांग्रेस पार्टी ने भी इस दौरे को लेकर सरकार पर तीखे हमले किए हैं। कांग्रेस ने प्रधानमंत्री की इस यात्रा को नैतिकता के विरोध में बताया है। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने भारत के ऐतिहासिक रुख की याद दिलाते हुए कहा कि 20 मई 1960 को तत्कालीन प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू ने गाजा में संयुक्त राष्ट्र आपातकालीन बल की भारतीय टुकड़ी से मुलाकात की थी। उन्होंने उल्लेख किया कि भारत ने हमेशा फिलिस्तीन के साथ एकजुटता दिखाई है, चाहे वह 1981 में स्मारक डाक टिकट जारी करना हो या 1988 में औपचारिक रूप से फिलिस्तीन राष्ट्र को मान्यता देना। इसी क्रम में कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी वाड्रा ने भी उम्मीद जताई कि प्रधानमंत्री इजरायली संसद नेसेट को संबोधित करते समय गाजा में मारे गए हजारों निर्दोष पुरुषों, महिलाओं और बच्चों के लिए न्याय की मांग करेंगे। उन्होंने जोर देकर कहा कि एक स्वतंत्र राष्ट्र के रूप में भारत का इतिहास हमेशा सत्य, शांति और न्याय के साथ खड़े होने का रहा है और हमें दुनिया को यही रोशनी दिखानी चाहिए।

दूसरी ओर, प्रधानमंत्री अपनी इस दो दिवसीय ऐतिहासिक यात्रा के दौरान इजरायल के साथ संबंधों को नई ऊंचाइयों पर ले जाने के संकल्प के साथ आगे बढ़ रहे हैं। बेन गुरियन हवाई अड्डे पर इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू और उनकी पत्नी सारा द्वारा किए गए भव्य स्वागत के बाद प्रधानमंत्री ने इजरायल की संसद नेसेट को संबोधित किया। अपने संबोधन में उन्होंने गाजा शांति पहल को पूरे क्षेत्र के लिए न्यायपूर्ण और स्थायी शांति का एकमात्र मार्ग बताया। प्रधानमंत्री ने आतंकवाद के मुद्दे पर इजरायल के साथ अटूट एकजुटता व्यक्त करते हुए स्पष्ट किया कि भारत आतंकवाद के

प्रति शून्य सहिष्णुता की नीति पर अडिग है। उन्होंने वैश्विक मंच से आह्वान किया कि आतंकवाद किसी भी रूप में हो, वह वैश्विक शांति के लिए खतरा है और इसका मुकाबला करने के लिए दोहरे मापदंड छोड़कर समन्वित वैश्विक प्रयासों की आवश्यकता है। जहां सरकार इस दौरे को कूटनीतिक सफलता के रूप में देख रही है, वहीं विपक्ष इसे भारत की गुटनिरपेक्ष और फिलिस्तीन समर्थक छवि को नुकसान पहुँचाने वाला कदम मान रहा है।

केंद्रीय मंत्री गडकरी ने दिल्ली में ग्रीन टैक्स बंद करने की वकालत की, पूछा- करोड़ों की वसूली का क्या हुआ?

नई दिल्ली(एजेंसी)। केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने दिल्ली की सीमाओं पर वाणिज्यिक वाहनों से वसूले जाने वाले पर्यावरण मुआवजा शुल्क को तत्काल समाप्त करने की जोरदार वकालत की है। एक सार्वजनिक कार्यक्रम के दौरान गडकरी ने इस कर की वसूली की सार्थकता और इसके तहत एकत्रित भारी-भरकम धनराशि के वास्तविक उपयोग पर कड़े सवालिया निशान खड़े किए हैं। उन्होंने दिल्ली नगर निगम की कार्यप्रणाली पर उंगली उठाते हुए पूछा है कि वर्षों से पर्यावरण के नाम पर वसूले गए करोड़ों रुपये आखिर कहां खर्च किए गए।

गडकरी ने खुलासा किया कि उन्होंने हाल ही में नगर निगम के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ एक उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक की थी। इस बैठक के दौरान उन्होंने निगम से यह स्पष्ट करने को कहा कि इस विशेष शुल्क से प्राप्त आय का हरित गतिविधियों या प्रदूषण कम करने वाली योजनाओं में कितना निवेश किया गया। उनके अनुसार, अधिकारियों ने स्वीकार किया कि पर्यावरण सुधार की दिशा में कोई ठोस योगदान नहीं दिया गया है। जब गडकरी ने इस टोल वसूली के औचित्य पर सवाल उठाया, तो अधिकारियों ने इसे सुप्रीम कोर्ट के पुराने आदेश का हिस्सा बताया। इस पर मंत्री ने सख्त रुख अपनाते हुए कहा कि यदि इस धन का उपयोग निर्धारित लक्ष्यों के लिए नहीं हो रहा है, तो जनता और परिवहन क्षेत्र पर यह अतिरिक्त बोझ डालना अनुचित है।

उल्लेखनीय है कि वर्ष 2015 में सुप्रीम कोर्ट के हस्तक्षेप के बाद दिल्ली में प्रवेश करने वाले भारी और वाणिज्यिक वाहनों पर ईसीसी लागू किया गया था। इसका मूल उद्देश्य प्रदूषण फैलाने वाले ट्रकों को शहर के भीतर आने से हतोत्साहित करना और प्राप्त राशि का उपयोग सार्वजनिक परिवहन व पैदल यात्रियों की सुविधाओं को बेहतर बनाने में करना था। हालांकि, गडकरी का दावा है कि उनके मंत्रालय की जांच में सामने आया है कि एकत्रित राशि का उपयोग प्रदूषण नियंत्रण के बजाय निगम की वित्तीय स्थिति को संभालने और वेतन जैसे खर्चों के लिए किया जा रहा है।

इस वित्तीय संकट का समाधान सुझाते हुए केंद्रीय मंत्री ने कहा कि यदि यह पैसा नगर निकाय को चलाने के लिए अनिवार्य है, तो दिल्ली सरकार को निगम को सीधे अनुदान देना चाहिए। उन्होंने यह भी संकेत दिया कि वे इस मामले में हस्तक्षेप करेंगे और सुप्रीम कोर्ट से इस पुराने आदेश पर पुनर्विचार करने का अनुरोध करेंगे। गडकरी का यह रुख दिल्ली-एनसीआर के ट्रांसपोर्टरों के लिए बड़ी राहत की उम्मीद लेकर आया है। यदि यह शुल्क हटता है, तो इससे आवश्यक वस्तुओं की ढुलाई लागत में कमी आएगी और अंतरराज्यीय व्यापार सुगम होगा। अब देखना यह है कि दिल्ली सरकार और न्यायालय पर्यावरण संरक्षण और आर्थिक सुगमता के इस द्वंद्व पर क्या निर्णय लेते हैं।

राज्यसभा चुनाव: महाराष्ट्र में एक सीट पर एमवीए में मच सकता है घमासान

-आदित्य ठाकरे ने ठोका दावा, शरद पवार की दावेदारी से कांग्रेस भी टेंशन में

नई दिल्ली (एजेंसी)। राज्यसभा चुनाव में देशभर की 37 सीटों पर 16 मार्च को मतदान होना है, लेकिन सबसे दिलचस्प मुकाबला महाराष्ट्र की सात सीटों को लेकर बन गया है। एनडीए जहां छह सीटें जीतती दिख रही है, वहीं एक सीट विपक्षी महाविकास अघाड़ी (एमवीए) के लिए प्रतिष्ठा और एकजुटता की परीक्षा बन गई है। एमवीए में शरद पवार की एनसीपी (एसपी), उद्धव ठाकरे की शिवसेना (यूबीटी) और कांग्रेस शामिल हैं। मौजूदा विधानसभा गणित के मुताबिक तीनों दलों के पास मिलकर इतनी ताकत है कि वे एक उम्मीदवार को जिता सकते हैं, लेकिन इसके लिए अतिरिक्त समर्थन की जरूरत होगी। ऐसे में सीट किसे मिले यही सबसे बड़ा सवाल है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक शिवसेना (यूबीटी) के नेता आदित्य ठाकरे ने विधायकों की संख्या के आधार पर राज्यसभा सीट पर दावा ठोका है। पार्टी का तर्क है कि 2020 में उसने एनसीपी को समर्थन दिया था, इसलिए इस बार उसका हक बनता है। पार्टी की राज्यसभा सांसद प्रियंका चतुर्वेदी का कार्यकाल समाप्त हो रहा है और उन्हें दोबारा भेजने की मांग उठ रही है। वहीं कुछ नेताओं का मानना है कि खुद उद्धव ठाकरे को भी राज्यसभा भेजा जा सकता है।

दूसरी ओर शरद पवार का राज्यसभा कार्यकाल खत्म हो रहा है और एनसीपी (एसपी) उन्हें दोबारा सदन भेजने के पक्ष में है। उनकी बेटी और बारामती से सांसद सुप्रिया सुले ने साफ कहा है कि पार्टी और कार्यकर्ता चाहते हैं कि शरद पवार ही फिर राज्यसभा जाएं। पार्टी नेताओं ने सहयोगी दलों से बातचीत के संकेत दिए हैं। यहीं से सियासी उलझन बढ़ जाती है। अगर सीट पवार को दी जाती है तो शिवसेना (यूबीटी) को पीछे हटना पड़ेगा। वहीं अगर शिवसेना को प्राथमिकता मिलती है तो एनसीपी (एसपी) में असंतोष की स्थिति बन सकती है।

कांग्रेस फिलहाल अपने पत्ते नहीं खोल रही है। पार्टी नेतृत्व गठबंधन की व्यापक रणनीति और संभावित भविष्य के समीकरणों को ध्यान में रखकर फैसला लेना चाहता है। कांग्रेस को एनसीपी के दोनों गुटों के संभावित समीकरणों को लेकर भी सतर्कता है। माना जा रहा है कि कांग्रेस समर्थन के बदले विधान परिषद चुनावों में समायोजन चाहती है। इससे साफ है कि महाराष्ट्र की जो एक सीट सिर्फ राज्यसभा चुनाव नहीं, बल्कि महाविकास अघाड़ी के भीतर नेतृत्व, संतुलन और भविष्य की राजनीति का संकेत भी बनेगी। अब सबकी नजर गठबंधन की अगली बैठक और अंतिम फैसले पर टिकी हैं।

दिल्ली हाईकोर्ट ने सैनिकों के हक में सुनाया फैसला- लाइफस्टाइल डिसऑर्डर कहकर नहीं रोक सकते दिव्यांग पेंशन

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली हाईकोर्ट ने गुरुवार को फैसला सुनाते हुए स्पष्ट किया कि सशस्त्र बलों के कर्मियों की दिव्यांगता पेंशन सिर्फ यह कहकर रोकी नहीं जा सकती कि बीमारी ÷लाइफस्टाइल डिसऑर्डर÷ है या पीस एरिया (शांतिपूर्ण तैनाती) में हुई। हाईकोर्ट ने माना कि सेना में सेवा हर परिस्थिति में तनावपूर्ण होती है और इससे गंभीर स्वास्थ्य समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं।

हाईकोर्ट में जस्टिस वी. कामेश्वर राव और जस्टिस मनमीत प्रीतम सिंह अरोड़ा की डिवीजन बेंच ने आर्म्ड फोर्सेज ट्रिब्यूनल (एएफटी) के उस आदेश को रद्द किया, जिसमें भारतीय वायुसेना के रिटायर्ड अधिकारी की दिव्यांग पेंशन याचिका खारिज कर दी गई थी। याचिकाकर्ता उच्च रक्तचाप (हाइपरटेंशन) और कोरोनरी आर्टरी डिजीज से पीड़ित हैं। हाईकोर्ट ने कहा कि यह मायने नहीं रखता कि बीमारी फील्ड एरिया में हुई या पीस पोस्टिंग में। असली सवाल यह है कि क्या बीमारी का संबंध सेवा परिस्थितियों से है। इस केस में मेडिकल बोर्ड यह स्पष्ट नहीं कर सका कि अफसर की बीमारियां सेवा से जुड़ी नहीं थीं।

कोर्ट ने विशेष रूप से कहा कि बिना ठोस वजह के बीमारी को ÷लाइफस्टाइल डिसऑर्डर÷ कहना कानूनन सही नहीं। मेडिकल बोर्ड ने भी माना था कि बीमारियां अधिकारी की लापरवाही या गलत आदतों से नहीं हुई थीं। मोटापा, धूम्रपान या शराब से जुड़े तर्क खारिज कर दिए गए क्योंकि रिपोर्ट में इन्हें कारण नहीं बताया गया था।

एएफटी द्वारा वजन और लाइफस्टाइल के आधार पर निष्कर्ष निकालना और हृदय रोग को सिर्फ पिछले 14 दिनों की ड्यूटी से जोड़ना भी तर्कसंगत नहीं माना गया। कोर्ट ने साफ किया कि बीमारी का मूल्यांकन पूरी सेवा अवधि और परिस्थितियों को ध्यान में रखकर होना चाहिए।

40 साल की सेवा, 50 फीसद दिव्यांगता, अब पेंशन सुरक्षित

याचिकाकर्ता अफसर ने वायुसेना में 40 साल से अधिक सेवा दी और ज्वाइनिंग के समय पूरी तरह से फिट थे। उन्हें 1999 में हाइपरटेंशन और 2016 में गंभीर कोरोनरी आर्टरी डिजीज हुई, जिसके लिए ओपन-हार्ट सर्जरी करानी पड़ी। उनकी दिव्यांगता 50 फीसद आंकी गई थी, लेकिन पेंशन रोक दी गई थी। हाईकोर्ट ने याचिका मंजूर करते हुए अफसर को 50 प्रतिशत आजीवन दिव्यांग पेंशन देने का निर्देश दिया। साथ ही रिटायरमेंट की तारीख से बकाया भुगतान 8 सप्ताह के भीतर जारी करने और देरी होने पर 12 प्रतिशत सालाना ब्याज देने का आदेश भी दिया।

नवबिहार मीडिया प्रा. लि. के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक डॉ. रामाज्ञा तिवारी द्वारा विश्वेश्वरा पब्लिकेशनंस एलएलपी की ओर से एस एच प्रिंटर्स प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा पेट्रोल पंप, रातू, रांची (झारखंड)- 835222 से मुद्रित एवं उद्योग भवन मार्ग, 19 A कोकर औद्योगिक क्षेत्र रांची- 834001 (झारखंड) से प्रकाशित। **संपादक- डॉ. रामाज्ञा तिवारी, कार्यकारी संपादक- भीष्म सिंह, प्रबंध संपादक- पंकज कु. सिंह*, प्रधान संपादक- देवेंद्र सिंह** (*पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार), **प्रबंधक- नरेंद्र कुमार सिंह.** 9334331934, 7903538992, 9570107019, **RNI Regn.: JHAHIN/2011/40902**